रिजिस्ट्री सं॰ डी- 272



PUBLISHED BY AUTHORITY

तं• 4] No. 4] म**ई बिल्ली, श**निवार, जनवरी 26, 1974 (माघ 6, 1895)

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 26, 1974 (MAGHA 6, 1895)

इस कांग में किया पृष्ठ संख्या दी कालं है किसस कि यह अलग सकलन के रूप में रखा का सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग III—बण्ड 1 (PART III—SECTION 1)

अच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमान और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 दिसम्बर 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रणासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17 सितम्बर, 1973 के अनुक्रम में संब लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० बी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 18 सितम्बर, 1973 से 31 अक्टूबर, 1973 तक 44 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रह में स्थानापक रूप से कार्य करने के लिए निगुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 सितम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री धनीश चन्द्र की, राष्ट्रपित द्वारा 5 दिसम्बर, 1973 से 19 जनवरी, 1974 तक 46 दिन की अतिरिक्त अविध के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापक रूप से कार्य करने के लिए निमुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1 नवम्बर, 1973 से 21 दिसम्बर 1973 तक 51 दिन की अविध के लिए अथवा आगामी आवेश तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

D No. D-222

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 5 नवम्बर, 1973 से 4 फरवरी, 1974 तक तीन मास की अवधि के लिए उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32014/1/73-प्रणा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी सहायक तथा उसी संवर्ग में स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री बी० एन० अरोड़ा को राष्ट्रपति द्वारा 1 दिसम्बर, 1973 के अपराह्म से उनके मूल पद पर सहर्ष प्रत्यावित्त किया गया है।

सं० ए०-32014/1/73-प्रशा०-III— संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्वायी सहायक श्री एव० आर० पन्त को, राष्ट्रपति द्वारा 19 अक्तूबर, 1973 से 1 दिसम्बर,

426GI/73

1973 तक 44 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-Ш:— इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 27 सितम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ए० के० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 19 अक्तूबर, 1973 से 24 दिसम्बर, 1973 तक 67 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-Ш:—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी ० के० सामन्त की, राष्ट्रपति द्वारा 12 नवम्बर, 1973 से 24 दिसम्बर, 1973 तक 43 दिन की अविध के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापक रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III:—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12 दिसम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहीयक की एन० आर० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा 4 नवम्बर, 1973 से 31 जनवरी, 1974 तक 89 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32014/1/73-प्रशा०-III:—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12 विसम्बर, 1973 के अनुक्रम में संग्र लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० डी० शर्मा की, राष्ट्रपति द्वारा 1 नवम्बर, 1973 से 7 दिसम्बर, 1973 तक 37 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत अवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अक्टूबर 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रणा० I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17 सितम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिवचालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० एल० मदान को राष्ट्रपति द्वारा 5 अक्टूबर, 1973 से 19 नवम्बर, 1973 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनु-

भाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 जनवरी 1974

सं० ए०-32013/5/73-प्रणा०-:I—कार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग (मंत्रिमंडल सिवालय) की अधिसूषना सं०
4/40/73-सी० एस० (I) दिनांक 20 दिसम्बर, 1973 द्वारा
संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिवालय/केन्द्रीय सिवालय
स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को जिन्हें उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तारीख से आगाभी
आदेश तक केन्द्रीय सिववालय सेवा के ग्रेड-I में नियुक्त किया गया
था, उन्हें अब संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर
सिववों के पद पर उसी तारीख से स्थानापन रूप से कार्य करने के
लिए नियुक्त किया जाता है:—

| अधिकारी का नाम | के० स० से० को ग्रेड I में नियुक्ति की तारीख |
|--|--|
| श्री एन० एस० जैन (के० स० से० का स्थायी अनुमाग अधिकारी) | 2-10-1973 (पूर्वाह्म) |
| श्री बी० एस० जौली, (के० स० से० का स्थायी अनुभाग अधिकारी) | 19-12-1973 (पूर्वाञ्च) |
| श्री एन० बी० माथुर, (के० स० स्ट० सेवा का चयन ग्रेड) | 8-12-1973 (पूर्वाह्म) |

एम० आर० भागपत अवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 8 जनवरी 1974

सं० ए०-32016/7/73-प्रशासन-II:—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21 नवम्बर, 1973 के अनकुम में आयोग के कार्यालय की स्थायी अनुसंघान अन्वेषक श्रीमती राज कुमारी आनन्द को 16 दिसम्बर, 1973 से आगामी आदेश तक आयोग के कार्यालय में नियमित आधार पर कनिष्ठ अनुसंघान अधिकारी (अनुसंघान एवं सांख्यिकी) के रूप में स्थानापक आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिसंडल सविवालय (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय अन्येषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 जमवरी 1974

तं ० 11/6 (13)/73-प्रशासन-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा राजस्थान राज्य के अधिकारी श्री नटवर लाल को, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, जयपुर शाखा, में दिनांक 20-12-1973 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए, प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जनवरी 1974

सं० ए०-11/72-प्रशासन-5-श्री अशोक कुमार सूरी, सीधे रूप से भर्ती पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, आबूमे दिनांक 24-11-73 (अप-राह्म) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया तथा दिल्ली पुलिस में दिनांक 1-12-73 (पूर्वास्त्र) को एक मास के प्रशिक्षण के लिए पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक जनवरी 1974

स० 3/4/73-प्रशासन-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश सवर्ग के भारतीय पुलिस सेना अधिकारी श्री दिवाकर आचार्य को दिनाक 24 विसम्बर, 1973 के पूर्वाह्म से अगले आवेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करसे हैं।

> गुलजारी लाल अग्रवाल, प्रशासन अधिकारी (स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

गृह मंत्रालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस महानिवेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 जनवरी, 1974

सं० ओ०-2-148/69-ईस्ट०—लेफ्टिनिन्ट कर्नल हरीश बहुल ने 25 दिन के उपाजित अवकाश 15-11-73 से 9-12-73, पर जाने के फलस्वरूप 14 नवम्बर के अपराह्म से केन्द्रीय रिजर्च पुलिस की 44 बटालियन में कमान्डेन्ट के पद का कार्य भार छोड़ा। अवकाश की समाप्ति तथा प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर श्री बहुल की सेवाएं आरमी अथरटीज को प्रतिस्थापित की जाती हैं।

दिनांक 7 जनवरी 1974

सं० एफ०-3-1-73-ईस्ट० : ---राष्ट्रपति श्री आर० तर-सिमहन सहायक कमान्डेन्ट को उनकी तदर्थ रूप में पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस में कमान्डेन्ट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं। 2. इन्होंने सहायक कमान्डेन्ट के पद का कार्य भार 30-11-73 के अपराह्म छोड़ा और तदर्थ रूप में 1-12-1973 के अपराह्म से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के 44 बटालियन में कमान्डेन्ट के पद का कार्य भार संभाला।

एस० एन० मायुर, सहायक निवेशक (प्रशासन), कृते महानिवेशक, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 जनवरी 1974

सं ० ओ०-II-932/73-स्थापना--महानिदेणका, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस दल डाक्टर सिसिर कुमार घोष को तवर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधि-कारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर सिसिर कुमार घोष को 9वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 6-12-73 पूर्वाह्न से संभाल लिया है ।

दिनांक 7 जनवरी 1974

सं० ए०-VI-16/73-स्थापना:—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्वे पुलिस दल श्रीजी० एल० गर्मा, कार्यालय अधीक्षक को भहानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में 17-11-73 से 13-1-74 तकः स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। उन्होंने अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली में 17-11-73 पूर्वाह्न से संभास लिया है।

दिनांक 9 जनवरी 1974

सं० ओ०-64/73-स्थापना:—राष्ट्रपति, श्री के० एथ० करमजन्दानी, उत्तर प्रदेश राज्य पुलिस के एक अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ रूप में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक निदेशक (लीगल) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर श्री के० एचं० करम-चंदानी ने महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक निदेशक (लीगल) के पद का कार्यभार 20-12-1973 बूर्वाह्म को संभास लिया।

> एस० एन० माथुर, सहायम निदेशक (प्रशासन)

गृह : मंत्रालय

कार्यालय भारत के महावंजीकार

नई दिल्ली-11, दिनांक 11 जनवरी, 1974

सं० 6/6/72-आर० जी० (ए० डी०-I):——राष्ट्रपति श्री सी० सी० डाक्टर, आई० ए० एस०, गुजरात के जनगणना-निदेशक की सेवाएं को दिनांक 20 अगस्त, 1,973 के पूर्वाह्र से गुजरात सरकार के सुपुर्द सहर्ष वापस करते हैं।

राष्ट्रपति ने यह भी सहर्ष निर्णय किया है कि श्री सी० सी० जान्टर गुजरात सरकार के अन्तर्गत अपने सामान्य कार्यभार के अतिरिक्त उपरोक्त दिनांक से 15 जनवरी, 1974 तक गुजरात के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधीक्षक के पद पर पदेन रूप से कार्य करेंगे।

रा० <mark>च० चा</mark>री भारत के महापंजीकार

वाणिक्यिक जानकारी एवं अंकसंकलन विभाग

कलकता-1, दिनांक 11 जनवरी, 1974

सं० एस्ट-iii (7)/73-/274:—श्रम तथा रोजगार विभाग की बैकारी विशेष समिति, विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में भारतीय सांख्यिकीय सेवा के चतुर्ष श्रेणी अधिकारी श्री एस० एन० श्रीवास्तव को, सेवानिवृत्त श्री आर० एन० घोष के स्थान पर, रुपये 700-40-1100-50/2-1250 के वेतनमान में, दिनांक 10 अक्तूबर, 1973 के पूर्वाह्म से, उप-महानिदेशक (भा० सा० से० की तृतीय श्रेणी) के तदर्ष आधारी पद पर स्थानापन्न रुप में काम करन के लिए नियुक्त किया गया है।

2. श्री एस० एन० श्रीवास्तव की उपर्युक्त नियुक्ति सर्वथा तवर्ष आधार पर की गई है। इस तदर्थ नियुक्ति के आधार पर उक्त अधिकारी की इस पद पर अनिश्चित काल तक बने रहने अथवा वरिष्ठता का दावा करने का अधिकार नहीं दिया जाता है।

> वी० भानु कोटि, महा-निदेशक

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (गृह भंद्रालय)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 जनवरी, 1974

सं० ई०-16014/(3)/20/73 प्रशासन-1:—तिमलनाडु राज्य पुलिस को प्रत्यावर्तन होने पर, श्री पी० जे० मनुअल ने दिनांक 22 दिसम्बर, 1973 के अपराह्म से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दक्षिणी क्षेत्र, मद्रास के सहायक कमांबेंट (कनिष्ठ प्रणासन अधि-कारी (पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

महालेखाकार केन्द्रीय राजस्य कार्यालय,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 जनवरी, 1974

सं० प्रणासन 1/5-5/प्रोमोशन/70-74/2571:—श्रीमान् महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके प्रत्येक के सामने अंकित तिथि से लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु अगले आवेश होने तक सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

| नाम | लेखाधिकारी के रूप में पद्मोन्नति-तिथि |
|------------------------|--|
| 1. श्री ए० डी० गुप्ता | 1-1-1974 पूर्वाह्म |
| 7. श्री औम स्वरूप . | 1-1-1974 पूर्वाह्न |
| 3. श्री डी० पी० देवगुण | 1-1-1974 पूर्वाह्न |

कार्यालय महालेखाकार

आन्ध्रप्रदेश, हैवराबाद 9 जनबरी 1974

महालेखाकार, आन्ध्रप्रदेश, हैं दराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री ए० भास्करराय को महालेखाकार, आन्ध्रप्रदेश, हैं दराबाद द्वारा वेतनमान रु० 590-30-830-35-900 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 15-12-73 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश म दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के वावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

ह०/-- अपठित प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय पूर्ति विभाग

नई दिल्ली-11, दिनांक 1 जनवरी, 1974

सं० ए०-32014/72-73/प्रशासन (समन्वय)/5730-34:—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग खाध तथा कृषि मंत्रालय और पुनर्वास नई दिल्ली ने श्री ओम प्रकास गुप्ता अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा) को, जो बर्तमान में "फूड काफ्ट इन्स्टीट्यूट चण्डीगढ़ में वाह्य विभाग सेवा पर हैं, विनांक 4-12-1973 पूर्वीह्न से रुपार्थ (प्रोफार्मा) आधार पर स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

इनकी पदोक्षति सूची में उससे वरिष्ठों के अधिकारों और दावों से पूर्वाग्रह रहित है।

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय)/5726-29— मख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, खाध एवं कृषि मंत्रालय तथा पुनर्वास मई दिल्ली ने अपने संस्थान के श्री के०शवा-नन्द अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा) को 4-12-73 के

पूर्वाह्न से मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, खादा एवं कृषि मंत्रालय, नई विल्ली के कार्यालय में आगामी आदेश तक स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति नामिका पैनल में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के वाकों और अधिकारों से पूर्वाग्रह रहित है।

> अरुणा माखन. उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक रक्षालेखा विभाग

नई दिल्ली-22, दिनांक 29 दिसम्बर 1973

सं० -40011(2)/73-प्रशा-ए०:--वार्धक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से पेंशन-स्थापना को अन्त-रित किया जायेगा।

| कम रोस्टर सं सं० | ग्रेड | |
|--|--|---|
| 1. श्री ए० एन० म (पी/41) | . स्थायी लेखा अधिकारी | |
| 2. श्री एन० जी० ((पी०/197) | लेमये . | . स्थायी लेखा अधिकारी |
| 58 वर्ष की आयुप्राप्त कर सेने की तारीख | पेंगन स्थापना को अन्तरित होने की तारीख | संगठन |
| 3-1-1974 | 1-2-1974 पूर्वाह्न | रक्षा लेखा नियं त्रक वायु सेना देहरा दून । |
| 3-3-1974 | 1-4-1974 पूर्वाह्न | रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमार पूना। |

दिनांक 3 जनवरी 1974

सं० 68018 (2)/71-प्रशासन-II:---राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री एस० स्वामीनाथन (जोकि हिन्दुस्तान कीटनाशक लि० नयी दिल्ली, में वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं) को उसी सेवा के वरिष्ठ ग्रेड (रु० 1800-100-2000-125-2250) में स्थानापन्न रूप में अनुक्रम नियम के अधीन 7-12-73 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> सी० बी० नागेन्द्र, रक्षा लेखा उप महानियंत्रक

रका मंज्ञालय महानिवेशालय, आईमेम्स फैक्टरियां भारतीय आर्डनेम्स फॅनटरियां सेवा

कलकत्ता-16, दिनांक 12 दिसम्बर, 1973

सं० 60/जी०/73:--राष्ट्रपति, निम्निखिल अधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक/सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:---

1. श्री एस० के० बन्दोपाध्याय,

1 दिसम्बर, 1973

स्थायी, डी०ए०डी०जी०

2. श्री कें० जे० पाप्पाचेन, स्थायी डी॰ए॰डी॰ जी॰ 1 दिसम्बर, 1973

एम० पी० आर० पिल्लाय, सहायक महानिवेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

देह, दिनांक 8 जनवरी 1974

सं० 6530/VII/X/HQ---निम्नलिखिस अधिकारी उनके नाम के सामने दी हुई दिनांक से नौकरी से निवृत्त हुए।

आर्डनैन्स अधिकारी सिविलियन (प्रशासन) श्री और० के० गामवाडे अस्थायी

अम्युनिशन अपो

देहरोड

नौकरी से निवृत्त हुए 15 दिसम्बर 1973

भम, रोजगार और पुनर्वास मंभ्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) खान सुरक्षा महानिवेशालय विक्रप्सि

दिनांक 11 जनवरी, 1974

सं 4(3) 72 -ए बी ०एम oI---श्री ए० एम o स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय पदाधिकारी, खान सूरक्षा महा-निदेशालय को 1 जनवरी, 1974 से सहायक प्रशासकीय पदाधिकारी के पद पर संपूष्ट किया जाता है।

> हि०मू० घोष, खान सुरक्षा महानिवेशक

भूचना और प्रसारण मंद्रालय पत्र सुखना कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1973

सं० ए० 12026/5/73-प्र०:---मुख्य सूचना अधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चतुर्थ ग्रेड के स्थायी अधिकारी डाक तार महानिदेशालय नई विल्ली में सहायक के रूप में कार्य कर रहे श्री डी॰ जी॰ नानोटकर को पन्न सूचना कार्यालय बम्बई में 4 विसम्बर, 1973 (प्रा॰) से प्रणासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर 2 वर्ष के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-12026/5/73-प्र०: — मुख्य सूचना अधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चतुर्थ ग्रेड के स्थायी अधिकारी डाक तार महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक के रूप में कार्य कर रहे श्री डी० जी० नानोटकर को पत्न सूचना कार्यालय बम्बई म 4 दिसम्बर, 1973 (प्रा०) से प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रति-नियुक्ति के आधार पर 2 वर्ष के लिये नियुक्त करते हैं।

रचवीर चन्द, सहायक मुख्य सूचना अधिकारी, इत मुख्य सूचना अधिकारी

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 7 जनवरी 1974

सं० 2/4/68-सीब्बन्दी-1:—फिल्म प्रभाग के नियंत्रक सथा प्रमुख निर्माता ने श्री एस० पी० चन्द्रमोहन के अवकाश पर चले जाने के कारण श्री एम० आय० सेंथी, स्थायी यूनिट प्रबन्धक को दिनांक 3-12-1973 के पूर्वाह्म से फिल्म प्रभाग बस्बई में स्थाना-पन्न निर्माण प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

> एम० के० जैन, सहायक प्रशासकीय अधिकारी, कृते नियंत्रक तथा प्रमुख निर्माता

आकाशबाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1974

सं० 5(84)/61-एस०-एक:---श्री के० जी० गोगटे, कार्यकम निदेशक, आकाशवाणी, पूना को, जिन्होंने सेवा निवृत्ति की
आयु पर पहुंचने के कारण 14 नवस्वर, 1973 को अपने पद का
कार्यभार छोड़ दिया था, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग
के कार्यालय ज्ञापन सं० 33/12/73-एस्ट्स(ए०), दिनांक 24
नवस्वर, 1973 की शर्ती के अनुसार 30 नवस्वर, 1973 के
अपराह्म से सेवा निवृत्त हुआ समझा जाएगा।

शांति लाल, प्रशासन उपनिदेशक, **कृते** महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1974

सं 1/5/69-एस०-दो: --श्री एच० सी० वास, प्रशासनिक अधिकारी, समाचार प्रसारण प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली, विनांक 31 दिसम्बर, 1973 के अपराह्म से सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 9 जनवरी 1974

सं० 2/24/61-एस०दो: महानिवेशक, आकाशवाणी, एतद्दारा श्री एस० के० दास गुप्ता लेखाकार, आकाशवाणी, शिलांग को 24-12-73 (पूर्वाह्म) से आकाशवाणी, शिलांग में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जनवरी 1974

सं० 2/1/62-एस०दो:—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री पी० के० दश गुप्ता, हेड क्लर्क, उच्च शक्ति प्रेषित, खामपुर, दिल्ली को 14-12-73 (पूर्वाह्म) से आकाशवाणी कोहिमा में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

> इन्द्रसेन पांघी, अनुभाग अधिकारी, इते महानिदेशक

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई विल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1974

सं० ए०-12023/4/72-सि० नि०:— महानिदेशक, आकाश-वाणी, केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक आर्किटेक्ट श्री हरीश चन्द्र को आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कन्ध में २० 350-900 के ग्रेड में सहायक आर्किटेक्ट के रूप में दिनांक 17-12-73 (पूर्वाह्न) से प्रथमत: एक वर्ष की अविध के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

पी० ए० सोलोमन,
मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी अधिकारी (सिविल),
कृते महानियेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1974

सं 15-8/72-एडिमन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० जी० शर्मा की मानसिक रोग चिकित्सालय, रौंची में 19 नवम्बर, 1971 अपराह्म से मनोविज्ञानी के पद पर पुष्टि की है।

सं० 11-16/73-एडमिन-1: — राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सिचवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रड के स्थायी अधिकारी श्री एस० के० कार्थक को पहली सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से 30 नवम्बर, 1973 अपारह्न तक केन्द्रीय सिचवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने श्री एस० के० कार्थक को उपर्युक्त अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

सं० 10-7/73-एडिमिन-1:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री अरूण कुमार गृहा को 3 दिसम्बर, 1973पूर्वाह्न से और अगामी आदेशों तक केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला कलकत्ता में किनष्ठ विश्लेषक (सूक्ष्म जीव विज्ञान) के पद पर 350-25-500-30 590-द० रो० 30-680 के वेतनमान में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल उप-निदेशक प्रशासन

विवेश ज्यापार मंद्रालय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय आयात तथा निर्यात ज्यापार नियन्नण स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1974

सं० 6/1008/73-प्रशा०(जी०)— राष्ट्रपति, श्री के० एल० रेखी, आई० आर० एस० को 1 9 दिसम्बर, 1973, के अपराह्म से अगले आदेशों तक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में निर्यात आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० जी० बोस मल्लिक) मुख्य नियंत्रक, आयास निर्यात

कृषि मंत्रालय विस्तार मिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाँक 3 जनवरी 1974

सं० 2(6)/71-सि० (प्रथम) — श्री सी० बी० पिल्ले, विस्तार निर्देशालय, कृषि मन्त्रालय (कृषि विभाग) में विशेष अधिकारी (परियोजना) श्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (अलिपिक वर्गीय) के पद पर 590-30-830-35-900 रुपए के वेतनमान में 31 अगस्त, 1973 से 31 दिसम्बर, 1973 या भर्ती के नियमों के अनुसार पद के नियमित रूप से भरे जाने में से जो भी पहले हो तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न बने रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त, प्रशासन निदेशक

(कृषि विभाग) विषणन और निरोक्षण निवेशालय (प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनाँक 28 दिसम्बर 1973

सं० फा० 2/8/72-वि०-II — भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की भारत के राजपन्न में प्रकाशित अधिसूचना सं० 3099 दिनाँक 3-11-73 के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को तुरन्त से इस संबंध में कि जीरा का श्रेणींकरण कृषि उपज (श्रेणींकर और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड के अधीन निमित तथा यथा संशोधित जीरा श्रेणींकरण और चिह्नन नियम, 1969 के उपबन्धों के अधीन किया जा चुका है, अतः परम आदेशों तक श्रेणींकरण प्रमाणपन्न जारी करने के लिए अधिकृत करता हूं।

| नाम' | पद |
|---|------------------------|
| · <u> </u> | 2 |
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन | प्रवर विपणन अधिकारी |
| 2. श्री जी० डी० भोगले | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री एम० जी० तोषनीवाल | विपणन अधिकारी |
| 4. श्री प्रयाग सिंह | ं विषणन अधिकारी |
| श्री आर० ए० खानोरकर | सहायक विपणन अधिकारी |
| श्री बी० के० सुदामे | सहायक विपणन अधिकारी |

| 1 | 2 |
|--|------------------------|
| 7. श्री ए० एस० वासनिक | प्रवर निरीक्षक |
| 8. श्री जान जार्ज | प्रवर विपणन अधिकारी |
| 9. श्रीए ल ० के० मु क्ला | प्रवर विपणन अधिकारी |
| 10. श्री के० बी० मलन्ता | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 11. श्री एस० के० सभरवाल | सहायक विपणन अधिकारी |
| 12. श्री एम० चत्रवर्ती | सहायक विपणन अधिकारी |
| 13. श्री एस० पी० सिंह | सहायक विपणन अधिकारी |
| 14. श्री एच० डी० श्रीवास्तवा | सहायक विपणन अधिकारी |
| 15. श्री के० एन० राय | सहायक विपणन अधिकारी |
| 16. श्री ए० के० गुहा | सहायक विपणन अधिकारी |
| 17. श्री वी० चन्द्रमौली | प्रवर विपणन अधिकारी |
| 18. श्री राजेश आजाद | विपणन अधिकारी |
| 19. श्री के० सुन्नामणियन | सहायक विपणन अधिकारी |
| 20. श्री आर० कानन | विपणन अधिकारी |
| 21. श्री ए० एस० मिश्रा | सहायक विपणन अधिकारी |
| 22. श्री आर० ए० सभरवाल | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 2.3. श्रीजी० के० पवार | विषणन अधिकारी |
| 2.4. श्री एम० के० पी० मैनन | सहायक विपणन अधिकारी |
| 25. श्रीएम०पी० जार्ज | सहायक विपणन अधिकारी |
| 26. श्री सी० एन० आनन्दकिशनन | प्रवर निरीक्षक |
| 27. श्री वी० बलराममूर्ति | सहायक विपणन अधिकारी |
| 28. श्री थामस उम्मन | प्रवर निरीक्षक |
| 29. श्री टी० एस० करुणाकरण | सहायक विपणन अधिकारी |
| 30. श्री पी० गोपीनाय कर्या 🕟 | प्रवर निरीक्षक |
| 31. श्री आर० वासुदेव कुरूप | सहायक विपणन अधिकारी |
| 32. श्री पी० आर० पद्मनाभन | प्रवर निरीक्षक |
| 33. श्री फिलिप इट्टेराह | सहायक विपणन अधिकारी |
| 34. श्री बी० एस० भारक्वाज | सहायक विपणन अधिकारी |
| 35. श्री के० के० विजयन | प्रवर निरीक्षक |
| , | एन० के० मुख्तिधरा राव, |

एन० क० मृरलीधरा राव, कृषि विदणन सलाहकार

फरीदाबाद एन० एघ०-4, दिनांक 9 जनवरी, 1974

सं० एफ० 3/121/71-प्र० फरी० I — श्री एन० आर० मुखोपाध्याय, विपणन अधिकारी को अनिवार्य गुण-नियंत्रणन-योजना माँस-खाद्य-उत्पाद, कलकसा के अधीन उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-2) के पद पर स्थानापन्न रूप से तारीख 29 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेण होने तक नियुक्त किया गया है।

सं० एफ० 3/149/66 प्र० फरी० I -- श्री एस० कें० हजेला विपणन अधिकारी को अनिवार्य गुण-नियंत्रण-योजना, मांस खादा-उत्पाद, बम्बई के अधीन उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-2) के पद पर स्थानापन्न रूप से 7 दिसम्बर, 1973 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने सक नियुक्त किया गया है।

दिनौंक 10 जनवरी 1974

सं० 3/185/73 प्रशा० फरी० I — पदोन्नति होने पर श्री लक्ष्मीनारायण सहायक विषणन अधिकारी, अम्बई, को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन बम्बई में बनस्पति तेल श्रेणीकरण योजना के अन्तर्गत दिनांक 15 दिसम्बर, 1973 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से विषणन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

(एन० के० मुरलीधर राव) कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विमाग मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

मद्रास, दिनौंक 27 नवम्बर 1973

सं० 18 (25)/73-प्रशासन/पी०-13333--भाभा परमाणु अनुसंघान केन्द्र के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी०' तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में उसी पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त श्री एन० स्वामीनाथन अय्यरको 1 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय कलपक्कम होगा।

के० बालाकष्णन प्रशासन अधिकारी कृते उप सचिव

मद्रास, दिनांक 28 विसम्बर, 1973

सं० एम०ए०पी०पी०/3/(66)/66-प्रशासन — रक्षा लेखा परीक्षा विभाग से परमाणु उर्जा विभाग की मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति श्री एन० शंकरसुब्रामणि ने, उनका प्रत्यावर्तन रक्षा लेखा परीक्षा विभाग में होने पर इस परियोजना में अपने पद का कार्यभार 28 नवम्बर, 1273 अपारह्म से छोड़ दिया।

के० बालाकृष्णन प्रशासन अधिकारी

बम्बई-5, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

सं० पी०पी०ई०डी०/4(500)/73-प्रशासन/14918 — मुख्य लेखा परीक्षक केन्द्रीय रेलवे, बम्बई के कार्यालय के एस० आर० ए० एस० लेखाकार तथा विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई स्थानापम्न सहायक लेखा अधिकारी श्री एस० बी० पटवर्धन ने उनका प्रत्यावर्तन होने पर इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार 30 नवम्बर, 1973 के अपारह्म से छोड़ दिया।

एम० एस० राव प्रशासन अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रमाग

बम्बई-5, दिनांक 12 दिसम्बर 1973

सं० पी०पी०ई०डी०/3(36)/73-प्रशासन-15517/228— वियुत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई में निदेशक, इस प्रभाग के अस्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री पी० एस० घेवरगीस की, श्री एम० एम० मैंथ्यू, सुरक्षा अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर 1-10-1973 से 17-11-1973 तक के लिए इस प्रभाग में अस्थायी रूप में मुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राव प्रशासन अधिकारी कृते निदेशक

न्युक्लीय ईंधन सम्मिश

हैंदराबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1973

सं० एन०एफ०सी०/प्रशासन/22/13/(2)/2098 — न्यूक्लीय ईंधन सम्पित्र के विशेष कार्य-अधिकारी, सहायक लेखाकार श्री जे० सूर्यनारायणन राव को 12-11-73 से 28 2-74 की अविधि तक अथवा आगामी आदेश तक के लिए, दोनों में जो भी पहले घटित हो, न्यूक्लीय ईंधन सम्पिश्र, हैदराबाद में सहायक लेखा अधिकारी के यद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० वी० सेतुमाधवन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसंघान केमा (कार्मिक प्रमाग)

बम्बई-85, दिनांक 30 दिसम्बर 1973

सं० पी०ए०/81(88)/73-आर०-4 — निदेशक भाभा पर-माणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री गुणोंबते विष्णुप्रसाद भट्ट, एक स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी०) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०) को 1 अगस्त 1973 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न रूप से आगामी आवेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/ इंजीनियरी ग्रेड (एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 जनवरी 1974

सं० पी०ए०/79(II)/72-आर०-4 — नियंत्रक भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित व्यक्तियों को इसी अनुसंधान केन्द्र में उनके नाम के सामने दी हुई तारीखों से, आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

| ऋम सं० | नाम | वर्तमान नियुक्ति के पहले का पद | कब से |
|----------------------------|-----|---|-------|
| 1. श्री ऊधव शंकः करमंकर | र | बीं०ए० आर० सी० में स्थाई अवर श्रेणी लिपिक और स्थानापम | |
| | | सहायक | |

| 1 2 | 3 | -1 |
|--|---|-------------------------|
| 2. श्री कृषेलीमधोम मुंदरम कृष्णन | बी० ए० आर० मी० म्थाई आणुलिपिक (वरिष्ठ) और पर- माणु उर्जा विभाग में स्थानापन्न महायक | 1-11-73 (पूर्वाह्न) |
| 3. श्री सरपानी पवमानचार | बी० ए०आर० मी० में स्थाई उपच श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक | 12-11-73 |
| श्री अमण कुमार दत्तात्नैय मोकाशी | –वही– | 15-11-73 |
| श्री अम्भे वल अच्युत नायक | वहो | 19-12-73 (पूर्वाह्न) |
| श्री मोरेश्वर गोपाल करिणक | वहीं | 19-12-73 (पूर्वाह्न) |

मं० पी०ए०/79 (II)-आर०-4 — इस अनुसंधान केन्द्र की 25 अक्तूबर, 1973 की अधिसूचना मं० 5/1/73 स्थापना-5/ 571 के कम में, नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र यहां के बाल चन्द्र गोबिन्द राव कुलकर्णी, एक स्थाई उच्च श्रेणीं लिपिक और स्थानापन्न सहायक को दो दिसम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेण तक के लिए स्थानापन्न महायक कार्मिक महायक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> पी० उन्नीकृष्णन उप स्थापना अधिकारी (भ)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 7 जनवरी, 1974

मं०६०-4788/594-प्रबंधक-श्रीअरिवन्द रे को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में, महायक प्रबंधक के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II में, एक अस्थायी पद के प्रति 350 क्वप्रति माह बेतन पर 350-25-500-30-590-द्व० रो०-30-800 क्व संशोधित बेतनमान में, दिनांक 10 दिसम्बर, 1973 पूर्वाह्म में अगले आवेश दिये जाने तक, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

> ह्रि नारायण महासर्वेक्षक भारत

विज्ञान और प्रोद्योगिकी विभाग भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी, 1974

मं० वी० एस आई०-66/81/73-सिवबंदी —-संघ लोक सेवा आयोग के सिफारिण के अनुसार श्री रामदास दिक्षीत को नियुक्ति भा०व०स० विभाग के केन्द्रीय कार्यालय में स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणीं पद धनस्पतिज्ञ के रूप में वेतनभार रू० 350-25-2-426GI/73 500-30-590 ि वीक-30-800 में 1 विसण्डर 1970 (प्रविक्त) में आगामीआदेश जारी होने तक किया जाता है।

> आर० पी० पातिल निदेशक-प्रभारी

विरुली बुग्ध योजमा

नई दिल्ली-४, दिनाँक 8 जनवरी 1973

सं० 7-9/73-स्था०-I—विल्ली दुग्ध योजना में दिनाँक 17-12-73 (पूर्वाह्म) में उप प्रबंधक (वित्त) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के फलस्वस्थ, कुमारी राधा चटर्जी तथा श्री ओम प्रकाण गिरोह्ना ने उसी दिन से दुग्ध नितरण अधि-कारी के पद का कार्य-भार त्याग दिया है।

डी० बी० एलावादी कार्मिक अधिकारी कृते अध्यक्ष

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग्) भारतीय भवेज्ञानिक सर्वेक्षण,

कलकत्ता-13, दिनांक 21 विसम्बर 1973

मं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रणासनिक अधिकारी श्री पूरन सिंह को प्रणासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में बेतन नियमानुसार 475-25-500-30-590-द० रो०-30-800/- ६० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश आने तक दिनौंक 6-7-73 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

दिनौंक 29 दिसम्बर 1973

सं० 2222 (पी० सी०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री पास्वेनाथ चक्रवर्ती को महायक भूबैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेण दिये जाने तक 27-11-1973 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जाता है।

एम० के० राय चौधरी महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनाँक 7 जनवरी, 1974

सं० ए०-19011/15/73-खान-3--भारतीय खान ब्यूरो के विष्ठ खनन भूवैज्ञानिक श्री जे० पार्थसार्थी ने, आई०टी०ई० सी० कार्यक्रम के अधीन श्री लंका को प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप, 12 अक्टूबर, 1973 के अपराह्म में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० मु**ब**ह्मण्यम, अवर सचिव

औद्योगिक विकास मंत्रालय, कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनाँक 10 जनवरी 1974

मं० ए०-19018(104)/73-प्रणा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थात, कलकत्ता के लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी श्री एस० एन० सेन गुप्त को शाखा संस्थान, शिलाँग (लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के अधीन) में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-2) नियुक्त करते हैं। उन्होंने महायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार 17 सितम्बर, 1973 (पूर्वाह्न) को संभाला।

के० बी० नारायणन् ष्ठप निदेशक (प्रणासन)

पूर्ति तथा मिपटान महानिवेशालय (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनाँक 27 दिसम्बर 1973

सं० प्र०-1/1(954)—महानिदेणक, पूर्ति तथा निपटान एनद्द्वारा निरीक्षण निदेणक (धातु) वर्नपुर के कार्यालय में प्रधान लिपिक थी एस० एन० दसा को दिनौंक 23 नवम्बर, 1973 के अपराह्म से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय, वर्नपुर में सहायक निदेणक (प्रणासन) (ग्रेड- II) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाँक 9 जनवरी 1974

मं० प्र०-1/1(942)——निरीक्षण निदेणक (धातु) वर्नपुर के कार्यालय में प्रधान लिपिक के पद पर अवनित होने पर श्री बी० बी० बोस ने दिनाँक 13 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्म से उसी कार्यालय में सहायक निदेणक (प्रशासन) (ग्रड- II) का पद भार छोड़ दिया।

त० वे० अनन्तनारायणन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

पूर्ति विभाग (प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनाँक 3 जनवरी 1974

सं० प्र०-6/247(31)/5 (7)—-राष्ट्रपति, भारत पूर्ति मिणन में तकनीकी अधिकारी के (ग्रेड III) श्री टी० के० बनर्जी को वहाँ से भारत लौटन पर दिनाँक 6 नवम्बर 1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेणों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा श्रणी-I की इंजीनियरी णाखा ग्रड-III में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बनर्जी पहली अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न में भारत पूर्ति मिशन लन्दन में पद मुक्त किये गये और उन्होंने 1-10-1973 में 6-10-73 तक 6 दिन कार्य ग्रहण अवधि तथा :-10-73 में 5-11-73 तक 30 दिन के अजित अवकाश के बाद दिनाँक 6 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न कलकला निरीक्षण मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इजीनियरी) का पद भार सम्भाल लिया। श्री कृ० जोशी उप निदेशक (प्रशासन)

पर्यटन तथा मागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 11 जनवरी, 1974

सं० ६०(1) 05005—निदेणक, प्रावेशिक मीसम केन्द्र, वस्वई कार्यालय के श्री एम० के० कृष्णन, सहायक मीसम विशेषज्ञ निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 12-2-1973 के पूर्वाह्म से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये।

सं० ई० (1) 05918—बेधणालाओं के महानिदेणक एतद् द्वारा निदेशक, उप प्ररण, पूना कार्यालय के थी एस० जी० भट्टाचार्य, व्यवसायिक सहायक को 13-12-1973 के पूर्वाह्र मे 29-1-1974 तक अङ्तालीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसस विणेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री भट्टाचार्य, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज निदेणक, उपकरण , पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंग।

सं० ई०(1) 04214— वेधणालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम, केन्द्र, नागपुर कार्यालय के श्री एम० मी० चाको, व्यवसायिक महायक को 10-12-1973 के पूर्वाह्म में 29-1-74 तक उक्यावन दिन की अवधि के लिए स्थानापस रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करने हैं।

श्री एम० सी० चाको, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही नैनात रहेंगे।

> नूतन दास मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

नौबहन एवं परिवहन मंत्रालय नौबहन महानिवेशालय

प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र", बम्बई और समुद्री अभियांतिक प्रशिक्षण निवेशालय, कलकत्ता/बम्बई में शैक्षिक वर्ष, 1974 के लिए प्रवेश

उपरोक्त संस्थानों में नौचालन और समुद्री अभियाँक्षिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निम्निलिखित केन्द्रों में 23 और 24 मई 1974 को हर एक केंद्र में उम्मीदबारों को पर्याप्त संख्या होने पर एक संयुक्त लिखित परीक्षा ली जायगी।

परीक्षाकेण्द्र

(1) अहमदाबाद (2) बैंगलौर, (3) भोपाल, (4) बम्बई, (5) कलकत्ता (6) चन्डीगढ़, (7) कटक, (8) दिल्ली, (9) एनिकुलम, (10) गोहाटी, (11) हैदराबाद,

(12) जयपुर, (13) लखनऊ, (14) मद्रास, (15 (नाग-पुर (16) पटना, (17), पोर्टब्लेयर, (18) श्रीनगर, (19) त्रिवेंद्रम, (20) विशाखापत्तनम ।

परीक्षा के लिये विषय होंगे:—(1) अंग्रेजी (एक प्रश्नपत) 3 घंटे तक 100 अंक (2) गणिन (एक प्रश्नप्रत) 3 घंटे-100 अंक (3) भौतिक विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 3 घंटे-100 अंक। (4) रसायन विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 1-1/2 घंटे-50 अंक। (5) सामान्य ज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 1-1/2 घंटे-50 अंक। प्रवेण परीक्षा के परिणाम के आधार पर उम्मीदवारों को चुनाव बोर्ड कलकत्ता/बम्बई, डाक्टरी परीक्षा और साक्षात्कार के लिये बुलाया जायगा। उम्मीदवारों को केंद्रों पर परीक्षा और साक्षात्कार के लिये यात्रा, भोजन एवं निवास क्यय का प्रवन्ध स्वयं करना होगा।

अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिये 15 प्रतिशत और जन जाति के योग्य उम्मीदवारों के लिये 5 प्रतिशत स्थान सुरक्षित रखें गये हैं।

आयु सीमा

उम्मीदवार, 1 जनवरी, 1974 को 16 से 18 वर्ष तक की आयु सीमा में होना चाहियं अर्थात् 2 जनवरी, 1956 और 1 जनवरी, 1958 के बीच जन्म हो। अनुसूचित जाति और जन जाति के उम्मीदवारों को 1 जनवरी, 1974 को 16 से 19 वर्ष तक की आयु सीमा होनी चाहिये अर्थात् 2 जनवरी, 1955 और 1 जनवरी, 1958 के बीच जन्म होना चाहिये। किसी भी देशा में आयुसीमा में शिथिसता नहीं होंगी।

प्रवेश के लिए योग्याएं

उम्मीदवार को हायर सेकॅडरी/प्री युनिवर्सिटी या उसके सम-कक्ष मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल या विश्वविद्यालय से परीक्षा' भौतिक रमायन विज्ञान और गणित, एच्छिक विषयों महित साइंस स्ट्रीम में उत्तीर्ण होना चाहिये। वे उम्मीदवार भी जो उपरोक्त योग्यता परीक्षा में बैठ चुके हो या बैठने की इच्छा रखते हों, प्रवेश के लिये आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनको साक्षात्कार के समय परीक्षा में पास हो जाने का कागजी प्रमाण 10 जुलाई, 1974 से पूर्व पेश करना चाहिये।

आवेवन

आवेदन फार्म और अन्य अनुदेश, स्वयं का पता लिखा, 20 पैसे का डाक टिकट लगा 23 मे॰ मी॰ X10 सें॰ मी॰ के आकार का लिफाफा और उम पर "बुक पोस्ट" गब्ब अंकित हुआ नौबहन महायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) को आवेदनपत्न भेजकर मुफ्त प्राप्त कर सकते हैं। लिफाफा और आवेदनपत्न पर अपना डाक का पूरा पता स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिये। आवेदन फार्म मंगाने वाले लिफाफे पर वाये हाथ की ओर "राजेंद्र/सं० अ० प्र० नि० के लिये आवेदन फार्म का अनुरोध" अंकित होना चाहिये।

विवरणिका

दोनो पाठ्यक्रमों के पूर्ण विवरण, फीस और छात्रवृत्तियां आदि की जानकारी देने वाली विवरणिका रु० 2/– की कीमत का रेखित पोस्टल आर्डर नौबहन महानिदेशक, बम्बई-1 को देय भेजकर नौबहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) से मंगाया जा सकता है। स्पट्ट अक्षरों में डाक का पूरा पता लिखा कर विवरणिका के लिये पृथक आवेदन करना चाहिये। विवरणिका के लिये आवेदनपत्न वाले लिफाफे में बायें ओर "विवरणिका के लिये अनुरोध" गब्द अंकित होना चाहिये।

अन्तिम तारीख

मभी तरह संपूरित अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों के आवेदन-पन्न नौवहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) को 31 मार्च, 1974 से पूर्व पहुंच जाने चाहिये। इस निश्चित तारीख के बाद आये हुए आवेदन पन्नों पर कोई विचार नहीं किया जायगा। रिक्त आवेदन फार्मों को डाक से भेजना 23 मार्च 1974 में बंद किया जायगा।

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध)

नई दिल्ली-11002, दिनांक 29 दिसम्बर, 1973

सं० क-31014/1/71-प्रणासन-5—अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानणाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीखों से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:---

| 新 中 | संख | या | अधिकारी का नाम | | | तारीख |
|------------|-----|------|-------------------|---|---|----------|
| | 1. | श्री | पी० बी० जोशी | | | 22-10-71 |
| | 2. | श्री | एम० मोहन काली | | | 22-10-71 |
| | 3. | श्री | एस० एल० तरवादी | • | | 22-10-71 |
| | 4. | श्री | वी० के० कुलकर्णी | | • | 22-10-71 |
| | 5 | श्री | कं ० जी० मूरजानी | | | 22-10-71 |
| | 6. | श्री | के० हनुमन्थराव | | | 9-12-71 |
| | 7. | श्री | एस० बी० ब्रह्मी | | | 9-12-71 |
| | 8. | श्री | के० के० पाटील | | | 7-8-72 |
| | 9. | श्री | डब्स्यू० एन० डामल | • | | 7-8-72 |

दिनांक 11 जनवरी, 1974

मं० 19012/447/73-प्रणा०-5-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विधुत् आयोग एतव्द्वारा श्री बी० के० मजूमबार, पर्यवेक्षक केन्द्रीय जल और विधुत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/ महायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें दिनांक 2-11-73 (पूर्वाह्म) से आगे आवेण होने तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त होने पर पर्यवेक्षक के ग्रेड वेतन तथा 10 प्रतिशत भत्ता पाने का अधिकार होगा।

श्री मजूमदार ने उपरोक्त समय एवं दिनांक से सहायक अभि-यंता, केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान नियंक्षण कक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग, ग्वालपारा के पद्य का कार्यभार सम्भाल लिया है।

कें पी० बी० मेनन,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विश्वुत् आयोग

वक्षिण पूर्व रेलवे

कार्यालय, महाप्रबन्धक

कलकत्ता-43 दिनांक 4 जनवरी, 1974

सं० पी०/जी०/14 एफ०/2 (कान्फ)—इस रेलवे के भारतीय रेल सेवा-यांत्रिक इंजीनियरी के परिवीक्षाधीन अधिकारी श्रेणी I/ अवर वेतनमान) श्री बी० बी० कर का पुष्टीकरण इस रेलवे में श्रेणी I (अवर वेतनमान) में 26 अप्रैल 1973 से किया जा रहा है।

दिनांक 7 जनवरी, 1974

सं० पी०/जी०/300 बी० (पार्ट II) — इस रेलवे के सिविल इंजीनियरी विभाग के श्रेणी II के स्थानापन्न अधिकारी श्री एस० आर० के० राव का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग की श्रेणी II में 28 मई 1970 में किया जा रहा है।

जी० एस० ए० सलदान्हा महाप्रबन्धक

आयकर आयुक्त का कार्यालय केरल

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा (121(2) के अधीन

आदेश

कोचीन-16, दिनांक 12 नवम्बर, 1973

मं० 12/73-74---इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 मं० 2/73-74 की अधिमूचना के आंशिक संशोधन के अनुसार आयक्तर मण्डल, पालघाट के तीन आयकर अधिकारी 20 नवम्बर, 1973 से आयकर अधिकारी के सारे कार्यों का पालन करेंगे।

> एस० टी० तिरुमलाचारी, आयकर आयुक्त, केरल, एरणाकुलम ।

धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश

आदेश सं० 13/73-74—इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 सं० 3-73-74 के अधिस्चना के आंशिक संशोधन के अनुसार आयकर मण्डल, पालघाट के तीन धनकर अधिकारी 20 नवम्बर, 1973 से धनकर अधिकारी के सारे कार्यों का पालन करेंगे।

उपहार कर अधिनियम 1958 की धारा 7 के अधीम आवेश

आदेश सं० 14/73-74—इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 सं० 4/73-74 के अधिसूचना के आंशिक संशोधन के अनुसार आयकर मण्डल, पालधाट के तीन उपहास्कर अधिकारी 20 नवस्बर, 1973 से उपहार कर अधिकारी के गारे आयों का पालन करेंगे।

आयकर

दिनाक 21 नवम्बर 1973

आदेश मं० 15/73-74--आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (1) और (2) के अनुसार, मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल का आयकर आयुक्त में, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 के अधिसूचना में दी गई अनुसूची के पद संख्या 6 और 12 के सामने कोलम सं० 3 के नीचे निम्नलिखित प्रवृष्टियां भर दी जायें। यह आवेण 22-11-73 से प्रवृत्त होगा।

- पद संख्या 6 के सामने (3) और (4) के बीच (-3अ)
 आयकर अधिकारी, थेणी-1 (परिवीक्षाधीन) जोड़िए।
- पद सं० 12 के सामन (4) और (5) के बीच (4-अ)
 आयकर अधिकारी, श्रेणी-1 (परिवीक्षाधीन) जोड़िए।

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 (2) के अधीम

आदेश

आदेश सं० 16/73-74---आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल का आयकर आयुक्त में, निदेण देता हूं कि इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 2/78-74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कोलम 1 और 2 में आयकर मण्डल एरणाकुलम और आयकर मण्डल तिकवनन्तपुरम् के नीचे निम्नलिखित प्रवृष्टियां भर दी जाये। यह निदेण 22-11-73 से प्रवृत्त होगा।

- कोलम सं० 1 में, आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, एरणा-कुलम, के बाद आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षा-धीन) जोड़िए।
- 2. कोलम सं० 2 में, आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षा-धीन) के सामने "ऊपर कोलम सं० 2" में बताया गया कार्यभार जोड़िए)।
- 2. कोलम सं० 1 में, आयकर अधिकारी (वसूली), तिरु-वनन्तपुरम्, के बाद आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परि-वीक्षाधीन) जोपड़ए।

धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश

आदेश सं० 17/73-74—धनकर अधिनियम, 1957 की धारा 8 (अ) के अनुसार, मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल का धनकर आयुक्त में, निदश देना हूं कि इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 3/73-74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कोलग 1 और 2 में आगकर मण्डल एरणाकुलम

और आयकर मण्डल तिरुवनन्तपुरम के नीचे निम्नलिखित प्रविष्टियां भर दी जाय । यह निदेश 22-11-73 से प्रवृत्त होगा ।

कोलम मं० 1 में, आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, एरणाकुलम के बाद आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) जोड़िए। कोलम सं० 2 में, आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) के सामने "ऊपर कोलम सं० 2 में बताया गया कार्यभार" जोड़िए।

कोलम सं० 1 में आयकर अधिकारी (वसूली) तिक्वनन्तपुरम के बाद आयकर अधिकारी श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) जोडिए।

कोलम सं० 2 में आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षा-धीन) के मामने ''ऊपर कोलम सं० 2 में बताया गया कार्यभार'' जोड़िए।

उपहार कर अधिनियम 1958 की धारा 7(अ) के अधीन आवेश

आदेश सं० 18/73-74— उपहार कर अधिनियम 1958 की धारा 7(अ) के अनुसार, मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल का उपहारकर आयुक्त, मैं निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 4/73-74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कोलम 1 और 2 में आयकर मण्डल एरणाकुलम और आयकर मण्डल तिक्वनन्तपुरम के नीचे निम्नलिखिस प्रवि- िष्ट्यां भर दी जायं। यह आदेश 22-11-73 से प्रवृत्त होगा।

1. आयकर मण्डल, एरणाकुलम ।

कोलम सं० 1 में, आयकर अधिकारी सी-वार्ड, के नीचे आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) जोड़िए। कोलम सं० 2 में, आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) के सामने "ऊपर कोलम 2 में बताया गया कार्य-भार" जोड़िए।

2. आयकर मण्डल, तिरुवनन्तपुरम ।

कोलम मं० 1 में आयकर अधिकारी (वसूली) के नीचे आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) जोड़िए। कोलम मं० 2 में आयकर अधिकारी, श्रेणी 1 (परिवीक्षाधीन) के सामने "ऊपर कोलम 2 में बताया गया कार्यभार" जोड़िए।

एस० टी० तिरूमलाचारी उपहाकर आयुक्त, केरल ।

विनांक 23 नवम्बर, 1973

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 (2) के अधीन आवेश

आदेश सं० 19/73-74—इस कार्यालय के दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 2/73-74) के आंशिक संशोधन के अनुसार, आयकर

अधिकारी, डी-वार्ड, ट्रिच्चूर, उक्त आदेश की अनुसूची के कोलम 2 और 3 में निदिष्ट कार्यों का पालन करेंगे। यह आदेश 26-11-73 से प्रवृत्त होगा।

आदेण मं० 20/73-74—इस कायालिय के दिनांक 12-7-73 (आदेण मं० 3/73-74) के ऑिशक संशोधन के अनुसार, आयकर अधिकारी, डी-बाई, ट्रिब्बूर, उक्त आदेश की अनुसूची के कोलम 2 और 3 में निर्दिष्ट कार्यों का पालन करेंगे। यह आदेश 26-11-73 में प्रवृत्त होगा।

एम० टी० तिस्मलाचारी आयकर आयुक्त, केरल।

उपहार कर अधिनियम 1958 की धारा 7 (अ) के अधीन आदेश

आदेश सं० 21/73-74—इस कार्यालय के दिनांक 12-7-1973 (आदेश सं० 4/73-74) के आंशिक संशोधन के अनुसार, आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, दिच्चूर, उक्त आदेश की अनुसूची के कोलम 2 और 3 में निदिष्ट कार्यों का पालन करेंगे। यह आदेश 26-11-1973 में प्रवृत्त होगा।

एम० टी० तिरुमलाचारी उपहारकर आयुक्त, केरल ।

केन्द्रीय उत्पाव एवं सीमा शुस्क समाहर्तालय,

पटना, दिनांक 2 जनवरी 1974

मं० डी० 11 (7)/1-स्था०/70—इस कार्यालय के स्थापन मं० 278/73, दिनांक 15 नवम्बर, 1973 के अनुसार श्री एस० एम० सरकार, वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णत्क को अनिन्तम रूप से अगले आदेश तक अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद णत्क श्रेणी-11 के रूप में 350-25-500-30-490-द० रो०-800-द० रो०-830-35-900 और नियमानुसार प्राप्त भत्ते सहित के वर्तमान वेतनमान में नियुक्त किया गया था। श्री सरकार ने समाकलित पूर्णिया प्रमण्डल में अधीक्षक (प्रविधि) के रूप में 30-11-73 के अपराह्म में अपना कार्यभार प्रहण कर लिया है।

मी० मं० 11 (7)/म्थभ०/70—केन्द्रीय उत्पाद मुल्क पटना ममाहर्तालय, पटना के म्थायी अधीक्षक (श्रेणी- Π) श्री जे० पी० चटर्जी अपने मेवा काल की ममाप्ति पर दिनांक 30-11-73 के अपराह्म में मेवा निवृत्त हो गए हैं।

हरिनारायण, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

सर्तालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विंग)

कोचीन-3, दिनांक 9 जनवरी 1974

मी० मं०-11/3/13/73-स्था०-1--मुख्यालय कोचीन-3 के कार्यालय अधीक्षक श्री वी० जनार्वनन को 3-10-1973 के अप- राह्म से, इस समाहर्तालय के केन्द्रीय उत्पाद शत्क विंग (मुख्यालय) का स्थानापन्न प्रणासन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सी० सं० 11/3/19/73-स्था० 1—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के इस समाहर्ता कार्यालय के निम्निलिखित (वरीय श्रेणी) निरीक्षकों की, उनके नाम के सामने दी गई निथि से, स्थानापन्न अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के रूप में नियुक्ति की गई है।

| ं क्रम अधिकारी का नाम सं० | बह् संगठन जहां उन पदोक्षति के बाद, तैनात किया गया है । | हे अधीक्षक, के० उत्पा० यु० श्रेणी- II के रूप में कार्यभार संभालने की तिथि |
|---------------------------------------|--|---|
| 1. श्री एम० त्री० | पूनालर, एम० ओ० | 4-9-1973 |
| गंगाधरन | आर० | पूर्वाह्न |
| श्री जी० रामाकृष्ण | सी० आर० एम० | 3-9-1973 |
| कुरुप | इरनाकुलम | पूर्वाह्न |
| 3. श्री डब्ल्यू० इ० आइपनि | चुंदले एम० ओ० आर० | 3-9-1973 पूर्वा ह्न |
| 4. श्री एम० कुमारन | बंदीपेरीयार एम० ओ० आर० | 3-9-1973 पूर्वाह्न |
| श्री के० एम० | कन्नानोरे एम० ओ० | 26-9-1973 |
| भामकरन | आर० | पूर्वाह्न |
| 6. श्री के० बासुदेवन | मबहायुजहा एम० ओ० आर० | 3-9-1973 पूर्वा ह |
| 7. श्री ज० सिवाराम | कनहानगड एम० ओ० | 3-9-1973 |
| मेनन / | आर० | पूर्वाह्य |
| 8. श्री जेकब चेरीयान | अल्लेपे, सीमा गु ल्क | 4-9-1973 |
| - | गृह | पूर्वाह्न |
| 9. श्री अरम्फल | अलवेये एम० ओ० | 3-9-1973 |
| मोह्म्मद | आर० | पूर्वाह्न |

श्री एस**् वें**कटा**रा**मा अ<mark>इ</mark>यर समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1974

फ० मं० II/3ई (अ) 3/73—निम्न वरित श्रेणी निरीक्षकों ने पदोक्षनि पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय में स्थानापक्ष

अधीक्षक उत्पाद शुल्क श्रेणी द्वितीय के रूप में अपने नामों के आगे अंकित तिथियों को कार्यभार सम्भाल लिया है।

| क्रम संख्या | नाम | | कार्यभार संभालने की तिथि |
|------------------------|---------------|---|---|
| 1. श्रीवी०पी० भिड | Î., | - | . 4-10-1073 (पूर्वाह्म) |
| 2. श्रीके०बी० ऐंल | गिनी | - | . 5-10-1973 (पूर्वाह्म) |
| 3. श्री आर० एच० | अडवानी | , | 3-10-197 3 (अपरा ह्न) |
| 4. श्री ए० बी० कार्डे | हेक र | | . 9-10-1973 (पूर्वाह्म) |
| 5. श्री ए० आर० ख | लपे . | • | . 3-10-1973 (पूर्वाह्न) |
| 6. श्री आर० डी० व | ारवेकर | • | . 9-11-1973 (अपराह्न) |
| 7. श्रीसी०डी०ठा | करे | | . 5-10-1973 (पूर्वाह्न) |
| 8. श्रीजे०एस०ले | ले . | • | . 4-10-1973 (पूर्वाह्र) |
| 9. श्री एम० के० ल | बाटे | • | . 9-10-1973 (पूर्वाह्न) |
| 10. श्री एन० के० पट्टे | | | . 13-11-1973 (पूर्वाह्न) |
| | | | एस० एस० मेहता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क |

चण्डीगढ़, दिनांक 9 जनवरी 1974

बम्बई।

सं० 249—अठावन वर्ष की अवस्था होने पर श्री बी० एस० आहूजा, स्थायी अधीक्षक द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, लुधियाना 8-11-1973 के अपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 250—श्री भीम सेन, कार्यंलय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, नई दिल्ली की नियक्ति, उत्पादन शुल्क के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन कम 350-25-500-30-590-द० रो०-30-830-द० रो०-30-800-35-900 पर अनन्तिम रूप में की गई है और उन्होंने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मंडल, श्रीनगर में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 15-11-19373 के पूर्वास्त्र में ग्रहण कर लिया ।

सं० 36—श्री के० एम० लाम्बा, उप अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली, की नियुक्ति, उत्पादन तथा नीमा णुल्क के अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी में वेतन कम 350-25-500-30-590-द राज-30-800-द राज-30-830-35-900 पर अनन्तिम रूप में की गई है और इन्होंने केन्द्रीय उत्पादन णुल्क, रोहतक में अधीक्षक द्वितीय श्रेणी के पद का कार्यभार दिनांक 1-12-1973 के पूर्वात्व में ग्रहण कर लिया।

कम-37—श्री के० ऐल० मन्होत्ना, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन णुल्क समाहर्तालय, चण्डीगढ़ की नियुक्ति, उत्पादन णुल्क के सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में बेतन कम 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 पर अनन्तिम रूप में की गई है और इन्होंने केन्द्रीय उत्पादन मुख्य समाहर्तालय, चण्डीगढ़ में सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 10-12-1973 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया।

बी० के० सेठ समाहर्ता

केम्ब्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, कानपुर

कानपूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1973

मं० 99/73—-श्री महेण्वर प्रसाद अग्रवाल, महायक ममाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क डिबीजन, कानपुर ने अपना पदभार 1-10-73 पूर्वाह्न को त्याग कर 1-10-73 से 31-10-73 तक 31 दिनों के अजित अवकाश पर गए।

- 2. श्री विसल कुमार मिश्र, महायक समाहर्ता (लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय कानपुर ने अपने स्थानान्तरण के कारण महायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क डिवीजन, कानपुर का पद भार 3-10-73 पूर्वाह्न को अतिरिक्त कार्यभार के रूप में लिया।
- 3. श्री महंग्वर प्रसाद अग्रवाल, सहायक समाहर्ता ने 31 दिनों का अवकाश ध्यतीत करने के पश्चात् 1-11-73 पूर्वाह्न को महायक समाहर्ता (लेखा परीक्षा) मृख्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर का पदभार श्री विमल कुमार मिश्र सहायक समाहर्ता से लेकर उनको सहायक समाहर्ता (ले० प०) के अर्ति तन कार्यभार से मुक्त किया।

दिनांक 4 जनवरी, 1974

मं० 6/74—श्री प्रीतम सिंह सियाल, मुख्य लेखा अधिकारी ने नारकोटिक्स कमिण्नर, ग्वालियर के कार्यालय से अपने स्थानानरण के कारण, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर के कार्यालय में दिनांक 30-11-73 अपराह्न को मुख्य लेखा अधिकारी का पद भार श्री राम हर्ष चतुर्वेदी मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय से लेकर उनको कार्यभार मुक्न किया।

2. श्री राम हर्ष चतुर्वेदी, मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्याद शृक्क समाहर्तालय, कानपुर ने 30-11-73 अपराह्न की अपना पदभार सौंपने के बाद 1-12-73 पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

ह्०/-समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुरूक समाहरणास्य, पश्चिमी बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 24 दिसम्बर 1973

मं० 52—अधीक्षक, द्वितीय वर्ग में प्रोन्नत होकर श्री निर्मल चंद्र चक्रवर्ती ने समाहरणालय के मुख्यालय की विधि-णाखा में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क का कार्यभार दिनांक 21-11-73 के पूर्विद्व में ग्रहण थिया।

मं० 53—प्रीवे॰ ऑर इन्ट्र० णाखा से स्थानास्तरित होतार श्री एम० एल० चौधरी, अधीक्षक, द्वितीय वर्ग ने श्री एम० एल० वर्मन, अधीक्षक, द्वितीय वर्ग जिनका स्थानास्तरण कलकत्ता और उड़ीमा समाहरणालय मे हुआ, के स्थान पर दिनांक 19-11-73 के पूर्वाह्म में मुख्यालय में अधीक्षक विजिलेंस का कार्यभार ग्रहण किया।

मं० 54—श्री विदिव कुमार कर, अधीक्षक, वितीय वर्ग दिनांक 30-10-73 के अपराह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादश्लक, मुख्यालय मैलुएसन मेल के कार्यभार से मुक्त होकर भारतीय तेल कानपुर निगम के अन्तर्गत हल्दिया शोधक योजना में प्रतिनियक्त होकर प्रस्थान किए।

मं० 55—अबकाण की समाप्ति के उपरान्त श्री अमल चं० राय ने श्री एम० एल० गुहा, प्र० अ० (मुख्या०) को अतिरिधन कार्यभार से मुक्त करते हुए दिनांक 2-11-73 के पूर्वाह्न मे पिण्चम बंग मुख्यालय में महायक मुख्य लेखा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया।

मं० 56—कलकत्ता सीमाणुल्क प्रमंडल के अन्तर्गत सियालदह सीमा-शुल्क आर० एम० एम० से स्थानान्तरित होकर श्री ममीर कुमार मिला, अधीक्षक, द्वितीय वर्ग ने उसी प्रमण्डल में इनवैस्टिगेशन सेल का कार्यभार दिनांक 1-11-1973 के पूर्वाह्न में ग्रहण किया ।

सं० 57—शी हमन्त कुमार दास, अधीक्षक, हितीय वर्ग ने सिलीगुड़ी सीमाणुलक प्रमण्डल के अधीक्षक एल० आर० के कार्यभार में मुक्त होकर दिनांक 30-7-73 के अपराह्न में उप-समाहर्ता का कार्यालय सिलीगुड़ी में अंक्षिक (प्रीवे०) का कार्य-भार ग्रहण किया।

एन० एन० राय चौधरी समाहर्ता, उत्पाद एवं सी माशुल्क पश्चिम बंग, कलकत्ता

मिरीक्षण निवेशालय सीमा शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक,

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1974

मं० 1/1971—श्री एम० डी० माथुर ने जो कि पहले केन्द्रीय उत्पाद णुल्क (स्वनिर्धारण निकामी प्रक्रिया) मभीक्षा समिति में अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निदेणालय, सीमाणुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, नई दिल्ली के मुख्यालय में 18-12-73 के दोपहर बाद से निरीक्षण अधिकारी, सीमा णुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद णुल्क श्रेणी-II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

मं० 2/1974---श्री ए० के० भंगारमानी जो कि निरीक्षण निर्देशालप, सीमा मुख्य तथा कल्हाण उत्पाद एक गई दिला में स्थायी कार्यालय अधीक्षक है और अब छुट्टी के कारण रिक्त हुए स्थान पर स्थानापक रूप से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त हैं, को अगला आदेश होने तक 4-1-1974 (दोपहर बाद) से श्री हरी देव शर्मा के छुट्टी जाने पर उसी स्थान पर स्थानापक्ष रूप से काम करते रहने की अनुमति दी गई है।

ह०- मंशारमानी निरीक्षण निदेणक सीमा णुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद णुल्क

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और मोविलान्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलीर, दिनांक 7 जनवरी 1974

सं० 11—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मोविलान्ड चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कें० कें० धार, कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक, बंगलौर

कम्पनी अधिनियम, 1956 यूनाईटेड असम इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में।

णिलांग, दिनांक दिसम्बर 1973

मं० 1055/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण में एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि युनाइटेड असम इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

िट० के० एस० वि<mark>ष्यास,</mark> कम्पनियों का रजिस्ट्रार, शिलांग

करपनी अधिनियम, 1956 सुफला फाइनेंस एण्ड खिट फण्ड ट्रेंडिंग कम्पमी प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी 1974

सं० 1293-टी० (560)—-कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माह के अवसान पर सुफला फाडनेन्स एण्ड चिट फण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके

प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> ओम प्रकाश जैन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

फी इण्डिया फण्ड प्राईवेट लिमिटेड

मद्रास, दिनांक जनवरी 1974

सं० 743/लिख०/73—यतः फी हण्डिया फण्ड प्राईवेट लिमिटेड (इनलिकुडिशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय भुमरी-तिलैया, हजारीबाग, कोश्वरमा में है, का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, यह छः कमवक्ता मास के लिए नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 16) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्द्वारा मूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर की इण्डिया फण्ड प्राईवेट लिमिटेड (इनलिकुडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकृत हेतुक दिशत नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पीर अन्नपूर्णा, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अहिलाण्डेस्वरी ट्रांसपोर्ट प्राप्तिबेट सिमिटेड के विषय में।

महाराष्ट्र, दिनांक 3 जनवरी, 1974

सं० 4705/डी० एन०/73—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर अहिंलाण्डेस्वरी ट्रान्सपोर्ट प्र ईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

हस्ताक्षर अपठनीय कम्पनियों का सहायक राजस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मिमाशंकर पोटेटो कोल्ड स्टोरेज प्रार्थिट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी, 1974

सं ० 15300/560 (3)—— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मिसाशंकर पोटैटो कोल्ड स्टोरेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एस० नारायनन, कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विजय गुड्स केरियर्स प्राईबेट लिमिटेड के विषय में ।

दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1974

मं० 1994/154—कम्पनी आधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विजय गृड्स कैरियम प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पो० एस० जॅन मोटर कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1974

मं० 1939/119—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पी० एस० जैन मोटर कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पी० सुखर्जी एण्ड कम्पनी प्रार्डवेट लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1974

मं० 90/126—कम्पनी अधिनिथम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पी० मुखर्जी एंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजम्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

सी० कपूर, कम्पनियो का सहायक रजिस्ट्रार दिल्ली ।

"कम्पनी अधिनियम, 1956 और आशा बूलवन्द अजमेर चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में"

जयपूर, दिनांक 4 जनवरी 1974

सं० सांख्यिकी/1237—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख के तीन माह के अवसान पर आणा बूलचन्द अजमेर चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

राम दयाल कुरोल, कम्पनियां का रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्पतिनरी चिट फण्ड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1971

सं०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्पतिगरी चिट फण्ड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटत कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वाली ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड्स प्राइचेट लिमिटेड के विषय में।

संगलीर, दिनांक 7 जनवरी 1974

मं० 00—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जानी है कि इस नारीख से तीन मास के अवसान पर वाली ट्रेडिंग एण्ड विट फण्ड्स प्रार्टवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी आएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1974

मं ०—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर मैसूर प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त प्रमानी विघटित कर दी जाएगी।

के० के० धर, कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक, बंगलौर ।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और वेवदास एण्ड सन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1974

मं० 16655/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की श्रारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतंद्द्वारा सूचना दी जाती है कि देवदास एण्ड सन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कमानी विघटित हो गई है।

टी० क० एम० विश्वास, कम्मनियो का सहायक रजिस्ट्रार पण्विम बंगाल । प्ररूप आई० टी० एन० एम०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 9 जनवरी 1974

निर्देण सं० मि० आर० 62/1533/73-74/ एक्यु० (बी०) — यतः, मुझे आर० कृष्णामृति, सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण्) बंगलूर आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० मे अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 8/5 (H फ्लोर), और प्लाट नं० 1, प्यालस रोड है. जो वसन्तनगर, बैंगलुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1973 सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत श्रायक्तर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः, भ्रायकार श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथात्:—

- (1) श्री मारथान्ड वर्मा द्वानकोर के राजा, नं० 6 ब्री० पी० पाडिया रोड.
 - (2) नबात मलिक मेहरबान अब्दूल रशीद खान
 - (3) नवात्रजादी नईम पाणा नं० ३, क्रान्निस्साम रोड, बैंगलूर । (अन्तरक)
- श्री पी० डी० देवन्द्र, 1-2/41, गन्गमस्ल रोड, हैदराबाद (ए० पी०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा श्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के स्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ं प्लाट न० 8/5 (Π पलोर) और प्लाट न० 1, प्यालस रोड, बसन्तनगर, बेंगलूर ।

आर० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 9-1-1974 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

> सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-1, बैंगलूर

> > बैगल्र, दिनाँक 9 जनवरी 1974

निदश सी० आर० 62/1535/73-74/एक्स् (बी०) –यत:, मुझे, आर० कृष्णम्ति, आयक्षर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के श्रधीन नक्षम प्राधिकारी को,यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-• रुपये मे∙ श्र**धिक** है और जिसकी संर प्लाट नर 814 (2 फ्लोर) और प्लाट नंर 2 है, जो नं० 8, प्यालम रोड, बैगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्टीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 17-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है श्रीर मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है श्रीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भ्रन्तरिनी (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🕻 :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय-कर श्रिधनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

ग्रीर यतः श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

अतः ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः— श्री ईप्याराजा, ट्रायनकोर (2) नवाब मिलिक मेहरबान अब्दुल रशीद खान दिलेर जंग बहादुर, सोवसूर के नवाब (3) नवाबजादी नईम पाशा, नं० 3 किन्सहस्साम रोड, बैंगलर (अन्तरक)

2. श्री पी० डी० रवीन्द्र, 275 डी०, 37 कास, VIII ब्लाक जयनगर, बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एलद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45, दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षमों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा भागे यह अधिसूचित किया जात। है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपीं की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 8/4 (Π फ्लार) और प्लाट नं 2 जो नं 6 8, प्यालस रोड, बैंगलूर में स्थित है ।

आर० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज वंगलूर

तारीख: 9 जनवरी 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलूर

बैंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/1530/73-74/ए०सी० क्यू०/बी० यत: मुझे आर० क्रिप्णमृति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संबालाट नव 8/3 (संब 8) और खुली जगह प्लाट नं० 3 है, जो प्यालस रोड, बैंगलूर में स्थित है, (ऑर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में ब्राणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर मे भारतीय रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 जलाई 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री (1' माप्थान्ड वर्मा एलया राजा ट्रावन्कोर (2) नवाब मालिक मेहरबान अब्दुल रशीद खान दिलेर जंग बरूहक,
 (3) नवाबजादी नईम पाशा किनन्गस्याकग रोड, बैगलूर (अन्तरक)
- 2. श्री डी० नरेन्द्र, 35, वयालिकावल एक्सटेनशन, वैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8/3 (1 फ्लोर) और प्लाट नं० 3 जो नं० 8, प्यालस रोड, बैंगलूर में स्थित है ।

आर० / कृष्णमूर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख़ 9 जनवरी 1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एम०. . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर

बैगलूर, दिनाँक 9 जनवरी 1974

निर्देण मं० सि० आर० 62/1532/73-74/ए० मी० क्यू० (बी०)--यत:, मझे, आर० किष्णमृति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगल्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षमप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट न० 8 और प्लाट नं० 5 और 5 ए० है, जो प्यालम रोड, बसन्तनगर बैंगलूर में स्थित है, (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकर्री के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण (1908 का 16) के अधिनियम, 1908 17 जुलाई 1973 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजारमुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारनिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई ∤कसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गर्ये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- 1. श्री (i) मारथान्ड वर्मा ईलिया दावनकोर के राजा
- (ii) नवाब मलिक मेहरवान अब्दुल रंशीद खान
- (iii) नवाबजादी नईम पाणा, न० 3 किस्तगहयाम रोड, बैंगलूर (अन्तरक) -
- 2. श्री पी० एम० देवदास नं० 1, आर० वी० लेऔट कुमारा पार्क एक्सटेनशन, वैगलूर-20 (अन्तरिती)
- 3. (i) श्री पी० एन० तलाटी (ii) लैफ्टी० कौत० जे० एम० कहाय (iii) स्तवाडरन लीडर पी० सी० भारदा (iv) सिजिथन कमानडर ए० के० देव (v) जान वेब (vi) एन० एम० मेहरा और के० एम० मेहना (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि यह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्मवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अभिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आर्थिपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत िए जाएमें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एनद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसुची

प्लाट नं ० 8 और प्लाट नं ० 5 और 5 ए०, प्यालम रोड, वैंगलूर ।

आर.० क्रिष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बैंगलुर

तारीख 9 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एम०---

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

सहायक आधकर आयुक्त (निरोक्षण) का कार्यालय, अर्जन रैज, बैगलूर

वैगल्ए, दिनांक 9 जनवरी | 1974

निर्देश एं० सि० आर० ५३/1534/73-74/ए० सी० क्यू० (बी०) - বে । এম । সাত্র কিলেম্বি, सहध्यक आयकर आयुक्त अधिनियम (निरीक्षण) वैगलर आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० मे अधिक है और जिसको २० प्लाट न० 8/1 और प्लाट नं० 6 है, जो प्यालस रोड, बमलनवर प्रेंगलर, प्रें स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनु-मुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूर में भारतीय रिक्स्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 जुलाई 1974 को पुर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्भ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिभव्द का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण राहुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में प्यक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही भुक्ष करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मारथान्ड बर्मा ईल्या ट्रवानकोर के राजा
- (2) नवाय मिलित में हरवान अब्दुल रशीद खान (3) नवाबजादी नईक पाणा, नव 3 किंद्रनाह्याम रोड, बैंगलूर (अन्तरक)
- (2) श्री पी० डी० गैलेन्द्र नं०), आरः बी० ले औट, कुमारापार्क बेंस्ट एक्सटेनशन चैंगलूर 20 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, याँद कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के शजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अवधि या तत्मंत्रधं व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः.
- (ख) इस सूचना के राजपत्न से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमूचित जिया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस स्कूला के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिल तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप क्रिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदहारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दीं और पदीं का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 8/1 और प्लाट न० 6 प्यालस रोड, बसन्तनभर, बैंगलूर

आर० क्रिप्णमूर्ति, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 9-1-1974

प्ररूप आई० टो० एन० एम० -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1974

निर्देश मं० मी०आर-62/1531/73-74/ए० मी० क्यू० (बी०) यत:, मुझे आर०िकष्णाभूति, महायवः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वैंगलूर आयकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ काये में अधिक है और जिसकी स० प्लाट नं० 7 है, जो प्यालम रोड, वैंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ध्य से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए गुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिविखित किए गए है ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात

- 1. श्री (i) मारशान्द वर्षा (ii) नवार अलिक मेहरशान अब्दुल रशीद खान (iii) नवाबजादी वर्धम पाणा, न० 5, कविस्म-ह्याम रोड्, बैगलुर (अन्तरक)
- 2. (i) पी० एम० देवदाभ (ii) पी० डी० रवीन्द्र (iii) पी० डी० देवेन्द्रनाथ (iv) डी० भरेन्द्र (v) पी० डी० मुरेन्द्र (vi) पी० डी० गैलेन्द्र, नं० 1. आए० वं।० लेओट, कृमाण-पार्क वेस्ट, वैंगलूर-20

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगत्ति के अर्जन वे लिए एतस्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यांव कोई ही, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा :
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर, उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितवह तिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास जिख्ति में किये जा सकेंगे।

एनद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उस स्थाबर मम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचता के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दो गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7, प्यालम रोट, बमन्तनगर एक्स्टेनशत, बैंगलूर । आर्० कुष्णमूर्ति, सक्षम आधिकारी महायक आयकर प्राप्का (विरीक्षण) अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 9-1-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1974

निर्देश मं० गी० आर० 62/1778/73-74/ए० मी० क्यू (बी) -- यत: मुझे आर० কিজ্জাদুনি, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलुर आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० स्थावर सम्पत्ति नं० 31. है, जो जरनलिस्ट कालोनी बैंगलुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, वसवनगृष्डि, बैंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपःल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री टी॰ एस॰ रामस्त्रामी छेट्टियार पुत्र सुब्बन्न छेट्टियार
 डोनष्ट्ररा लेऔट हन्मन्तनगर, बैंगलुर-19 (अन्तरक)
- 2. श्री (1) एस० पान्डुरंग (2) एस० क्रिष्ण नं० 22, V क्रास, स्वभिंग पूल एक्सटेनशन मल्लेश्वरम बैंगलूर-3 (अन्तरिती)
 - मैं० न्यू मेड्रो होटल
 - (2) श्री ए० एम० उचिल, रन्जन आटामोबैल्स
 - (3) श्री हेच मैयद यूसूफ स्टान दर्ड आटो ट्रेडम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्षी पैरा के अधीन सूचना दी गई हैं, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 31 जनरिनस्ट कालौनी, बैगलूर । आर० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बैगलुर

तारीख: 9-1-1974

प्रस्प आई० टी० एन० एस०~---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, मैंक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 14 जनवरी 1974

निदेश मं० बी० जी० स्नार० डी० एल० ग्राई०)/1395/ 73-74--यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक ग्रायकर आयुक्त निरी-क्षण अर्जन रैज चन्डीगढ श्रायक्षर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है और जिसकी मं जमीन है जो सराये खवाजा, तहसील बन्बगढ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1973 जुलाई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुगार यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से लिखित में वास्तविक रूप से कथित उक्त भ्रन्तर्ण नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अर्नुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मैं० युनाईटिइ श्रायल मिल्ज फरीदाबाद (अन्तरकः) 41—426 G1/73 (2) दी प्रिन्सीपल प्राफिसर मैं० इन्डो-लोबन बरान विरि रोज लिम्टेड 13/1, मधुरा रोड, फरीदाबाद (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के लिए एत**दहा**रा कार्यवाहियां भुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ढारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मराये खबाजा तहसील बल्बगढ़ जिला गुड़गावा में 61 कनाल 8 मर्ग्ल भूमि जिसके श्रायताकार नं० 50, िएलो नं० 11, 14/1, 12, 13, 17, 18, 19, 20, श्रीर श्रायताकार नं० 50 किला नं० 15/2 श्रीर 16/1।

(जायदान जैसे कि रजिस्ट्रीकृत दिल्ली के कार्यालय में जुलाई, 1973 में 409 नं० पर लिखा है।

> जी० पी० सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 14 जनवरी, 1974

प्ररूप वाई० टी० एन० एस०......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का, 43) की धारा 269घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज चर्ण्डागढ़ 156, सैक्टर 9-बी

त्रण्डीगढ़, दिनांक 14 जनवरी 1974

निदेण सं वी० जी० ग्रार० /(डी० एल० ग्राई)/1398/ 73-74.--गन:, मझे जी० पी० सिंह ,सहायक श्रायकर श्रायकत अर्चन रीम चण्डीगढ आयकर अधिनियम, 1961 (196) का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक श्रीर जिसकी स० जमीन 24 कनाल है जो गांव मुजैस्सर, तहसील बल्लभगढ में स्थित है (और इससे उपाय**ड़ अनुसूची** में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973, को पूर्वोक्त संशास्त्र के उचित बाजार मृहय में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए र्राजस्दीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से ऐसे दण्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय गाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दाण्टिव में कमी करने या उससे बचने के लिए शुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा आयकर अधिनियस, 1961 (1961 को 43) या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

ज़ार यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याण 30-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) भी पोनिष्दा कृमार वर्मन सपुत्र श्री द्यारक पीव व र्मन निवास 5 जैन मन्दिर रोड नई दिल्ली, ग्राजकला मार्फत कोसी फार्म लिमिटेड, गांव चट्टा जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) (ग्रन्तरक)।
-) 2) प्रिमिपल श्राफिसर मै० एल० एफ० यूनाइटिड लिमि-टेड, 40-एफ० कैनाट प्लैस, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदब्रारा कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रायत नं 25 किला नं 20 (8-0), 21 (8-0) 22 (8-0), कुल 24 कनाल, जो कि गांव मुर्जैस्सर, तहसील बल्लभ-गढ़, जिला गडगांव में स्थित है।

(जायदाद) जैसे कि राजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 444 जुलाई, 1973 के अनुसार राजिस्ट्रार श्राफिस दिल्ली में लिखा है)।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़ ।

तारीख: 14 जनवरी, 1974

माहर:

नई दिल्ली ।

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज चण्डीगढ़ 156, सैंक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनाँक 14 जनवरी 1974

निदेश सं० बी०जी०ग्रार० (डी०एल०ग्राई)/1399/73-74:-यत: मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य से अधिक है और जिसकीसं० 25,000/- रुपये जमीन 23 कनाल 18 मरले है जो गांत्र मुजेसर तहसील बल्बगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-गत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सलिन्द्ररा कुमार बर्मन पुत्र श्री आर्थ पी० वर्गर निवासी 5, जैन मन्दिर रोड नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) प्रिसिपल ग्राफिसर c/o आज कल कोमा फार्म लिमिटेड गांव चट्टा जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) (ग्रन्तरिर्ता) मैं डी एल एफ य्नाईटिड लिमिटेड 40-एफ कनाट लेस,

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाणत की तारीन्य में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बहुं। अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रायत नं० 25, किला नं० 9(0-7), 11(8-0), 12 (4-8), 18(3-3), 19(8-0), कुल 23 कनाल ग्रीर 18 मरले जो कि गांव मुजिसर नहसील बल्बगढ़ जिल्ला गड़गांवा । जायदाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 428 जुलाई, 1973 के ग्रनुसार रजिस्ट्रार ग्राफिस दिल्ली में लिखा है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, चण्डीगढ

तारीख: 14-1-1974

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 14 जनवरी, 1974

निदेश सं० बी० जी० ग्रार०/(डी० एल० श्राई०)/1396 73-74:---यत:, मझे जी० पी० सिंह , सहायक श्रायकर श्रायकत (तिरीक्षण), ग्रजंन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० 26 कैनाल है जो गांव सीहि नहसील बल्लभ-गढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रगस्त, 1973 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के निए सुकर बनाना।

और यन: आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही णुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थानः—

(1) भी भैतिन्द। कुमार वर्मन सुपूर्व भी सार० गी० वर्मन निवासी 5, जैन मन्दिर रोड नई दिल्ली, स्राजकल मार्फन कोमी फार्म लिमिटेड, गांव बहा जिला मथुरा (उत्तर प्रदेण) (स्रन्तरक) (2) ब्रिसियल ब्राफिसर, मैं० डी० एल० एफ० युनाईटिंड लिमिटेड, 40 एफ कैनाट प्लैस, नई दिल्ली । (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए एनदब्रारा कार्यवाहियां गुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जीन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्त्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुतवाई के समय सुने जान के लिए अधिकार होगा।

स्पध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रायत तं० 21, किला नं० 16(6-12), 28(1-0), श्रायत न० 22, किला नं० 18(8-0), 23(8-0), श्रायत न० 24, किला नं० 3/1(2-8) कुल 26 कैनाल जो कि गांव मीही तहसील बल्लभगढ़ जिला गुडगांव म स्थित है।

(जायदाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के लिलेख तं० 498 ग्रगस्त, 1973 के श्रनुसार रजिस्ट्रार श्राफिस दिल्ली में लिखा है)।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, नण्डीगत

दिनाक : 14 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, चण्डीगढ, 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 14 जनवरी 1974

निदेश स० बी० जी० श्रार० (ত্তी० চল০ আর্ত০)/1397/73-74:—-यत:, मुझ. श्री जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० मरले है जो गाव सीही कनाल 2 बल्लश्सद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मं भारतीय र्राजस्टोकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का. 16) 1973. ग्रगम्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रधीन उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के रजिस्दीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाता।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-ब्राही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) श्री विकित्सर कृमार वर्गल पून भी मार० गी० वर्मन निवासी 5 जैस मस्तिर रोड, नई दिल्ली (अन्तरक) (2) ब्रिसिपल ग्राफिसर, ग्राजकल C/०कोमी फारम लिम्टेड, गांव चट्टा, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) (अन्तरिती)

ही । एल । एफ । , युनाईटिड लिमिटिड, 40 एफ , कनाट प्लैंस, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उमकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐमें व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — ईसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्रायत नं ० 12, किला नं ० 11 (0-5), 20 मिन (2-1), 21(8-0), श्रायत नं ० 15, किला नं ० 1/2 (5-0), श्रायत नं ० 20, किला नं ० 20, किला नं ० 20 2/3 (3-3), 21(1-13), कुल 26 किनाल 2 मरले जो कि गांव मोही तहसील बल्लभगढ़ जिला गुड़गांवा। जैमें कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं ० 519, श्रगस्त, 1973 के श्रनुसार मव रजिस्ट्रार दिल्ली के श्राफिस में लिखा है।

जी० पी० सिह्, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नण्डीगढ ।

तारीय: 14-1-1947

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, तारीख 11 जनवरी 1974

निदश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/6295--यत:, मुझे

सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 291 है, जो ग्रंटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)

और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर धनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) . के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मैं० डी० एल० एफ० युनाइटंड लि०, 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरफ)
- 2. श्री रमेश चन्द्र वोरा पुक्क श्री राम रंग वोरा निकासी एल-57 कोर्ती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारी खासे 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा । स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का प्लाट जिसका नं० एस० 291 क्षेत्रफल 307 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रंटर कैलाग-II के गाँव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सङ्क पश्चिम : सर्विस लेन जन्म : फ्लाट नेव गर्मक/2

उत्तर: प्लाट नं॰ एस॰/289 दक्षिण: प्लाट नं॰ एस॰/293

> सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 11 जनवरी, 1974

> कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

> > केन्द्रीय राजस्य भवन नई दिल्ली।

नई विल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6795— यत:, मुझेइ सी० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961(1961का 43)की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० जे ०-1 है जो कैलाश कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 13/7 1973 की पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

श्री सतीश बंसल पुत्र श्रो जी० एल० बन्सल, स्टुड हाऊस,
 दिल्ली मार्ग, हिसार (हरयाणा) (अन्तरक)

2. श्री चमन लाल जेराठ पुत्र श्री खैराती लाराम जैराठ, निवासी 336, लाजपत नगर, जलन्धर सिटी (पंजाब)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतल्ढ़ारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट नं० 1 ब्लाक नं० जं० क्षेत्रफल 1349 वर्ग फीट जो कि निवासी कालोनी में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व: उमेश बन्सल का प्लाट

पश्चिम : सङ्क उत्तर : सङ्क

दक्षिण: श्रीमती शान्ती बन्सल का प्लाट

दिनांक: 11 जनवरी 1974 सी० वी० गुप्ते, मोहर: सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई विल्ली-1।

कार्यालय-सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, दिल्ली-1 केद्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली। नई दिल्ली दिनांक 10 जनवरी 1974

निद्रण सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6795--यत:, मझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- म्पये से अधिक है और जिसकी सं० ई० 189 है, जो ग्रेटर केलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). र्जिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं० डी० एल० एफ० युनाटेइड लि०, 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली ।
 (अन्तरक) श्रीमती पुष्पा बख्शी पत्नी ले० कर्नल के० एल० तक्शी निवासी ए०-68, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-8। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर गम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

जमीन का टुकड़ा जिसका सं० 189 क्षेत्रफल 348 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाण-II के गाँव वहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : प्लाट नं० ई०-187 पश्चिम : प्लाट नं० ई०-191

उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : सड़क

मी० वी० गुप्ते, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-1

तारीख: 10 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 वर्ग 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) दा कार्यालय अर्जन रंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी, 1974

निदेश मं० आई०ए०मी०/एक्यु० 1/1/73-74/6795---यत:, मझ सी० बी० गप्ते ग्रधिनियम. 1961(1961 का 43) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में ग्रधिक है और जिसकी सं० एम० $oxed{III}$ है, जो ग्रेटर कैलाश $oxed{II}$, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के श्रनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रौर यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---5--426G1/73

- मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०
 10. एफ अनाट प्लेग, नई दिल्सी । (अन्तरक)
- अीमती सन्य वर्ता वावा, वाई-30, होज खास, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां भूष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में तिए जा मकेंगे।

एतद्बारा यह अधिमूचिन किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वतर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, ब्रही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का प्लाट जिसका नं० 111 क्षेत्रफल 300 वर्गगज जो कि निवासी कालौनी ग्रंटर कैलाश H नई दिल्ली के गाँव बहुरपुर दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है .—

पूर्व - सड़क पश्चिम - सड़क उत्तर - प्लाट नं० एम०-113 दक्षिण - प्लाट नं० एम० 109

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी, कर आयक्त *(निरीक्षण*)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख. ८ जनवरी, 1974। मोहर; प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनाँक 9 जनवरी, 1974

निर्देश मं० आई०ए०मी०/एवयु० 1/1/73-74/6795—
यतः, मुझं सी० बी० गुप्ते आयकर अधितयम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है
और जिसकी सं० एम० - 53 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-73
को पूर्वोक्त मम्पत्ति

के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्यको के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की जुपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिङ लि०
 पुफ, कनाट 'लेम, नर्र दिल्ली । (अन्तरक)
- 2 श्री अवध बिहारी लाल पुत्र स्व० श्री भगवान दास निवासी एल/47, रेल कालौनी, रिवाड़ी (हरियाणा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं:——

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस स्चना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का दुकड़ा जिसका नं० 53 क्षेत्रफल 261 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश II के गांव बहारदुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व – सड़क पश्चिम – सर्विस लैन उत्तर – सर्विस लैन दक्षिण – एम/55

> (मी० वी० गुप्ते) सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 9 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज 2, विल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन नई दिल्ली।

भई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1974

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य्० 1/1/73-74/6795---यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7007 वार्ड नं० 16 है.जो देव नगर, 14-बी० करोल बाग, नई दिल्ली-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित 16) के अधीन 2-7-1973 बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; आंग/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन किसी या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, घारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

 श्रीमती श्रिमला देवी पुत्नी श्री दौलत राम पत्नी श्री शाम मृन्दर ताल म० नं० 7007, वार्ड नं० 16, ब्लाक नं० 14-बी०, देव नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

- श्रीमती वीना रानी पत्नी श्री एस० त्रिलोचन सिह् निवासी 31/6, राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
- श्री नाथ अग्रवाल म० न० 7000 वार्ड नं० 16, ब्लाक नं० 14-बी देव नगर, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो. सो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ध्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षण के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

एनदृहारा यह अधिमूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन मूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

े ढाई मंजिला पक्का मकान जिसका म्युनिसिपल नं० 7007 वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 15 क्षेत्रफल 90 वर्ग गज ब्लाक नं० 14-बी देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली-5 जो कि निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व - मड़क पश्चिम - मड़क उत्तर-- म० नं० 7008 दक्षिण - म० नं० 7006

> (सी० वी० गुप्ते) सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 11 जनवरी, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एन० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/1/73-74/6795/:---यनः, मभ्रे, सी ० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी मं० जे-1 है, जो प्रेंटर कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है)और इससे उपाबद्ध अनमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्टी-अधिनियम, 1908 (1908 কা 16) अधीन 13/7/1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रुप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए. सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने के लिए सुकर बनाना:—

और यतः आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियाँ, अर्थातः---

- श्री उमेण बन्मल पुत्र श्री जी० एल० बन्मल निवासी स्टुड हाऊस, दिल्ली मार्ग, हिमार (ह्रियाणा) (अन्तरक)।
- 2. श्री चमन लाल जैराठ पुत्र श्री खैराती लाल जैराठ 336 लाजपन नगर, जालन्धर सिंटी पंजाब - (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दूदारा कार्यवाहियां शुंरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा :-
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतत्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगे।

एनदृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपा की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका ब्लाक न० जे-1 क्षेत्रफल 1457 वर्ग फीट जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : प्लाट मि० जी० गुल० बन्सल का

पश्चिम : सड़क

उत्तर: मड़क

दक्षिण : प्लाट मि० उमेश बन्मल का

मी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-12, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ा**रीख**ं । । जन**व**री, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण**) ग्रर्जन रज. अमृतसर

नई (दल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/11/73-74/6795:---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर और जिसकी सं० जे-1 है, जो कैलाण कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 जुलाई, 1973, जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तप पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 वी हरीण बस्मल पृतः । पो०एन० बस्मल स्ट्रुट हाउस, दिल्ली मार्ग, हिसार (हरियाणा), (अल्लरक) 2. श्री चमन लाल जैराठ पुत्र ी खेराती राम राम जैरात निवासी 336 लाजपत नगर, जलन्धर सिटी (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं० 1 ब्लाक जे० क्षेत्रफल 1405 वर्ग फीट जो कि निवासी कालोनी कैलाण नई दिल्ली मं निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: प्लाट मि० जी० एल० बन्म का

पश्चिम : सङ्क उत्तर : सङ्क

दक्षिण: मि० उमे श वन्सल का प्लाट

मी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरज—— /2, नई दिल्ली, नई दिल्ली-1

िनांक ।। बनवरो, 1971 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजम्ब भवन, नर्ड दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/6795;-यत:, मुझे, सी० वी० गुप्ते सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह स्थावर सम्पत्ति, विश्वास करने का कारण है कि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 है, जो खान मार्कीट, नई दिल्ली में स्थित है. (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीदारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर आधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती शोभा भागव पत्नी स्व० श्री एम० डी० भागव निवासी ए-276 डिफेन्स कालौनी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शशी सेठ पत्नी श्री जी० पी० सेठ निवासी 88 गोल्फ लिन्क, नई दिल्ली (अन्तरिती)
- 3. श्री एस० पी० सेठ फ्लेट नं० 1 खान मार्कीट नई दिल्ली (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस रथावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1, खान मार्कीट नई दिल्ली सभी अधिकारी सिंहत हैं।

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख 11 जनवरी - 1974 भोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देण मं० आई० ए० मी०/एक्यु०/1/73-74—यतः, मुझे, मी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी मं स्थित है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 जुलाई 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमनी आदर्ण बिन्द्रा पत्नी श्री दलजीत सिंह् विन्द्रा निवामी 99 मृत्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री धर्म पाल धीर पुत्र श्री अमर चन्द धीर गांव व डा० फरकालान, जि० जलन्धर (पजाव) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतदृक्कारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पँरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुभवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिली इमारत 'पुष्पा विला' जो कि की होल्ड प्लाट पर बनी है जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो कि निवासी ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में है ।

> मी० बी० गुप्ते मक्षम प्राधिकरी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नर्ट दिल्ली-1

तारीख: 11 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि-2 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यु० । 1/73-74—यतः, मुझे, मी० वी० गुप्ते ग्रायकर ग्रिधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∤- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 20/55 है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ, के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री जवाहर लाल एण्ड मदन मीहन पुत्रगण श्री किशन गाल निवासी दी० 13/5 मादल टाञन हिल्ली-2 (अन्तरक)
- 2. श्री राम प्रकाण णर्मा पुत्र पी० टी० गंगा राम णर्मा, हारा श्री सी० एल० णर्मा एडवोकेट, 5269 अजीत मैंन्सन, जी० वी० रोड, दिल्ली (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतस्द्वारा नार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे च्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़ी होल्ड प्लाट नं० 20 सड़क नं० 55 क्षेत्रफल 555.55 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी पंजाबी बाग क्षेत्र गांव मादीपुर दिल्ली स्टेट दिल्ली, रोहतक रोड पर निम्न प्रकार में स्थित है:——

पूर्व :---सड़क नं० 55 पश्चिम :----मिन लैन, उत्तर :---बना हुआ मकान नं० 18, दक्षिण :----बना हुआ मकान नं० 22

> सी० बी० गुप्ते मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--२, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख: 11 जनवरी 1974

मोहर .

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय ACQUISITION RANGE, KAKINADA Kalinada, the 11th January 1974

Ref No. 1, No. 1/73-74.—Whereas, I. K. Subba Rao, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी संव Door No. 1-44 situated at Pragadavaram में स्थित है)और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Eluru में भारतीय रजि-स्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन July 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए रिजर्स्टीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-रु के गब्दों में पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करते के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 7—426GI/73

- Shri Manepalli Mallif Kharpena Rao, Rice Milla Aginppalli, Vuzvid Taluk, Krishna Dist. (Transferor)
- (2) Shri Kanamatha Reddi, Jawahai Reddy, Sri Srinivasa Rice Mill, Pragadayaram, Chimtelapudi Tq. (Transferee)
- (3) Shri Kanamatha Reddi Venkata Reddy Sarpanch. Pragadayaram.
- *(4) 1. Kalagoti Satyanarayana Pragadavaram. 2. Sri Gontiguntla Surya Kantham Pragavaram को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्हारा कार्यवाहियों शक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी जाएंगी।

एतत्द्वारा आगे ये अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

West Godavari Dist. Eluru Registration Chniritalapudi Tq. Pragadevaram Village—Hali Share in Sti Srinivasa Rice Mill situated at Kristelapudi Tadepallipuram Land—Door No. 1—44 Panchayar assessment No. 41—site, buildings together with Plant and Machinery etc.

Date - 11-1-1974.

K. SUBBA RAO Acquisition Range, Kakinada.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा २६७घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. I(1288) 73-74.- Whereas, 1, K. Subba R io आयकर अधिनियम 1961 (1961 की धारा 269-घके अधीन सक्षम प्राधिकारी श्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25∎000/- ४० मे अधिक है और जिसकी गं० No. Door No. 3/775, situated at Mandavaripeta, Allipuram Ward, Visakhapatnam

स्थित (और उसमे में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन July 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमरा अन्तरण निम्बिन में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर र्आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर बनाना :

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व के णब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत. अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात:--

- (1) Sri Tirumala Pradyonama Rao Door Vasantarno Street, Vizakhapatnam No. 22-69-10
 - (Transferor)
- (2) M/s Sangam Enterprises 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam. (Transferce)
- "(3) Nil
- *(4) List of interested persons in M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam.

 1. Sri K. Pattabirami Reddy

 2. Smt. K. Anasuyamma W/o, K. Pattabi Rami

 - Reddy, Sri K, Balakrishna Reddy, S/o K, Patlabi Rami Reddy.

 - K. Aruna minor don K. Pattabi Rami Reddy. K. Mahendra minor s/o K. Pattabi Rami Reddy. K. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabi Rami Reddy. Sri A. V. Rami Reddy C/o Satuam Enterprises. Visakhapatnam,

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गुवना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखिन में किए जासकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षगों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख़ और स्थान नियन फिए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐस व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सुचना दी गई है आक्षेपों की सुमवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पन्धीकरण----इसमें प्रयुक्त गब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43)** के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया

अनुसूची

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Dt. Visakhapatnam Municipality-Allipuram Ward Old No. Mandavari Peta Asst. No. 30873 Door No. 3/775.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायकः आयकार आयुक्त (निरीक्षण) Acquisition Range, Kakinada

Date . 10-1-1974.

प्रकृष आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Rel. No. J. No. 1(494)/73-74.—Whereas, J. K. Sulha Ano, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग्रं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी र(o No. Door No. 3/775, situated at Mandavaripeta, Allipuram Ward, Visukhapatoam

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से बिश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, at Visakhapatnam में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन in July 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विशंख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मन्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब वारा 269-ग के अनुसरण में, पै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) Sii Tuumala Prabakara Rao, Door No. 22-69-10, Vasanta Rao Street, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) M/s. Sangam Enterprises, Dwarakanagar, Visukhapatnam.

 (Transferee)
- *(3) Nil
- *(4) List of interested persons in M.s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam.
 - 1. Sri K. Pattabirami Reddy.
 - Smt. K. Anasusanima, W/o K Pattabi Rami Reddy.
 - Sri K. Balakrishna Reddy, S/o K. Pattabi Rami Reddy.
 - 4. K. Atuna minor d o K. Pattabi Rami Reddy,
 - 5. K. Mahendra minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
 - 6. K. Sarat Kumai minor s/o k. Pattabi Rami Reddy.
 - 7. Str A. V. Rami Reddy, C/o Sangam Enterprises, Visakhapatnam.

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि क्र 🕏 हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तार्गल से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा —
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मं प्रकाशन की वारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि काई हों, को मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाना है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की भुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्ठीफरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

Visakhapatuam District-Visakhapatuam Sub-Registrar Dt. Visakhapatuam Municipality-Allipuram Ward Old No. 25-Mandavari Peta Asst. No. 30873 Door No. 3/775. Date: 10-1-1974.

K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीखा : 10-1-1974 I

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) का कार्यालय ACQUISITION RANGE, KAKINADA Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. No. 1(1289) /73-74,--- Whereas, I. K. Subba Rao. ग्रायकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० में अधिक है और जिसकी सं० No. Door No. 3/775, situated at Mandavaripeta, Allipuram Ward, Visakhapatnamमें स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी Visakhapatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय अधिनियम, की 16) के अधीन 1908 (1908 1973 पर्वोक्त .सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य मे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-भत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य में उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) Sri Tirumala Trivikrama Rao, Door No. 22-69-10, Vasantha Rao Street, Visakhapatnam.
- (Transferor) (2) M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam.

(Transferce)

- (Person in occupation of the property) 2(4) List of interested persons in M.s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam,
 - 1. Sri K. Pattabirami Reddy. 2. Smt. K. Anasuyamma W/o, K. Pattabi Rami
 - Reddy. 3. Sri K. Balakrishna Reddy, S/o K. Paltabi Rami Reddy.
 - 4. K. Aruna minor d'o K. Pattabi Rami Reddy,
 - K. Mahendia minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
 K. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
 Sri A. V. Rami Reddy C/o Sangam Enterprises, Visakhapatnam.

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की नारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिमुखित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और ल्यान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदुद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन मूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 新 43) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visaknapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Dt. Visakhapatoam Municipality-Allipuram Ward Old No. 25-Mandavari Peta Asst. No. 30873 Door No. 3/775.

> K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

Acquisition Range, Kakinada.

नारीख: 10 जनवरी, 1974

प्रहप आई० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. I(491) '73-74,-Whereas, I. K. Subba Rao, आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से अधिक है ग्रीर जिसकी गं०

No. Door No. 3 775, situated at Mandavaripeta, Allipuram Ward Visakhaparnam में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची म ग्रीर पर्ण रूप से बर्णित है),रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मे भारतीय रजिस्टीकरण ग्रीतिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन July 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलंख के अनस।र अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिल किए गए है।

अतः, अब, बारा 269-घ के अनुभरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) Sri Tirumala Venkata Ramana Rao, 22-69-10, Vasantha Rao Street, Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam.

(Transferce)

- *(3) Nil
- (Person in occupation of the property)

- *(4) List of interested persons in M/s Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam,
 - I. Sri K. Pattabirami Reddy.
 - 2. Smt. K. Anasuyamma, W/o, K. Pattabi Rami Reddy.
 - 3 Sti K. Balakrishna Reddy, S/o K. Pattabi Ramt Reddy
 - 4. K. Aruna nunor d/o K. Pattabi Rami Reddy.
 - 5 K. Mahendta minor /o K. Pattabi Rami Reddy-
 - 6. K. Sarat Kumai millor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
 - Srt A. V. Rami Reddy C o Sangam Enterprises, Visakhapatnam.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

को यह मुचना जारी करके पृथींक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए एनदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

जयत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदश्चारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हा, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर एसे क्यक्सि की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वार। आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Visakhapatnam Municipality-Allipuram Ward Old No. Mandavari Peta Asst. No. 30873 Door No. 3/775.

मिथि: 10 जनवरी, 1974

मोहर:

K. SUBBA RAO Acquisition Range, Kakinada. प्ररूप आई० टी० एन० एन० --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ACQUISITION RANGE, KAKINADA, Rakinada, the 11th January 1974

Rel, No. J. No. I(1294)/73-74,---Whereas, I. K. Subby Rao अर्जन रेज,-ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ए० से ग्राधिक है. भौर जिसकी सं० No. 28-2-33 situated at Main Road, Suryabagh, Visakhapatnam है (ग्रौर इससे उपाबद्ध फ्रान्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखायतनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 के ग्रधीन जुलाई 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए र्गाजस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अल्लरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वक्ति सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया एमें अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की अवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी नारने या उसमे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) के अध्याय 20-क के गव्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखितः ज्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) Trustees:
 - J. A. S. Raja, S/o Butchiramiah
 - 2. A. Mangalagouri, W/o A. S. Raja

 N. Raghavamma, W.c. Ramahngeswara Rao C/o Alankar Buildings, Daba Gardans, Main Road, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Shri S. Mukunda Reddy, S/o Sallukuti Sanjecva Siyarama Sweets Centre, 28-2-33, Main Road, Visakhapatnam.

(Transferee)

**(3) Shor S. Sanjeeva Reddy, 23-2-33, Main Road, Visakhapatnam.

(Person in occupation of the property)

144 I. Shii A. Vijayakumar,

2. Shri A. Ramakumar, 3. Shri A. Venkatasiyapinsad

Minor by guardian Smt. A. Mangal_d Gouri, Visakhapatnam.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुघना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की,सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पत्नीकरण- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Visakhapatnam Municipality—Allipuram Ward—Ward No. 24—Suryabagh Area—28-2-33—Main Road—Block No. 47, T.S. 1678—Piot Nos. 101—102 & 103—Assessment No. 280013.

Ground floor portion with main entrance show room etc. with following boundaries:—

with following boundaries:— East—Municipal Road -37' or 11.28 Mt.

South—18" Thick wall between Kotha Satyavathi & this property—60' or 18,28 Mus.

West—Mercantile Bank Building in Plot No. 3—37' or

West—Mercantile Bank Building in Plot No. 3-37' or 11.28 mtrs.

North—Part of V. Rajeswara Rao's place in the premises

North—Part of V. Rajeswara Rao's place in the premises of Petrol Bunk—60' or 18.28 mtrs.

Area—240 sq. yds. or 200 67 sq. mtrs.

K. SUBBA RAO
Acquisition Range Kakinada.

(तेथि : 10 जनवरी: 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एम०---

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 🗵) की धारा २६५-घ (१) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ACQUISITION RANGE KAKINADA Kakinada, the 11th January 1974

Ref. No. 1. No. 130/73-74 -- Whereas, T. K. Subha Rao. आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) की ्र269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति. जिसकः: बाजार मृत्य 25,000/-- हपये में अधिक है और जिसकी मंब No 28-2-33 situated at Main Road, Suryabagh, Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधकारी के कार्यालय में Visakhapatnam भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पर्योक्त सम्पत्ति के उचितवाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए र्राज्य्दीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयक्तर. अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनानाः

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:----

- (1) Trustees:
 - 1, Shri R. S. Raja, S/o Butchiramajah
 - 2. Smt. A. Mungalagouri, W o A. S. Raja
 - Smt. A. Raghavamma, W. o. Ramalingeswie a Rao C/o Alankai Buildings, Daba Gardans, Main Road, Visakhapamam.

(Transferor)

- (2) Snit. Chittem Syamala, Woo Ch. Sesha Krishna Reddy 28-2-33. Main Road, Visakhapatnam, (Transferee)
- 1(4) Shri S Sanjeeva Reddy, 23-2-33, Main Road, Visakhapatnam.

(Paison in occupation of the property)

- *(4) 1. Shii A. Vijayakumar, 2 Shii A. Ramakumar

 Shij A. Venkatasiyaprasad Minor by guardian by Soit A. Maugala Gouri, Visakhapatnam.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, गदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख रा 45 दिन की अवधि या तत्मबंधी क्यक्तियों पर सुचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुनना के राजपत्न में प्रकाणन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्क्रित में किए जा सकेंगे।

एनदब्रारा गृह अधिस चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस स्चना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को मनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी गुचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी आएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैराके अधीन सूचनादी गई है आक्षेपों की स्वताई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्ध्वाकरण:--इसमे प्रययत शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है. अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam Municipality -- Allipuram Ward No. 24 Suryabagh Area -28-2-33—Main Road, Visakhapamam, Block No. 47, T.S. 1678—Plot Nos. 101 - 102 & 103 -Assessment

First floor portion in the building with following boundaries :-

East-- Municipal Road.

South Thick Walls between this property and Kothur Satyawathi's upstairs portion,

West-Mercantile Bank Building in Plot No. 103.

North Part of wall in Petrol Bunk and Shri V Rajeswara Gupta's site.

Plinth area-- 2 000 sq. ft. or 222-2/9 sq. vds. or 183,58 sq. miles

K. SUBBA RAO

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10 I-1974.

प्ररूप आई० टी० एन्० एम० ---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत संस्कार

सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक । जनवरी 1974

निदश सं०~ III-68/अर्जन/73-74/7353-- यत. भूझे. ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० हो० नं० 138. सिकल नं०6, वार्ड नं०2 है, जो थाना कोतवाली. पटना में स्थित है(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है)राजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में भारतीय रिजरहीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-73 को पूर्वोक्त सभ्पत्ति के उत्तिन बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पन्ति का उचित बाजार सृब्ध, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्बरण के लिए प्रतिफल, निम्निपिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के निंए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मध्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती मरियम मुनीसा, जीजे-सर्येद जमाल हुनैन, जमाल रोड, श्राना-कोनवाली-पटना (अन्तर्क)
- (2) श्री णारदा प्रसाद कर्मणील, वल्द-मृकुन्द लाल सा०-श्री हरिणंकर पो9 थाना-नाजपूर दरगंगा नर्नमान द्वारा जयहिन्द होटब, फ्रेजर रोड् पटमा। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचवाई के समय सूचे जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्या गया है।

अनुमुमी

पूराना मकान रकघा 2 कट्ठा 15 घूर 5 घुरकी, सा०-बांकीपुर जवार महल अरंडी. थाना कोनवाली, पटना हो० नं० 138, सकिल नं० 6, बार्ड नंड 2 और खेसरा न० 161. सीट नं० 8 इत्यादि ।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी गहायक आयक्षर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना

मारीख: 1-1-7**4**

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)का कार्यालय, श्रर्जन रेंज, नागपुर, दिनांक 8 जनवरी 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/26/73-74---यत:, मुझे, एस० एस० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नझूल प्लाट नं० 27; फार्मलैंड, रामदासपेठ है, जो नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपूर में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-9-1973 और 10-10-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सूकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री प्रभाकर विष्णुपंत प्रयागी (मार्फत मुखत्यार श्री जी० के० पोटे, अधिवक्ता)
- 2. श्रीमती लीलाबाई विनायकराव प्रयागी
- 3. श्री अरुण विनायकराव प्रयागी
- श्रीमती इंदिराखाई नारायणराव प्रयागी

श्री शशीकार नारायणराव प्रयागी

(अन्तरक)

- 6. श्री विजय नारायणराव प्रयागी
- 7. श्री अभय नारायणराव प्रयागी
- श्री दिवाकर नारायणराव प्रयागी
- 9. सौ०एम० के० प्रधान
- 10. सौ० ए० पी० दाभोलकर
- 11. सी० एस० पैठनकर
- 12. सौ० उमाबाई मारतंडराव प्रयागी
- 13. श्री आनंद मारतंडराव प्रयागी
- 14. श्री कमलाकर विष्णुपंत प्रयागी
- 2. राष्ट्रीय विचार साधना, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

नभूल प्लाट नं० 27 ओ फार्मलैंड लेआउट, नागरपुर सुधार प्रन्यास, रामदासपेठ, सर्कल नं० 20, वार्ड नं० 72 (नया) विभाग 8 में स्थित है और जो निम्नलिखित रूप से सीमित है :--

उत्तर --बाजार का पिछला मार्ग

दक्षिण --डेभरभाई मार्ग (पुराना सेंद्रल बाजार मार्ग)

पूर्व ---प्लाट नं० 26

पश्चिम --प्लाट नं० 28 जो श्री नरकेसरी प्रकाशन लि० का है।

> एस० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रा**युक्**स (निरीक्षण)

तारीख: 8-1-74

ग्रर्जन रेंज, नागपुर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 8 जनवरी 1974

निर्देश सं अाय ० ए० सी ० /ए० सी ० नयू ० / 26 / 73 - 74 ---यत , मझ, एस० एस० राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास, करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० नज़ूल प्लाट नं० 27; फार्मलैंड, रामदासपेठ है, जो नागपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-9-1973 और 10-10-1973 कोपूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत: आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) 1. श्री प्रभाकर विष्णुपंत प्रयागी (मार्फस मुख्यार श्री जी० के० पोर्ट, अधितक्ता
 - 2. श्रीमती लीलाबाई बिनायकराव प्रयागी
 - 3. श्री अरुण विनायकराव प्रयागी
 - 4. श्रीमती इंदिराबाई नारायणराव प्रयागी
 - 5. श्री शशीकार नारायणराव प्रयागी
 - 6. श्री विजय नारायणराव प्रयागी
 - 7. श्री अम्य नारायणराव प्रयागी
 - 8. श्री दिवाकर नारायणराव प्रशामी
 - 9. सौ० एम० के० प्रधान
 - 10. मी० ए० पी० दाभोलकर
 - 11. सौ० एस० पैठनकर
 - 12. श्रीमती उमाबाई भारतंडराव प्रयागी
 - 13. श्री आनंद मारतंडराव प्रयागी
 - 14. श्री कमलाकर विष्णुपंत प्रयागी (अन्तरक)
- (2) राष्ट्रीय विचार साधेंना, रायपुर (अंतरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदहारा कार्येवाहियां ग्रम् करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रवाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है नथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त ग्रन्थां और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है। अनुसुषी

ं नझूल प्लाट नं० 27 जो फार्मलैंड लेआउट, नागपुर मुधार प्रन्यास, रामदासपेठ, सर्कल नं० 20, वार्ड नं० 72 (नया विभाग) 8 में स्थित है और जो निम्नलिखित रूप से सिमित है।

उत्तर ---बाजार का पीछला मार्ग

दक्षिण --डेभरबाई मार्ग (पुराना सेंट्रेल बाजार मार्ग)

पूर्व -- लाट नं० 26

पश्चिम --प्लाट नं० 28 जो श्री नरकेंभरी प्रकाणना लि० , का है।

> एस० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

तारीख: 8-1-74

प्रकाप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक. 15 जनवरी 1974

निर्देण ४० 55/ए० मी० क्यु 23-71/19-8/73-74--यतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ४० मे अधिक है और जिसकी संव बार्ड नंव 13 घर नंव 140, द्वीव पीव एसव नव 5. प्लोट न० 53-ए है, जो आठवा के नजदीक, सूरत में स्थित है (ऑग इसमें उपावड़ अनुमूची में ऑर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय र्जिन्स्नेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-7-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निरनलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनक्षे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती शार्दा बेन, साराभाई छोटालाल काशी पटेल की विधवा-- (अन्सरक)
 - (2) 1. श्री इन्द्रयदन मंगलदास चोक्षशं (अन्तरिती)
 - 2. मधुसुदन गोर्धनदास
 - 3. चंपकलाल नरोत्तमदास
 - 4. नर्मदा गौरी मफतलाल भावसार
 - (3) श्री रंग लैंड कार्पीरेशन के सहकारी
 - 1. हसमुख लाल हरचन्द
 - 2. जयकिशनदाम गोर्धनदास
 - 3. हरगोवनदास हरचन्दराय
 - रमेण चन्द्र हीरालाल
 - 5. घनण्याम भाई घनसुख भाई (वह व्यक्ति जिसके बारे

में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-बारा कार्यवाही शुरू करता हूं:——

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिम्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए, तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बार्ड नं० 13, घर नं० 140, टी० पी० एस० न० 5, प्लोट नं० 53-ए, क्षेत्र 1154 चौ० गज आठवा के नजदीक——सुरत

> पी०एन० मित्तल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 15-1-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज,—II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1974

निर्देश सं० पी० आर० 56/ए० सी० नयू० 23-72---यतः, मझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 540 प्लाट नं० 9 है, जो बुजवाडी, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 16-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अम्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायिस्व में कमी करने या उससे धचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269ष के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती लिलता बेन बिठल दास (अन्तरक)
- (2) श्री शांतीलाल मन्सुखलाल शाहू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एदद्बारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

सं० नं० 540, प्लाट नं० 9 जमीन 5107 वर्ग फुट क्रजवाड़ी, जेतपुरकोस, बडौदा

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 15-1-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज[II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1974

निर्देश सं० पी० आर० 51/ए० सी० क्यु-67/6-1/73-74---एन० मित्तल आयकर मझे पी० 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ग्पए से अधिक है और जिसकी सं० मृ० नं० बी० ए०/4-76 है, जो लालबाग के नजदीक, बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, बडौदा में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 30-7-1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मृत्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अब, घारा 269 घ के अनुसरण में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की जगधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) डा० एस० डी० अम्बेगांवकर
- (अन्तरकः)
- (2) श्री एन० के० छाया
- (अन्तरिती)
- (3) एडमिनिस्ट्रेटिव आफीसर आयल एण्ड नेचुरल गाँस कमीशन प्रतापनगर रोड़, बडौदा (धह ध्यक्ति, जिस क अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो

- (क) इस भूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

मु० नं० वी० ए० /4-76 जमीन और मकान (कमल कुंज) क्षेत्रफल 3554 वर्ग फुट राष्ट्रीय मार्ग नं० 8 लालवाग के नजदीक, बडौदा

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, अहमदाबाद

तारीख: 15-1-1974

प्रस्त ग्राई० टी० एन० एस०———— आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 11 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1974

निर्देश गं० 54/ए० सी० व**य**०-23-70/19-8/73-74---यत: मझं पी० एन० मित्तल आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, जिसकी सं० स ग्रधिक है और 25,000/20 म० वार्ड न० 1/697 तथा 699 है, जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत-2 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-7-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत निलेख के अनुसार अन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

आर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गएहैं।

अत: अब, धारा 269-घ, के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री भदन लाल बलवन्तराम वखारिया

- अविन्द लाल बलबन्तराम बल्बारिया
 (अन्तरक)
- (2) मेससं सरदार कराट्रकाशन ५० के सहियारी---
 - 1. मनोज कुमार जयन्तीलाल मेहना,
 - 2. रमेश कुमार जन्यती लाल टंक ,
 - 3. भरत कुमार नन्द लाल ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यव। हियाँ शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस गुचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सूनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.-इसमें प्रयुक्त मब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मूरत मृ० बार्ड नं० 1/697 तथा 699,117 और 79 चें। गज जमीन और मकान ।

> पी० एन० (मत्तल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 15-1-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एग०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**घ (**1) के आधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहगदाबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1974

निर्देश सं० पी० आर० 53/ए० सी० वय०-23-69/6-2/ 73-74--यतः, मुझे पी० एन० भित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के आधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 540 प्लाट नं० 8 है, जो वृजवाडी, बडादा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बढ़ादा से भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना; और/या
- (ख्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

अीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —

- (1) श्री डाहीबेन णकरलाल पटेल काणीवेन पृत्स भाई (अन्तरफ)
- (2) श्री जमुभाई कालिदाम पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्णपनद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आर्क्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मं० नं० 540, प्लाट नं० 8 जमीन 5682 वर्ग फुट वृजवाड़ी, जेतपुर कोम, बडौदा ।

> पी० एन० मिलल, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज II, अहमदाबाद ।

नारीव : 15-1-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1974

निर्देश सं० पी० श्वार० 52/ए० सी० ख्य० 23-68/ 6-1-/73-74--यतः मुझे, पी० एन ० मित्तल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 43) की का अधीन 269घ के सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 249/2 टी० नं० ए० 4/4 है, जो गेंडीगेट रोड़ बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-1973 को पूर्वीस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) शाह वाड़ीलाल छोटालाल शाह कान्तीलाल छोटालाल शाह मुन्दर लाल छोटालाल

(अन्तरक)

(2) श्री जोकसी महेन्द्रकुमार णान्तीलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया ग्रुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूरिकत किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्छीकरणः — इसमें उपर्युक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभः वित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 249/2 टी० नं० ए० 4/4, जमीन और मकान 420 वर्ग गज गेंडीगेट रोड़, बड़ौदा ।

> पी० एन० मिस्तन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज II, अहमदाबाव ।

तारीख : 15-1-1974 ।

मोहरः

प्ररूप आई०टी०एन०एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1974 निर्देश सं ०पी०आर० 57/एस०सी०क्यु०/723-73/6-2/73-74:--यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 589-590 प्लाट नं 689 है, जो अलकापुरी, बडौदा, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16)के अधीन 25-7-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति केउचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ़ृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है¹:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शिवकुमार नारायणराव अम्बेगांवकर (अन्तरक) (2) श्री धीरूभाई भाईलाल पटेल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

स॰ नं॰ 589-590 प्लाट नं॰ 689, जमीन क्षे॰ 6660 वर्ग फुट अलकापुरी, बड़ौदा।

> पी० एन० मित्तल, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज -II, अहमदाबाद ।

तारीख: 15-1-1974।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1974

सं० पी० आर० 58/ए० सी० क्यू०-23/74/7-1-73-74: यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी 188, प्लाट नं० 309 है, जो रोड़, बडौदा, में स्थित है (अर इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-7-1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्री रतनलाल नारायणदाम दर्जी,

(अन्तरक)

(2) श्री गोकलदास रणछोडदास छेलानी ,

(अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मब्बों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 188, प्लाट नं० 309 जमीन 14688 वर्ग फुट निक्तामपूरा रोड़, बडौदा ।

> पी०एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज -II, अहमदाबाद ।

तारीख: 15-1-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० IX/3/56/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका मूल्य 25,000/-२० से अधिक है बाजार **ग्रौर** जिसकी सर्वे सं० 987/2, 987/3, 988/2, ग्रौर 998/2 है, कुनूरमें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्णरूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि।कारी के कार्यालय, जे० एस० म्रार०-II मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अगस्त, 73 कोपूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-फल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तर पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अन, धारा 269-घ अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) कुमारी इवा मात्यु (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उमा कल्याणराम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की शुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 987/2, 987/3, 988/2 फ्रौर 998/2 में ''सप्ती सैंड़'' नामक 0.94-7/16 सेंट्स में खाली भूमि फ्रौर मकान जो कूनूर में स्थित है।

कें० वी० रा**ज**न, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्वास ।

तारीख: 11-1-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 जनवरी 1974

राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एच० वार्ड स० 5इ कार्पोरेशन वार्ड नं० 8, टी० एस० सं० 1563, 1559/1 घ्रौर 1559/2 है, जो मदुरे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमण्डपम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रघीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पक्षि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-म के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती वी० असनम्माल तथावी० ग्रन्वर भानु (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वी० किस्टियन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जायेगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टी० एस० वार्ड सं० 5, कार्पोरेशन वार्ड सं० 8, टी० एस० सं० 1563, 1559/1 श्रौर 1559/2, महुरें में 32665 स्क० फी० की खाली भूमि ।

के० वी० राजन, समक्ष प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास,

तारीख: 11-1-64

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० -

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11जनवरी 1974

निर्देश सं० $\mathrm{IX}/2/20/7$ 3-74—यत:, मुझे, के० वी० राजन, श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिषः है और जिसकी सं० 7-ए, है, जो बल्लियम्माल स्ट्रीट ग्रलगप्पा नगर, मद्रास- 10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० ${f I}_i$ मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्यमे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में,में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री किषिण्दास (ग्रन्तरक)
- (2) श्री धरमपाल जैन, तथा श्रशोक कुमार जैन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यकाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-ंक में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना सर्वे सं० 158 श्रोर 159, नया सर्वे सं० 91, 92, 93, 94 श्रोर 96 में 2-1/2 ग्रोण्ड्स का मकान श्रोर खाली भूमि जो 7-ए विल्लियम्माल स्ट्रीट ग्रलगप्पा नगर, कोल्पाक, मद्रास-10 में स्थित हैं।

के० थी० राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 11-1-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० IX/3/104/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और है, जो वुड हाउस रोड, जिसकी सं० उटकमण्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार॰ II, मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10-9-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः भव, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्री ए० एम० एम० श्रहणाचलम एम० ए० मुहगण्तन एम० ए० ग्रलगण्पन (ध्रन्तरक) (2) श्री एम० भ्रानन्व भास्करन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएं गे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुड़ हाउस रोड़, उटकमण्ड में 'म्रवेनेल लाड्ज' नामक एक मकान जिसका क्षेत्रफल 5000 स्क॰ फी॰ है।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, मद्वास ।

तारीख: 11-1-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी 74

निर्देश सं० xvi /1(1)/25/73-74--

यत: मझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से अधिक है श्रग्रहारम सेलम, टाऊन भ्रौर जिसकी सं० 211/295 है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ${f I}$ सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-8-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुमरण में. मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्री सी० एन० बालमु अमणियनचेट्टियार (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० नारायणमूर्ती चेट्टियार 🖟 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुख् करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार क्षोगा।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ड सं० 8, डोर सं० 211/295, दूसरा अग्रहारम मेलम टाऊन में एक मकान जिसका क्षेत्रफल 3940 स्क० फी० है।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, मद्रास ।

सारीख: 11-1-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), कार्यालय अर्जन रेंज, मद्रास

भद्रास, दिनांक 11 जनवरी 1974

िनिर्देश सं० 10/10/73-74---यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का **धा**रा 269**ख** के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 77, 78, 79 है, जो टाऊन हाल रोड़, मद्रै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमण्डपम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-7-73 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का . पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गथा ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही भुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कंदसवामी कोनार मुनियम्माल, सुक्रमणियन, पुलनियप्पन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रत्नम (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मर्बे बार्ड नं० 5, टी० एस० सं० 35/1, 36/1 स्नौर 36/2 में डोर सं० 77, 78, 79 टौन हाल रोड़, मदुरै में 135/1 स्क० फी० की खाली भूमि स्नौर मकान ।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 11-1-74

481

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी 1974

निवश सं $\circ X/12/25/73-74$ —यतः, मुझे के \circ वी \circ राजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसकी सं० 26 है, जो बेसंट रोड, चोक्कीकुलम, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार **धन्तरित की गई है भौर मुझे यह** विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

सतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सचीन निम्निसिबत व्यक्तियों, अर्थातः— 10—4260I/73 (1) श्री सुरेश कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां भृष्ट करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्ज न के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये आर्येंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्कारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना सर्वे वार्ड 10, ब्लाक 1, टी० एस० सं० 874/7 (भाग), नया वार्ड नं० 6, क्लाक नं० 75, नया टी० एस० सं० 4438, में 15 सेंटस 78 स्क० फी० की खाली भूमि और मकान जो 26, बेसंट रोड, चोक्कीशुलम, मदुरै में स्थित है।

कें वी० राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 11-1-1974

प्ररुप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धा**रा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन- रेंज 1. मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी, 1974

(1961 新 43) अधिनियम, 1961 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, की घारा 269 बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचित ब्राजार** मूल्य 25,000/- रु० से अधिक **है** और जिसकी सं० 1/30 है, जो पाँतियन रोड, मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारो के कार्यालय पूरव मद्रास, पेरियमेट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती वेंकटवल्ली

(भन्तरक)

(2) श्री मुरुगेस नायक्कर, निरुनासुक्करसु गोविदस्यामी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शैन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० 1/30, पौतियन रोड, एग्मोर, मद्रास-8 में स्थित खाली भूमि का उत्तर पूर्व भाग जिसका क्षेत्रफल 2 ग्रीण्डस 1895 स्क॰ फी॰ है।

> के० वी॰ राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मदास

तारीच: 11-1-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज --1,मद्रास

मद्रास, दिनाँक 11 जनवरी, 1974

राजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधीन सक्षम प्राधिकारी ब्रारा के 269 को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है बौर जिसकी सं० है, जो मिन्नडि च्चेरी गाँव, तेनकासी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस् ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनकासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1973 सम्पत्ति के उचित धाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण 🛊 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्री कुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अतः वारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के कभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री भीरा साहिब, माहस हमीद, बन्नीर अहमद (अन्तरक)
- (2) श्री इसक्की तेवर, सुब्वैय तेवर, वषीर अइमद (जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एसद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिन्नाडे च्चेरी गाँव, तेनकासी जिले में निम्नलिखित खाली भूमि----

16/3-1.43 एकसें; 15/8-0.70 एकसें, 16/5-0.81 एकसें, 15/2-0.15 एकसें, 15/3-0.20 एकसें, 15/7-0.60 एकसें, 15/9-0.07 एकसें, 16/4-0.87 एकसें, 15/4-0.39 एकसें और 16/1-0.43 एकसें।

के० बी० राजन स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयक**र आयुक्त (निरीक्षण)** अ**जंन रेंज -1, मद्वास**

तारीखं: 11-1-1974 ।

प्ररूप चाई० टी० एन० एस०----

श्रामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मधास

मद्रास, दिनाँक 11 जनवरी, 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 1, है जो नया कोंडबाक्कम रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० Π , मद्रास में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत -अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और बत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के जठ्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैं ० नेल्सन एण्ड को ०
- (अन्सरक)
- (2) मै० नेल्सन टैप फौण्ड्री प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां मुख्क करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थाम नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के बन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अधं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ठोर सं० 1, नया कोंडबाक्कम रोड, टी॰ एस॰ सं० 3, आक्राक 16, पुराना सर्वे सं० 14/8, नेस्सन माणिक मुदलियार रोड, मद्रास-29 में 21 ग्रीण्डस 1705 स्क॰ फी॰ की खाली भूमि और मकान।

> के० बी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंप-1, मद्रास ।

तारीब: 11-1-1974

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०

आसकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-6000 06, दिनाँक 15 जनवरी 1974

निदेश सं० IX/3/48/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से भिधिक है और जिसकी सं० 8-ए० है, जो कड्स रोड, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० II, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरि-तियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने के लिए भुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती जे० पदमनी

(अन्तरक)

(2) श्री पी० गोविंदस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जौ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने की लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

होस सं० 8-ए०, बुडस रोड, मद्रास-2 में स्थित 11 ग्रीण्डस 2233 स्क० फी० का ओडियन सिनेमा तियेटर नामक मकान और खाली भूमि का आधा भाग।

> के० वी० राजन सक्तम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-1 मद्रास ।

तारीख: 15-1-1974

सोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 16 जनवरी 1974

निदेश सं० XVI/24/19/73-74—यतः, मुझे के० वी० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) राजन, की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकीं सं० — है जो तेवूर गाँव, कुमारपालयम् सेलम जिले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई हैऔर मुझेयहविष्वास करनेका कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यों शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अध, घारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की खपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थाक्:—

- (1) श्री मुनिय गौण्डर और चार अन्य व्यक्तियों (अन्तरक)
- (2)श्री एस०पलनियप्पन और पी०एस०पलनिसामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्नीकरण—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नया सर्वे सं० 319/1 में $0.99-\frac{1}{3}$ एकर्स (2.98 एकर्स में 1/3 भाग) की खाली भूमि और 1.57 एकर्स की खाली भूमि जो सर्व सं० 319/3 में तेबूर में स्थित है।

कं० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्वास ।

तारीख: 16-1-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1974

निदेश सं VI/5/2/73-74—यतः, मुझे, के०वी०राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/-६० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 703 है, जो पश्चिम चेट्टियापट्टी, गांव पलनि तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्नपट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ₹:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुक्षर बनाना; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

भीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के शब्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

म्रतः म्रब धारा 269-घ के श्रनुसरण में, मैं, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मार्थान निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:--- 1. श्री राजगोपालन

(अन्तरक)

श्री आर० आर० जयप्रकासम,
 श्री आर० आर० अरुणाचल राजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए एतवृद्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कब्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 703 में 40 एकर्स की खाली भूमि जो पश्चिम चेट्रियपट्टी गांव, पलनि तालुक, मदुरै जिले में स्थित है।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, मद्रास ।

तारीख: 16-1-74

मोहरः

प्रक्प आई० टी० एन० एस०—— भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक

निदेश सं o IX/3/83/73-74---यत:, मुझे के० वी० राजन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे ० 320/1-ए, है, जो पाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जें \circ एस \circ आर \circ - Π , मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-7-1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-कल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के शिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बबाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर जिल-विवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपवारा (1) के जबीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती सरस्वती अम्माल

(अन्तरक)

2. श्री आदिकेसवलु नायकु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्कारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 320/1-ए में 35.5 मेंटस की खाली भूमि जो पाड़ी में स्थित है।

> के० बी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीचा:

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुनना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रान

मधास दिनांक 16 जनवरी 1974

निदेश संर्X/2/23/73-74--पतः, मझे के० वीर्राजन आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-४० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 82 है, जो कोर्डेक्कानल सट्टैं जिले में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण कप गे विधित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आ२०-1 , मद्रास में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मुलाई, 1973 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से वस के दण्यमान प्रतिफल के लिए रिजरद्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

जीर यतः, आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) के अध्यास 20-क के संख्दों में पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए हिस्साही शृंह करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोन् :---

1 . अवेज्जित वास्टिंग्ट फारिन मिणिन सोसायटी,

(अन्तर्क)

2. थी जी० भीतिवासन,

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से तिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तरिती को दी भाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्तो पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेणों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 82, कोर्डेक्शानल रोड, मदुरै जिले में स्थित "मोन्ट रेस्ट" नामक प्रकान जिसका क्षेत्रफल 1, 03एकर्स है।

> के० बी० राजन सक्षम प्राधिकारी

सहापक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, गद्रारा

तारीखाः १६-१-७४ कोरकः

गरूप आई० टी० एन० एस०---

भायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायकः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजः, 1 मद्रास

दिनांक 16 जनवरी, 1974

निदेश सं० 9/3/81/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने काकारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० में अधिक है और जिसकी सर्वे संख्या 353/1 (भाग) है. जो दरपादपड् गांव, काटपाली में स्थित है (ऑप इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०- 11 मद्राम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वर 18) के अर्धान जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाराः गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आगकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क ने शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही भूक्ष भरने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- काटपाड़ी आयल कार्पेरिणन प्रार्टबेट लिमिटेड (अन्तरक)
- भारत डेवलपमेंट कार्पोरेशन प्रार्थबेट लिमिटेड (अन्तरिती)
- 3. स्टार आयल मिल्स

(तह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर मम्मित के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपी, पिट होई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

्र एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 353/1, (भाग) में 2 एकर्स 58 सेंटम की खाली भूमि (तेल मिल के लिए) जो दरपादवेडु शांव, काटपाड़ी में स्थित है।

> कें० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज,1 मद्रास

<u> नारीख ' 16-1-74</u>

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० ----

भ्रायकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज दिल्ली-1, केन्द्रीय राजस्व भवन

नई दिल्ली-1 दिनाँक 22 जनवरी 1974

िर्देस सं० आई०ए०सी०एक्यू०/11/73-74/7045 ---यत पूर्व सी० बी० गुप्ते भ्रायकर भ्रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सुरू एम०-8(मार्कीट) है, जो ग्रेटर कॅलाण II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप ये वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-8-1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यभाग प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है **धौर मुझे यह** विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत ग्रधिक हे और यह कि यन्तरक (भ्रन्तरकों) थीर अन्ति रती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य रो उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्सरक के धायिरव में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों, की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारी प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

श्रीर यहः श्रीसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही णुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिल किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

 मैं० डी० एल० एफ० यूनाइटिड लि० 40 एफ० कनाट नई दिल्ली, श्री गुरबक्श सिंह विश्लन पृत्र श्री एम० लाल सिंह आई० एफ० एम० नीपः कन्सश्वेटश श्राफ फोरेस्ट.
 तैकटर-५ चन्हीगढ़ (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी कर के पृथींका सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुकारा कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि काई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन का नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मंतिर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समास्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वविती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्यो

एक फ़ीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 195 वर्गगज ह नथा नं० एम०-8 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाल-11 नई दिल्ली के गाँव बहारपुर दिल्ली में स्थित हैं।

> र्सा० थी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षण आयुक्त (निरीक्षण) अजन रिज 1/2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22 जनवरी, 1974

मोहर:ै

(अन्तरक)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली--2

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1974

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु० [11/73-74/7045---मी० वी० गप्ले श्रायकर मझे, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये मे अधिक है और जिसकी सं० एफ०-11 है, जो हौज खास इन्जलव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 अगस्त 1973 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए मुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

श्रीर यतः श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः भ्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रथीत:—

श्रीमती उपाअन्सल पत्नी श्री टेक चन्द अन्सल निवासी अन्सल हाऊस, गांव अन्सल नगर, पोस्ट बाक्स नं० 19 फिरोजपुर (अन्तर्क)

- (1) श्रीमती गंगावती पत्नी स्व० श्री क्रणा (नवासी 1, निरन्दर प्लेम, नई दिल्ली
 - (2) श्री अवतार कृष्ण पुत्र स्वर्था कृष्ण भिवासी बीर-। गुरमोहर पार्क, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हा, ता----

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की खबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में पिए जा सकेंगे।

एनद्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थातर सम्पत्ति के श्रवंत के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रीर रथात नियत किए जाएंगे ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिमे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, प्राक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आप्रकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं ा। ब्लाक एफ० को लफल 1007 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी हीज खास इन्कलेंब में निम्न प्रकार स्थित हुआ है :—

पूर्व में---दूसरों की जमीन पश्चिम में---सड़क उत्तर में---प्लाट नं० ऐफ०-10 दक्षिण में---प्लाट नं० एफ०-12।

> मी० बी० गुप्ते मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज---/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जनवरी 1974 मोहर: प्ररूप आई० टीएन एस०-

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 1961 का 43) की धारा 269-घ(1 के श्रीचीन सूचना

भारत सरकार

तहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) का यस्यांत्रय

् अर्जन रेज I

जयपुर, दिनांक 13 सिनम्बर 1973

निर्देण स०जे~3/73 (7)/3/३5----यत:, मुझेधॉ०पा० **मि**तल आयवार अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिदारी को यह विण्वास वरने का कारण है। किस्थावर सम्पति, जिसका उचिन बाजार भल्य 25,000/- ग० मे अधिक और जिसकी सं० डी-227 है, जो जयपुर में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ख्या थे वर्णित है), रिजिस्ट्री हनी अधिकारी के कार्यालय जयपुर, में भारतीय । रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 को 16) के अधीन 10 अप्रैल, 1973 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल। का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं (कया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे अचने के लिए सुकर जनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवन सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब,धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जित्रताथ सिंह पुत्र गोविन्द सिंह, निवासी डी-227 तुलसी मार्ग, जयपुर ।

(अन्त्रकः)

2. थी बोरबहादुर सिह पुत्र कुंबर गोबिन्द सिह, डॉ० आई० जी० निवासी डी-231, नुलसी मार्ग, बतीपार्क, जयपुर । (अन्तरिनी) को पह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्दबारा कार्यकाहियां गुरु करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, याद कोई हो तो :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जोंधूभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख स 4.65 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा 1कीं।

एतद्धारा यह अधिम् चित वित्या जाता है कि इस रवायर सम्पत्ति के अर्जन क प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गए आक्रेपों। यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख ओर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रुयक्त शब्दों और पदों का, जा आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्चा

प्लाट न ० डी-227, मुलसी भागे, बनीपार्क , जपपुर, । क्षेत्र-फल 1001 वर्ष गज ।

> बी० पो० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 13-9-1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) की अधीन मूचना भारत मरकार

कार्यालय, सहायक्षः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 14 जनवरी 1974

निदेश स० 216 (मेरठ) /श्रर्जन / 73-74/2374 यत:. मुझं वाई० खोखर आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ठाठेरवारा, मेरठ शहर में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ में अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणित हे), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-8-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुभार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के कब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री राजेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व० लाला पदम प्रमाइ जैन श्रीर श्रवधं श कुमार जैन पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार जैन निवासी कमला नगर, बागपन रोड, मेरठ शहर । अन्तर्क श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रग्नवाल पृत्र मरदारी लाल एकाउटन्ट सेन्ट्रल बैंक श्राफ इण्डिया मेरठ णहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एलद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करना हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि काई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में सं फिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी। अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचिन किया जाता है कि उस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्ढारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षे का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक दो मजिला मकान नं० 201-203 मय बाटर पाइप व इलैंक्ट्रिक फिटिंग क्षेत्र 80 वर्ग गर्ज/मकान 1960 का बना है स्थित ठाठेरवारा मेरठ शहर ।

> (ब्राइ० खोखर) सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 14-1-1974

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

गार्यालयः महायक आयकर आयक्तः (निरीक्षण) ACQUISITION RANGE, KARINADA

Kakinada, the 10th January 1974

निदेण मं अपर ए० सी० J. I (490):73-74--यतः, मुझे K. Subba Rao आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भम्पति, जिसका उचित बाजार ्म्ह्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं∘ Door No. 3 775 है, जॉ Mandavaripeta, Allipurum Ward, Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स Visakhapatnam में भारतीय रजिस्हीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन in July, 1973 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण विश्वित भें बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अभने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पुर्शेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही जुरु करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अव, धारा 269म के अनुभरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्— .

 Str Tirumala Madaya Rao, Door No. 22-69-10. Vasantha Rao Street, Visakhagalaan.

(Transferor)

(2) M/s. Sangam Enterprises, 47-41 8, Owarakamagar, Visakhapatnam.

(Transferee)

*(3) Nit

(Person in occupation of the property)
List of interested persons in M/s. Sangam Enterprises,
47-11-8 Dwarakanagar, Visakhapatnam.

- 1, Sri K. Pattabirami Reddy,
- Smt. K. Anasuyamun W/o, K. Pattabi Rami Reddy.
- Sri K. Balaktishna Reddy, S/o K. Pattabi Rami Reddy.
- 4. K. Aruna minor d o K. Pattabi Rami Reddy.
- 5. K. Mahendra minor s/o K, Pattabi Rami Reddy.
- 6 k. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
- Sri A. V. Rami Reddy C'o Sangam Pnterprises. Visakhapatnam.

को यह सूचना जारी कर के पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर मम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हुए ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

्र एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है 1

अनुसूची

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Dt. Visakhapatnam Municipality-Allipuram Ward Old No. 25-Mandavaripeta Asst. No. 30873 Door No. \$7775

K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) Acquisition Runge, Kakinada.

Date: 10-1 1974.

भोहर

त्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

महायक्षः आयकार आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज IV

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1974

निदेश संरु एर मीरु 26/ग्राप्र-IV/कलकत्ता/ 73-74---यत:, मझे जे० जे० वागिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्रधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य : 35.000/- क० से अधिक है भौर जिमकी सं० खितयान नं० 109, 50, 28, 139, 220, 282, 284, 336, 96, 95, 94, 84, 33, 349, 201, 45, ा !, 63, 91, 69, 32, 200 है, जो थाना बारास्त, मौजा पानिहारा, दाग नं० 371, 372, 380-386, 380/690, 389, 401-409, 456, 496-503, 306, 511-514, 516, 518-520, 575, 577, 604 ਸ਼ੀਟ 390 ਸੇਂ स्थित ਨੂੰ न्नीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में। भीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बारासत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधितिसम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-7-1973 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित यें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या फिनी अध्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना,

और गतः, आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं। अतः, अम, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री किणरी मल 27, राम स्वरूप खेखि रोष्ट, कलकत्ता-53। (अन्तरक)
- श्रीमती पृष्पा श्रामरवाला, 13, लेक एमेन्यू, कलकत्ता-26। (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्हारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या नत्सवंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमुलित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई दों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

थाना बारासत, मौजा, पानिहारा, खितरान नं ० 109, 201, 50, 28, 139, 220, 282, 284, 336, 96, 84, 33, 349, 45, 11, 63, 91, 69, 32, 95, 94, 200 । दाग नं ० 371, 372, 380 \pm 386, 380/690, 389, 401 \pm 409, 456, 496 \pm 503, 511 \pm 514, 516, 518 \pm 520, 506, 575, 577, 604 और 390 के छपर 49 एसड़ 64 \pm 1/3 इंसीमल जसीन ।

जी० वागिस सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-IV पि-13 बौरंगी स्कोगर

नारीथ 7-1-1974 अर्जन रेंज-IV पि-13 वौरंगी स्कोगर मो**ह**र : जनकसा -1 आई० टी० एन० एस०-

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (।) के अधीन सूचना

भारत सरकार

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)का कार्यालय अर्जन रेंज-1,

कलकत्ता, दिनांक 8 जनवरी 1974

निदेश सं० ति० श्रार० 833/मि०-154/कलकत्ता-1/73-74— यत., मझे, ए० के० चक्रवर्ति आयक्षर अधिनियम 1961 (1961 का 🚯 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है** कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवः उनित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं। श्रीर जिसको स० 105 है, जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16 में निधाः है आर असं उपाबद्ध फ्रमुखी में श्रौर पूर्ण रूप से ऑणत है रिजर्हों-कर्ण अधिकारी के कार्यालय अजिस्ट्रार ग्राफ ग्रमिवरसेन्स, 5 गवर्णभेक्ट ब्लेस नर्थ, कलकत्ता में भारतीय राजरहीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-1973 को पुर्वेक्ति संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है आर गुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफार का पन्द्रह पिशाल अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर पंत्र के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बलने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ५ हा नहीं किया गंधा **या या किया जाना चाहिए था,** कियान के लिए पुकर बनाना ।

जार यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के भव्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः, अब, बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर ाधिनियम, १९८१ (1961 का 43) की धारा 269-घ की अपधारा (1) 🖟 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (।) भगस मीयन्स एण्ड ट्लस एन्टार पत (अन्तरक)
- (३) यो लाइकराम चाबरिया (अन्तरिती) 12-- 426G1 73

(3) मेसर्स इन्स्ट्रमेन्ट्रमन लिमिटेड

वह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पति है।

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां शुरू करतः हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि काई हो, नः-

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन को कारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता हं कि इस रथावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सनवाई के लिए तारीख़ और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एततृद्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

एक तत्ला के फ्लाटन ० 1 ग्रीर मीचे क गरेश न । 15 जा १०५ 'शर्क स्ट्रीट, फलकात्रा-16 में ग्रवस्थित है ग्रांट जिसके परिमान (तन <mark>रूम, एक हल, रसुईखाना, स्नानघर समे</mark>त 2005 कच्चा है ।

> (एस० के० चक्रावर्ता) सक्षम प्राधिकारी,

ारीख: 8-1-1974 गोहर:

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1. (प-13 चोंरगी स्कोयर

कलकत्ता-ไ

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक जायकर आयुवत (निर्माक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-I

क्लकना, दिनांक 8 जनवरी 1974

निदेश में ० नि ० भ्रार०-840/सि०-159/कलकना-1/73-74-यत:, मुझे एस० के० चक्रवित ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- ६० से श्राधिक ह श्रीर जिसकी सं० 9 है, जो उड़ स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित ह श्रीर इससे उपावद्ध भ्रतसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ श्रसिवरेन्सस, 5 गवर्णमेन्ट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसम बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

आर थतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दा में पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए भए हैं।

अत., अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर आधनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- चन्द्र हिरजी ग्रीर दूसरा एक

(अन्तरक)

डा० काजि मुहम्मद इकबाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी अर्थाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है नथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा क अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण :- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9, उड स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकात के सम्पत्ति के बिना बाटें हुए ग्रंश की पांच हिस्सा के दो हिस्सा है जिसके परिमाण 2 काठा 6 छटाक ग्राँग 9 कच्चा है।

> एस० के० चक्कवर्ती सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अजैन रेंज-1 पी० ।३ चौरगी, स्कोयर कलकत्ता-1

नारीख. 8-1-1974

वस्त्र आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (196) को 43) वी धारा ७६९-घ (1) के अधीन भूनना भारत सरकार

> कार्याज्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 कलकरना

कलकत्ता. दिनांक ८ जनवरी, 1971

निर्देश सं० टि०आर०-845/सी०-168/कलकत्ता-I/७३-७4 --यतः, मुझे एम० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) की घारा 269-खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० में अधिक है और जिसकी सं० 9 है,जो एड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है और इससे उप:-यद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार आफ आसिवरेन्सेस, 5 गदर्णमेन्द्र न्लेस नर्थ, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16)के अधीन 19-5-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक म्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसकी बचने के लिए सुकर बनाना और या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिएथा, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मधारी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अत्र, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर आध-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- जयन्त हिलजी और द्सरा एक

(अस्तर्क)

रा० काजि भोहभ्मद दत्रसात

(अस्त्राहित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय जिल्लित में किए जा सकें।

एतन्द्वारा यह अधिगृजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और जसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा समाप्ति के अल्लरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाना है। कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपीं की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंगा हैं।

अनुसूची

9, डड स्ट्रीट कलकाला में अवस्थित मकान के सम्पत्ति के बिना बाँटे हुए अंग कि पान हिस्सा के दो हिस्सा जिसके परिमाण 2 काठा 6 छटाक और 9 कचना है।

> एग० के० चक्रवर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, पी० 13. चोरंगीस्कोयर, कलकत्ता-1

नारीख : 8-1-1974

मोहर

प्रष्टप आई० टी० एन० एस०----

आध्यत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालयः निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज. जयपर

कैम्प नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1974

निर्देश सं \circ जें \circ 17/73(13)/72/6--यतः, मुझे बी \circ पी \circ मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) र्का धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० प्लाट नं० 91 पर निर्मित रुपविला मकान है. जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इसरे उपाबद्ध रानुसन्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 10, 1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकत दिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अंद अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रूप सिंह पुत्र श्री छोगाजी सिंहजी क्रवाहा मंडोर रोड, सिवासी जोधपुर। (अन्तरका)
- (2) श्रीमती लीला कंबर पत्नि श्री प्राप्तन चन्ट जी चोश्डिया. जिबासी नोखा, चन्दावतान । (अन्तरिती)

को उह मुखना जारी करके पुर्बोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एत्व्द्वारा अर्थवाहियां णुक करता हूं

जनत सम्पत्ति को अर्जन को प्रति आक्षोप यदि कोई हो, तो :--

- (क) इसे सूचना के राजपक्ष प्रकाशन की नारीख से 15 विन की अवधिया तत्भंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबाइ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपा, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये अधिये और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप निया ें तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 91 पर निर्मित मकान जो कि पावटा, पोलो, मण्डोर रोड. जोधपुर में स्थित है। मकान रूप विला के नाम से जाना जाता है इसका क्षेत्रफल 600 वर्ग गज है।

> र्वा० पी० मिनल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर (कैम्प-गई दिल्ली)

नारीख: 9-1-(974

प्रकृप आई० टी॰ एन॰ एम॰ निरीक्षण----मागवर यांत्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(।) के यधीन स्वना

भारत सरकार

महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय Kakinada, the 28th December 1973

मं० आर० ए० मी० J.No. I(699) 73-74-यन: मुझे K. Subbarao आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर् सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मत्य 25.000/-मपर्येम अधिक है और जिसकी संज Door No. 4-4-76 Chandramoulinagar Kortepadu Guntur में स्थित है (और इसने उपावह अनमची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Guntur में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन August 1973 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम ने दृश्यमान प्रतिफल के जिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अवारित की गई है और मुझे यह विण्वास करने को कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पनिशत अधिक है और यह कि जन्तरक (अन्तर-कां) अप अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आएकर अधि-नियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे वचने के लिए मूकर बनाना ; श्रीर/धा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय यायकर प्रधिनियम, 1922 ं 1922 का (1) या ग्रायरण ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्गरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकार बनाना

अत. आवकर अविनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के सब्दों में पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशही पर कार्न के कारण मेरे हारा अभिनिखित किए गग है।

अत अब धारा 25%म के अनुगरण में मैं आयकर, ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :--

(1) Shri Chiratanagandla Venkateswarlu, Contractor, Laxmiputam, Guntu: (Behind Poorna Entorial College.

(Transferor)

(2) Shrimati Pujala Saidulamma, W/o Narasaiala, Chandramoulinagar Guntur Door No. 4-4-76. (Transferce)

"(3) District Agricultural Office, Oil & Seeds, Chandramedinagar Guntur.

(Person in occupation of the property)

को यह मुचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पति के अर्चन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शर करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (भ) इस सचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील सं 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. यधोहस्ताक्षरी वे पाम निखित में किए जा सकरें।

एतदुद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस स्चना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सुबदा हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन मुचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभागित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Guntar District-Guntur Sub-District-Guntur town-Municipality-Kortepadu village -Chandramoutinagar-D. No. 212 Ac. 8-18 cents of which bearing Door No. 4-4-76, Municipal Asst. No. 2397 627 Sq. Yrds site and terraced building

BOUNDARIES

East Road 57'-

South Road 98-'9" and this property's.

West P. V. Prasadrao's compound.

North - Compound all of this property 99',

K. SUBBARAO.

मक्षम पाचिकारी महायवः आग्यवर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज Kakinada

Date: 28-12-1973.

Seal:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० निरीक्षण----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के ग्रधीन सूत्रना

भारत गरमार

महायक प्रायक्षर प्रायक्त (निरीक्षण) कार्यालय

Kakinada, the 28th December 1973 मं० आरु० ए० सी० J. No. I(1091)/73-74--- यत: महो K.Subbarao भ्रायकर श्रक्षिनियम 1961 (1961 का 43) की भाग 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-२० में श्रधिक है और जिसकी सं o Ward No.2, Block No. 5 T.S. No. 100 है जो at Tenali, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, Tenali में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का अधीन Auguut को <u>प्रवोक्स</u> 1973सम्पत्ति के उचित बाजार सूख्य से कम के दश्शमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार, भनारित की गई है और मुझे यह विजवास धारने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफा से, ऐसे दुख्यभान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से भाषित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर जनाना,

और यहाः आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने क कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) Burmah Shell Oil Storage Distributing Co., of India 1.td., Reg. Office, 17-North Beach Road, Madras-I. (Transferor)
- (2) Shri Sanka Venkateswarlu, S/o Subbarayudu, Business, Ganganammapeta, Tenali (Transferee)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शरू करता है।

उन्स सम्पन्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स्व) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहम्ताक्षरी के पान लिखन में किए जा मकोंगें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षों को दी जाएगी।

एतब्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE SCHEDULE

Guntur District—Tenali Sub-District—Tenali Municipality—Ward No. 2—Block No. 5—F.S. No. 100—Extent. Aco. 181/2 cents i.e. 888 Sq. Yrds, site and building constructed therein Door No. 9-3-4 known as Burmali Shell. A Depot free hold with storage sheds etc.—Municipal Asst. No. 607.

BOUNDARIES OF THE BUILDING

East: By Railway Feeder Road

West: By Railway Land

South: Sci Rajyalakshmi Rice Mill,

North: By Railway Land.

K. SUBBARAO.

मक्षम प्राधिकारी, महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) Acquisition Range, Kakinada.

Date: 28-12-1973.

Seal:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) क अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकन (निरीक्षण), kakinada तारीख 31-12-1973

अ० आए० ए० मी० J. No. 1(7)1),73 74—यत: मझ 1. K. Subbarao, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० Door No. 5/VII/1/6 Vidhyadba apuram. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणन है), रजिस्ट्रीकर्ना याधिकारी के कार्याकार Vijayawada मे भारतीय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन July '1973 का प्रविक्त के उचित बाजार मन्या में कम क इस्तान के लिए रजिस्टीकृत ।वलख के अनुसार अन्ति त गई है और मझे यह विश्वास ६ रने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुख्य उसके उध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है आर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसं अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में त्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनऱ्या अन्य आस्तियो को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अबः धारा 269-घ के अनुसरण में. मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) Shri Gangavarapu Ramakoteswatarao, and his wife Smt. Gangavarapu Venkata Padmavithi. Vijaywada,

(Transferor)

(2) Shri Lalchand Tapadia, Rajputana, Jewellary Mart. Gold Merchant, Vijayadharapuram, Vijayawada. (Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियाँ शरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षंप, यदि कोई हो. ता .---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजवत्र में वकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भम्पांत में हितयद्ध किसी जन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जासकेंगे।

ए। दद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कं।ई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जल्लो और उसकी सूनना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती का दी जाएगी।

एतदब्रारा आगे यह अधिसचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इममें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE SCHEDULE

Krishna district---Vijavawada Sub-Registration---Vijayawada town-Vidyadbarapuram-Vijayawada Municipal Ward 1 Revenue Ward-Block D-1-N.J.S. No. 132/B--Municipal Asst, No. 35-Door No. 5-VIII.

BOUNDRIES

East: Muppa Narayya's site and others hourses.

South: Muppa Narayva's site and Mynampati Venkataramaiali's house.

West: Burial grounds Road

North: Public works Departments wooden erect construction,

K. SUBBARAO. सक्षद प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) Acquisition Range, Kakinada.

Date: 31-12-1973.

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की आश 269 घ(1) के अधीन सूचना भारतसरकार

महायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), आर्थीलय

Kakinada the 28th December 1973

सं ० आर् ० ए ० मी ० J. No.1(596)/ ७ ३-७ ४-थत, मुझे :K.Subbarao आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृल्य 25,000/- ध्राये से अधिक हैं और जिसकी 23-1 49 Bendapudiyari St Ramachandraraopet में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मंऔर पूर्ण रूप से वर्णितहै) प्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Eluru में भारतीयप्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन in June 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि संधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दुण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुण्यसान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाधा गया ऐसे अनारण के लिए प्रतिफल निम्नतिखित उद्देण्य से उस्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अक्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था. या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए गुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिित्रम । १६६ (1961 का ४३) के अध्याय 20-क के ग्रब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवारी पुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

और यतः आयक्षण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिन किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अध्यक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) Yelamanchili Govindababu, S/o Somtaiah Ramachandraraoper Elura.

(Transferor)

(2) Shii Malfa Satyanarayana, Divisional Lugimeer Tungabadra Dam, Kariiataka State

(Transferee)

मह सुचना नारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहिया गुरू करता हू।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई ही, ती 🛶

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकारणन का पार्टाख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५२ सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि लंगे भागार्जीय बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वो का लंबित से में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस यूनना क राजपक्ष म प्रकाशन की नाराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर शन्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेगे।

एतद्ष्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस नृजना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुननाई के लिए नार्राख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐस व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्हारा आगे यह अधिसुनित फिया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्व्हाकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदो का, जी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE SCHEDULE

West Godavari District—Floru Sub-District Elma Taluk—Elma Mumcipality—Bendapadiyati Street Ramachandra-racpet—Old Ward No. 10—New Wind 28—Municipal Asst. No. 12629—T.S. No. 177 Door No. 23-1-49, 580 Sq. Yds site and terraced building therein:

BOUNDARIES TO THE SUFF AND BUILDING

Fast: Municipal Road

West, Vallinu Subbarao Compound Wall

North; Vadlapatla Mallikharjunavao site.

South (Sananchi Janardhanarno Compound wall,

K. SUBBARAO. यक्षम प्राधिकारी

महायधः अप्वकर आयुष्टन (निरीक्षण) Acquisition Range, Kakinada

Date : 28-12-1973.

Seal;

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय Kakinada, the 19th December 1973

सं अार अपर असी J. No.I (216) 73/74 यत:, मुझे K. Subbarao आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं No. 11-2-1 New Gangapur House, है जो Waltair Upplands में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच तय पायां गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर धनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत्र, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 13—426G1/73

(1) Shrimati Rani Rukmini Devi, Rani of Gangapur, C/o Mrs. Vijayalaxmi Bisht, W/o Mr. G. S. Bisht, Asst. Manager, Thanai Tea Estate, DIKOM, Assam State

(Transferce)

 Shri Koganti Mallikarjunarao, S/o Anjaneyulu, Visakhapatnam.

(Transferce

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

THE SCHEDULE

Visakbapatnam Municipality—T.S. No. 1027 (Part)—Block No. 43—19th Ward—Door No. 11-2-1—Asst. No. 1820 and 21940 consisting of Main building, four out houses and pump house.

East: Voota Gedda

Seal:

South: Vacant land belonging to the vendor's sister Smt. Kamala Devi, Ranisaheba of Dasapalla and building compound of Smt. D. Annapurnamma

West: The Retreat Bungalow belonging to the Vendor's sister Smt. Kamala Devi Ranisaheba of Dasapalla and private road leading in Waltair main Road now under acquisition.

North: Part of T.S. No. 1027 acquired by the town planning trust, Visakhapatnam and Voota Gedda,

K. SUBBARAO

Date: 19-12-1973. सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा । प्ररूप आई०टी० एन० एस०-

आंयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269व-(1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1974

निर्देश सं० आर० ए० मी० 133/73-74---यतः, म्झे, तम् बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है. और जिसकी सं० 3-6-126/ए०, हैदरगडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरााबाद में भारतीय र्गजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 जुलाई 1973 को पूर्वीक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती आर० सरोजीनी देवी पत्नी आर० रघूपती 5-37, फते मुल्ताम गली, हैदराबाद (अन्तरक)
- श्री एस० रामचन्द्रा रेड्डी सुपुत्र बुच्चा रेड्डी ठेकेवार, गगन महल, हैदराबाद (अन्तरिती)
- 3. आर० मरोजिनी देवी पत्नी आर० रघूपती 5-37, फते गुल्तान गल्बा, हैदराबाद (अन्तरक) (वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :--नं० 3-6-136/ए०, हैदरगूड़ा, हैदराबाद, क्षेत्रफल 6455 वर्ग गज ।

> एस० बाल सुभ्रमण्यम् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 3 जनवरी 1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1974

निर्देश सं० आर० ए० मी० 132/74--यतः, मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम् सहायक आयकर आयुक्त, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 187 बौन पल्ली है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री नरेश चन्द पुत्र हुकुम चन्द, नं० 97, सरदार पटल रोड, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

- 2. (i) श्रीमती एम० नरसम्मा पत्नी एम० वर्दथ्या, 1-4-30, खलासीगुड़ा, सिकन्दराबाद
- (ii) श्रीमती एम० अनसूष्पा पत्नी एम० वेंकटेशम, 1-2,133, खलासीगूड़ा, सिकन्वराबाद (अन्तरिती)
 - 3. यूनीयन स्टाफ आफ इंडिया, सिकन्दराबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:---बंगलो नं० 187, बोबेन पल्ली, सिकन्दराबाद, क्षेत्रफल 11189 वर्ग गज ।

> एस० बाल सुन्नमण्यम, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, हैसराबाद

तारीख 3 जनवरी 1974 मोहर: प्ररूप आई टी० एन० एस० निरीक्षण--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1974

सं० आर० सी० ए०135/74 -- यतः मुझे एस ० बाल० सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० 2-3-15 ता० 17, एम० जी० रोड़ है जो सिकन्दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 31-7-1970 को पूर्वोक्स उचित वाजार मृत्य से कम द्श्यमान के प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मूकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- रा० टी० नहेंन्दर पुत्र स्व०एराच निरूमल राव 6-सेंट जान्स रोइ सिविल, स्टेशन बंगलौर। (अन्तरक)
 - श्री कें ० एम० शर्फुदीन (2) श्री के ० एम० फक रहीन
 (3) के ० एम० मोइन उद्दीन, सभी श्री स्वाजी मियां
 के पुत्र हैं और 57-एम० जी० रोड़ सिकन्दराबाद के
 निवासी हैं।
 (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अघीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति --- पुराना न० 57, नया 2-3-15 ना० 17 जो एम० जी० रोड सिकन्दराबाद में स्थित है क्षेत्रफल 500 वर्गगज है।

> एस० बालसुश्रमण्यम् सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख : 3-1-1974

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० -

श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक धामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, लखनऊ

दिनांक 11 जनवरी, 1974

निर्देश सं० 22 एच० अर्जन---यत:, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो मीर गंज में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय राजस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिएरजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री विश्वन लाल और अन्य
- (अन्तरक)

2. श्री हरी नाथ

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूबवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 145 गज का और जिस में 6 कमरे भी है जो कि मीर गंज इलाहाबाद में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज लखनऊ

तारीख: 11-1-1974

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कायीलय लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी, 1974

निर्देश सं० 6 यु० अर्जन—यनः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए मे अधिक है और जिसकी सं । 16 है, जो मदन मोहन मालविया मार्ग में स्थित है (और उससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय राजिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-7-1973 को पुर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री विद्या प्रकाण (अन्सरक)
- यू०पी० विरिज कारपोरेशन, लखनऊ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्क्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट 10,000 वर्ग फिट जो कि मदन मोहन मालवीया मार्ग लखनऊ में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 11-1-1974

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० 50 एस०अर्जन--यतः, म्झे, के० एन० मिश्रा निरीक्षण सहायक आयकर आयक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/→ र० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० । है जो, बजीर हसन रोड में स्थित है(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से क्षम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनु-सार भन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है ग्रौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भ्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती अख्तारन निमा

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज कपूर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है।(बहुब्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किंच रखता हो। (बह् व्यक्ति जिसके बारें) में अधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्एक विम्वा प्लाट जो कि 8010 वर्ग फिट है और वजीर हसन रोड लखनऊ में स्थित है ।

> कें० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 11 जनवरी 1974 मोहर: प्रस्प आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज लखनऊ

सखन थ, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश स्० 41 बी० अर्जन--यतः , मुझे, के० एन० मिश्रा महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, रेंज धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 南 43) की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से श्रिधिक है मुल्य और जिसकी संख्या 940 956 961 9धध 1158 045, 961, 966, 1159 है जो, इस्माइल गंज में स्थित है (और इससे (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय (1908 का 16) र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के अधीन 28-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर। बनाना,

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-ध की उपद्यारा

- (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---
 - श्री ओम प्रकाश और अन्य (अन्तरक)
 - 2. श्री विम्वनाथ प्रसाद और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिये एसद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशत की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किसे जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मित के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 9 बीचा 15 विस्वा 6 विसवंसी जो कि ग्राम इस्माईल गंज जिला लखनऊ में स्थित है ।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, नखनऊ

विनांक 11 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० 47 आर्० अर्जन--यतः, मझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ बहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 730 742494/206 है जो, सराय हसन गंज में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय शखनक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मंगल दास

(अन्तरक)

2. श्रीमती रंजना सागर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो हो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो किता मकान जो कि 2200 वर्ग फिट में है और वह सराय हसन गंज लखनऊ में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 11 जनवरी 1974 मोहर: प्रस्प आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० 19 डी० अर्जन--यत:, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 291 से 322 इत्यादि है जो, ग्राम महिर्या में स्थित है (और उससे उपाबड़ अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विलासपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थातः --- 1. श्री ज्ञान जन्द

(अन्तरक)

2. श्री दलबीर सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई होतो —-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूजित किया जाता है कि हर हैंसे व्यति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, अक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यादोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 47 बीघा 18 विस्वा जो कि ग्राम सहरिया जिला रामपुर में स्थित है ।

> कें० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 11 जनवरी 1971 मोहर प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269~ घ-(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, 11 **जनव**री 1974

निर्देश सं० 51-एस० अर्जन--यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उधित बाजार** मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संख्या 369/652ी जी० है जो, ग्राम गडदिया सुलतानपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190ध (1908 का 16) के अधीन 12 जुराई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह बिग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती अजीजा बेगम और अन्य
- (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सिकन्दर बेगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 किता मकान 5820 वर्ग किता जो कि ग्राम गडहिया मुलतानपुर लखनऊ में स्थित है ।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनक

तारीख 11 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ,

दिनाँक 11 जनवरी 1974

निर्धेश सं० 11 सी० अर्जन--यतः, मुझ/, के० एन० मिश्रा निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बजार मृत्य 25,000/- र० से अधिक सं० 3 है जो चक में स्थित है जिसकी (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमती शकुन्तला देवी

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्दा देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूजित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समन सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 383 वर्ग गज जो कि चक इलाहाबाद में स्थित है।

के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 11 जनवरी 1974 मोहर: प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० 22-जी० अर्जन--यत:, मुझे के० एन० मिश्रा निरी-क्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 860 से 866 है जो, वरखेखा महेवा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखीमपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6 जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ की** उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिव शंकर

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश लाल और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे भ्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 1-92 एकड़ जो कि ग्राम वरखेखा महेवा जिला लखीमपुर में स्थित है ।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 11 जनवरी 1974

प्रारूप आई० टी० एन० एस०..... आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 जनवरी 1974

निर्देश सं० डी०-20/अर्जन--यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त, लखनउ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 47 etc. है जो जिला वाराबंकी में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के आधीत 25 जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिजाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:—

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:----

1. श्री बदल सिंह (अन्तरक)

श्री देवी बख्ण सिंह आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए एतबुद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षोपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता घर और कृषि भूमि जिसका रक्का 13 एकड़ और 15 डिसामिल है जो ग्राम बिजौली जिला बाराबंकी में स्थित है ।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनंऊ

तारीखा 11 जनवरी 1974

मोहरः

प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I

भौपाल, दिनाँक 16 जनवरी 1974

निदेश सं० सत्र राजि/ग्वालियर/15-8-73---अतः, मुझे एम० एफ० मृन्शी आयकर अधिनियम, 1961 का43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और **जिसकी सं**० म्यु० न० 39/2 है, जो लश्कर ग्वालियर में स्थित (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रिजस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-8-73 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-मियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (स) ऐसी भिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना,

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सम्मट मल पुत्न श्री चुन्नामल जी सिधी कदम-सा-का बाड़ा, मामा का बाजार, लश्कर, ग्वालियर (म० प्र०) (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी श्री सचलमला जी तनेजा सिधी बारा मेसर्स राजामता सचलमता आईश मिल्स, तेजेन्द्रनाथ गली, दाल बाजार, लक्ष्कर ग्वालियर (म० प्र०)। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित कदम-सा० का ० बाडा, मामा का बाजार लक्ष्कर ग्वालियर में है। जिसका नगर निगम नं० 39/2 हल्का न० 16 में है।

पूर्व में रास्ता सार्वजनिक जो मेन काटक मामा सा० के बाजार की तरफ आता है।

पश्चिम में रास्ता सार्वजनिक आने जाने का उत्तर में रास्ता सार्वजनिक आने का जाने का दक्षिण में रास्ता सार्वजनिक।

> एम० एफ० मुंग्झी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 16-1-74

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 16 जनवरी 1974

निवेश सं० सब० रजि०/उज्जैन/15-8-73--यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा के अज्ञीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है और जिसकी सं० मं० नं० 4/1503 है, जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में भारतीय रजिस्ट्री-कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-8-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच क्षय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती श्याम प्यारी बाई पत्नी श्रीरामरतन कंवर सा० सस्पनारायण श्याम सुन्दर हाऊस, शाहिद पार्क के पास, फीगंज, उज्जैन। (अन्तरक)
- (2) श्री बिमल चंव पृत्न श्री सौभाग्यमल जी जैन द्वारा बैंक ऑफ इण्डिया, रवरगोन, (म० प्र०) श्रीमनी शशि कान्ता परनी श्री विमल चंद जैन द्वारा बैंक ऑफ इण्डिया, खरगोन (म० प्र०) (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसनें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नगर पालिक निगम उज्जैन नं० 4/1503 जिसका नया नम्बर 27 है बाके मोहरूला मिर्जा नहींम बेग मार्ग शहर उज्जैन में है। दो मंजला पक्का है। जिसका एरिया 606-48 स्क्वेयर फीट है।

एम० एफ० मृंन्की सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 16-1-1974

प्रस्प आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी, 1974

निर्देश सं० ए० सी०-27/आर०-IV/कलकसा-/73-74---यतः, मुझे जर्ज नर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खतियान नं० 30, 349, 348, 338, 50 है, जो थाना बारासत, मीजा पानिहारा, दाग नं० 369, 371, 372, 387, 389, 383, में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बारासत में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 जून, 1973 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री किरारी मल , 27, राम स्वरूप खन्नि रोड, कलकत्ता-53।

(अस्तरक)

श्रीमती पुष्पा आगरवाला 13, लेक एभेन्ये, कलकत्ता-26।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों में यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थाना बारासत, मौजा पानिहारा, खतिथान नं० 40, 349, 348, 338, 50, दाग नं० 369, 371, 372, 387, 389, 389, 383, के ऊपर 1.27 एकड जमीन और उसम एक मकान जिसका परिमाण $18^{\prime} \times 32^{\prime}$ फिट है जो सन् 1958 को बनाया गया है।

(जि० बर्गिस) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, पी० 13 चौरंगी स्कोयर, कलकत्ता 1

तारीख: 7-1-1974

मोहरः

15-426GI/73

प्ररूप आई० टी० एन० एरा०---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जनवरी 1974

निर्देश मं० सब जि०/मुना/31-8-73--अतः, मुझे, एम० एफ० मृन्शी आयकर अधिनियम 1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० मं० नं० 271 है, जो गुना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-8-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-रकों) और अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच तय पाया गया ऐमे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिस किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उप-घारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

(1) (i) श्री पूरन चंद पुत्र श्री मुकुन्वीलाल, (ii) श्री केवल चंद पुत्र श्री पूरन चंद जैन (iii) श्री बाबू लाल पुत्र श्री पूरन चंद जैन (iv) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री पूरन चंद जैन निवासी----नई सड़क, बार्ड नं० 7,गुना (म० प्र०) (अन्तरक) (2) श्रीमती भंबर बाई पत्नी स्वर्गीय श्री भंबर लाल जी जैन, द्वारा—भंबर लाल बाबू लाल किराना मर्चेन्ट सदर बाजार, गुना (म० प्र०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किये जायंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 271 जो कि वार्ड नं० 7 नई सड़क गुना में स्थित है। मकान दो मंजला है।

> एम० एफ० मुन्धी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-1-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्य भवन, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 22 जनवरी 1974

सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-II/73-74/7045---यत:, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-61 है जो कि ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन 18-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या; ।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मध्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269- ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री राम लाल मागोन, पुत्र श्री राम चन्द्र, निवासी 156 लाजपत नगर, जालंधर सिटी (पंजाब)

(अन्तरक)

 श्रीमती नीना मलहोत्ना पत्नी श्री राज मलहोत्ना द्वारा श्रीमती पुष्पा रानी, बी-1988 नौघरा किनारी बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ़ीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज है जिसका नं एस-61 जो कि निवासी कालोनी, ग्रेटर कैलाश-II के गाँव बहारपुर दिल्ली में स्थित है।

> सी० वी गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1/2, दिल्ली, नई, दिल्ली

तारीख: 22 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ' ' ' '

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 जनवरी 1974

सं० भ्रार० ए० सी० 14 1/74-यत: मुझे एस० बाल सुन्नमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अभ्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 5-1-612 ट्रूप बाजार है, जो हैदराबाद में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14व7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही मुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती फातीम सोग्रा पत्नी स्व० सम्यद शाह अबदुल खादर फिरक्रोस मंजिल, तुरूप बाजार, हैंवराबाद (अन्तरक) 2. श्री सय्यद म्रलीमुसा रजा पुत्र स्व० सय्यर्द शाह म्रबदुल खादर, तुरूप बाजार, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एत्तव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों ओर पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:--म०नं० 5-1-612, जो 1162 वर्ग मीटर्स जो तुरूप बाजार, हैंदराबाद में हैं तथा निम्नलिखितों से घिरा हुआ है।

उत्तर---गली दक्षिण---नं० 5-1-605, तथा श्राम रास्ता पूरब----5-1-593, तथा श्राम रास्ता पश्चिम----5-1-611/1

> एस० बाल सु**बमण्यम्** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, है**व**राबाद

तारी**ख** : 10-1-74

PART III—SEC. 1]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1974

सं श्रार ए ए सी । 143--यतः, मुझे एस । बाल सुब्रमण्यम् ग्रधिनियम, 1961 (1961 की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 3-5-377 नारायन गूडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीं शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती फातीमा मोग्ना पत्नी स्व० सय्यद शाह ग्रन्दुल खादर फिरदोस मंनिजल, नुरूप बाजार, हैंदराबाद (ग्रन्तरक) 2. सय्यव ग्रली मूसा रहना पल्ली स्व० सय्यव गाह श्रव्दुल खादर, नुरूप बाजार, हैवराबाद (2) महाहरू, श्रिमा पुत्री मोहमद अक्रिय दिन नुरूप बाजार हैदराबाद (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

सम्पत्ति जो० विलेख स० 1758 में दर्ज है। मकान न० 3-5-377 का ज्यादा भाग जिसका क्षेत्रफल 227 वर्ग मीटर्स जो नारायनगुडा, हैंदराबाद में स्थित हैं तथा निम्न से धिरा हुम्रा है।

उत्तर---रास्ता

दक्षिण--- 3-5-3-77 का कुछ भाग

पूरब--रास्ता

पश्चिम---पडोसन का मलगीया ।

2. सप्पति जो विलेख पत्न सं० 1760 में दर्ज है।

मकान नं० 3-5-377 जिसका क्षत्रफल 108-75 वर्ग मीटर्स, नारायनगूङा, हैंदराबाद में स्थित हैं तथा निम्न से घिरा हुआ है।

उत्तर--- 3-5-377 का श्रधिकतर भाग

दक्षिण--पडोस के मलगी तथा सेरी

पूरब--रास्सा

पश्चिम--पडोस के मलगी

एस० बाल० सुक्रमण्णम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 10-1-74 अर्जता रेंज, हैदराबाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अहमदाबाद अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद, दिनांक 19 जनवरी, 1974

ए०सी०क्यु० निदेश सं० 23-I-50/1-1/73-74--मझी, जे० कथूरिया अधिनियम, आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 239-1, फायनल प्लाट नं० 23, टी० पी० एस० नं० 24 है, जो राजपुर-हीरपुर, अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के रजिस्दोकरण अधीन 8-10-1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अम्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुमारी रमाकान्ता बेन, सुपुती
 श्री गोरधनदाम जेठालाल,
 वचली पोल, नवी बास, धानापीठ,
 अहमदाबाद।

(2) श्री रतीलाल रणछोडवास आदर्श कन्स्ट्रवशन कम्पनी के हेतु तथा उसकी ओर से 6, अमीधारा फ्लेटस, मणी नगर, अहमवाबाद। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजपुर-हीरपुर अहमदाबाद टी० पी० एस० नं० 24, फायनस्र प्लाट नं० 23, सर्वे नं० 239-1, जमीन 1680 वर्ग गज (इमारत सहित)।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 19-1-1974

मोहर:

(अन्तरक)

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०......

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी, 1974

निर्वेश सं० 23-कें अर्जन--यत:, मुझे कें एन० श्रायकर श्रापुक्त मिश्रा निरीक्षण सहायक लखनऊ आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है और जिसकी सं० 150/167 है, जो हिम्मत पुर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिजनौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रान्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेर द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री प्रेम चन्द्र और अन्यः
- (अन्तरक)
- 2. श्री सरदार काका सिंह और अन्य
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 167 बीमा 5 विस्था जो कि ग्राम हिम्मत पुर जिला बिजनौर में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा स**क्षम प्राधिका**री सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-1-1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 15 जनवरी, 1974

निवेश सं० 23-जे० अर्जन--यतः, मुझे के० एन० मिश्रा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं माकान है जो माल रोड जि॰ अलमोड़ा में स्थित है (और उससे उपाबद अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अलमोड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ब्रधिक है धौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के जिए सुकर बनाना,

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीनारायन दत्त

- (अन्तरक)
- 2. श्री जगत सिंह विष्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता माकान 45×69 फिट जिसमें 25 कमरे व रसोई व स्नान घर और एक वारनदा सामिल है और जो कि माल रोड जिला अलमोड़ा में स्थित है।

कें० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-1-1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी, 1974

निदेश सं०4-1-अर्जन--यतः मुझे, के० एन० मिश्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० मुरादाबाद में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---16-426 GI/73

- 1. श्री अब्दुल लातीफ और अन्य
- (अन्तरक)

2. श्री इदे और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा.
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्रिपिक भूमि जो कि जिला मुरादाबाद में स्थित है।

के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लखनऊ।

तारीख: 15-1-1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जनवरी, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/669/1291/73-74—-यत:, मुझे गो० न० साधु आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ**ल्य 25,000/-हपये से अधिक है और जिसकी संब्र्लाट संब 43, सेक्टर, संब 1, सर्वे सं० 320 (अंश) है, जो चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपाबस्व अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत. अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री व्हि० बी० पटेल और कम्पनी
- (अन्तरकः)
- 2. मै॰ जयक्रुष्णा को आप॰ हाऊसिंग सोमायटी सिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि वम्बई उपनगर जिले के रिजस्ट्री उप-जिला बान्द्रा के छेड़ा नगर, पेस्टमागर, चेम्बूर में स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि प्लाट सं० 43 धारण किये हुए है, माप से 720 वर्गगज यानी कि 654-99 वर्ग मीटर के समकक्ष है, एवं मर्वेक्षण सं० 320 धारण किये हुए भूमि के बड़े टुकड़े का एक भाग है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थातु:——

पूर्व में या ओर --- प्लाट नं० 44।
पिचिम में या ओर --- 30 फीट चौड़ी सड़क
उत्तर में या ओर --- प्लाट नं० 45।
एवं दक्षिण में या ओर --- प्लाट नं० 40।

गो० न० माधु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई ।

वारीख: 17-1-1974

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एम०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 17 जनवरी, 1974

निर्देण मं० अ०ई० 2/820/1304/73-74—-यतः, म्हा गों० न० साधु महायक श्रायकर श्रधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिसकी संब्दीव्यीव्यय 5, प्लाट संव् 105 है, जो माताऋझ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्टी-करण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्रन्तरण लिखित में वास्नविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :-

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय-कर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्प्राल के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत: श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थान्:---

- मै० नर्रासगलाल बालचन्द और कम्पनी (अंतरक)
- हरी निवास प्रिमायसिस को० आप० सों । लिमिटेड (अन्तरक)

 मेम्बर्स, हरी निवास प्रिमाप्रसिम को ० आप । सोनायटी निमिटेट (वह व्यक्ति जिसी) प्रधियोग में संस्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पन्ति के प्रजीन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहिया, शुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजेंस के प्रति शाक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि की भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में ति किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

एनद्हारा यह प्रधिसूचित विया जाता है जि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्हारा आगे यह अधिसुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पब्दोकरण:—-५समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम दुकड़ा या भाग जो कि टाऊन प्लानिंग स्कीम कं 5 (सांताकूज) बान्द्रा में स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि अंतिम प्लाट कं० 105 धारण किये हुए है, माप से 436-44 वर्ग मीटर यानी कि 522 वर्ग गज के समकक्ष है, एवं निम्नप्रकार से घिरा हुआ है:——

पूर्व में टाऊन प्लांनिंग स्कीम कं 5 के प्लाट कं 4 से। पश्चिम में टाऊन प्लांनिंग स्कीम कं 5 के प्लाट कं 106 से। उत्तर में टाऊन प्लांनिंग स्कीम कं 5 के प्लाट कं 100 से। दक्षिण में टाऊन प्लांनिंग स्कीम कं० 5 की 40 फीट प्रस्तावित मड़कं।

> गो० न० साधु, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई।

तारीख : 17-1-1974

मोहर

प्ररूप भार्ष ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1974

निर्देश मं० आई०ए०सी०/एक्य्० 11/73-74---यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० एम० - 155 है, जो ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में म्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर 'अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व यें कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अस, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मै० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि०
 40-एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

 श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री सत्याल गोगा, नियासी के०-62, राजारी गाउँन, गई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनस्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिनने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्थक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ़ीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 299 वर्ग गज है जिसका नं एस०-155 है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर नई दिल्ली में है ।

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज 2, दिल्ली

तारीख 15-1-1974 मोहर:

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1974

निर्देश मं० आई०ए०सी०/एक्यु० 11/73-74/7024-यतः मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० डब्ल्यू \circ -167 है, जो ग्रेटर कैला π - Π , नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-73 पूर्वीक्त के उचित सम्पत्ति बाजार से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. मैं० डी० एन० एफ० युनाइटिड नि० 40-एफ०, फनाट पैनेस, नई दिन्ती (अन्तरद)
- श्री अर्जन कुमार अग्रवाल पुत्र श्री राम नाथ अग्रवाल निवामी श्री० II/200 किंदवाई नगर वैस्ट, नई दिव्ती-231 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की अविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा अध्येप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोरूड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है और जिसका नं० डब्ल्यू०-167 है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में हैं।

> सी० बी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 18-1-1974

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1974

निदेश सं ० 52-एस० अर्जन---यतः मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक श्रायकर आय्कत लखनऊ आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने था कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में अधिक है है जो सैद पुर में स्थित है (और उसने उपावड़ और जिसकी सं० अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेंदपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धीन 6-7-1973 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह प्रतियात अधिक है और यह कि यन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे क्षथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-लिखित किए गए हैं।

अतः , अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितः :—

1. श्री गुलाम कादिर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सवित्री देवी और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीचित सम्पत्ति के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां णुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान $10-1/2 \times 4$ गज जो कि कस्वा सैंदपुर जिला गाजीपुर में स्थित है।

(के० एन० मिश्रा), सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजँन रेंज, लखनऊ

तारी**खः ।** 15-1-1974

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी, 1974

निदेश सं० 27-ए०, अर्जन---यतः, मुझे के० एन० सिश्वा निरीक्षी सद्भायक आपकर अध्यक्त, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ए० से अधिक है और जिसकी मं० 85 और 89 है, जो ग्राम हरहरपुर बहरूआ में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहारी में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-73 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अक्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब ,धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान्:——

- श्रीमती आशा चौधरी और अन्य
- (अन्तःक)
- 2. श्री अनोख मिह और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी। अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूनवाई के समय भुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 32 बीघा 5 विसवा जो कि ग्राम हरहरपुर बहरूआ जिला बरेली में स्थित हैं ।

> (के० एन० मिश्रा) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख: 15-1-1974

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1974

निदेश सं० 26-ए०, अर्जन---यतः, मुझ के० एन० मिश्रा आयकर आयुक्त (निरीक्षण) निरीक्षी सहायक ग्रधिनियम, आयकर 1961 (1961 लखनऊ का 43) की धारा 269 ख के अधीन (सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है है, जो जिला बरैली में स्थित है (और उससे और जिसकी गं० उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवाब गंज में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1973 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से सम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के ब्रनुसार ब्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भ्रोंर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्राप्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री रणजीत सिंह

(अन्सरक)

2. श्री अशोक कुमार और अन्य

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्येवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जायेंगी।

एदद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 1928 8/9 जो कि जिला बरेली में स्थित है

(के० एन० मिश्रा)

सक्षम प्राधिकाी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष) अर्जन रेंज, **लखनऊ**

तारीख: 15-1-1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ध-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1974

निदेश सं० 4 2-वी०, अर्जन--यतः मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षण सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 61 और 505 है जो बरेली में स्थित है, (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-426 GI/73

1. डा० सुरेन्द्र नाथ

(अन्तरक)

2. श्री भगवान दास आर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसुचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला कोठी जिसके प्रत्यंक मंजिल का क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है और जो सिविल लाइन्स, जिला बरेली में स्थित है। के० एन० मिश्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 15-1-1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1974

निदेश सं० 42-एन०, अर्जन---यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० है जो, बाजार वर्जी चौक में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरैली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1973 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेंरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री जगत नारायण और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश कोहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एत**य्हा**रा का**र्यवा**हियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पटीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला माकान जो कि बाजार दर्जी चौक बरैली म स्थित है।

के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 15-1-1974

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रजीम रेंज, 2, दिल्ली -1

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी, 1974

fमदेश सं आई० ए० सी०/एक्यु II/73-74/6935---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 285 है जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-73 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और√या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि०
 40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती सुखवन्त कौर पत्नी मेजर दलजीत सिंह
 (II) श्री गुरीन्दर सिंह पुत्र श्री मेजर दलजीत सिंह
 निवासी 390/4, सर्विस आफिसर इन्क्लेव,
 एस० पी० मार्ग, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसवद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़्रीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 307 वर्ग गण नं० एस०-285 जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाग-11, नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में है :

> सी० वी० गुप्ते सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-2, दिल्ली नई दिल्ली - 1

तारीख: 16 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-1 दिनांक 15 जनवरी 1974

निर्देश सं० टि॰आर०~518/सि०-105 कलकत्ता-2/73-74 --यत:, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं। और जिसकी सं० ७ है, जो लोयार रेंज कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, आफ सियालदह, 24 परगना में भारतीय रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियः, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. सेख सालेह भिस्त्रि

(अन्तरक)

 श्री सुभाष चन्द्र गुप्ता श्री जितेन्द्र प्रसाद गुत्ता (अन्तरिती)

 श्री रामस्वरूप माह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकर होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुखी

दो तल्ला नंजिल साथ एक दुकरा जमीन जिसका परिमान 7 कठ्ठा 5 छटाक 20 स्कोणर फिट है, उउके बिना बाटें हुए आधा हिस्सा जो 7 नं०, लोयार रेंज, पार्क सिकस, कलकत्ता।

> एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता-1

तारीख: 15-1-1974

भ्रायकर श्र**धिनियम**, 1961 (1961 का 43) की <mark>धा</mark>रा 269 **घ**(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-11/73-74/7045---यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- क० में प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० आर०-62 है, जो ग्रेटर कँलाण, नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 अगस्त 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 श्री प्रेम नारायण शर्मा पुत्री श्री पंष्टित जमराम शर्मी निवासी गाधी मार्ग, बराऊत, डिस्ट्रीक्ट मेरठ (य०पी०) (अन्तरक)

- 2. श्री गुलाब सिंह जैन निवासी डी०-1 ए ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (अन्तरिती)
- श्री गोपीचन्द (जी० एफ०) निवासी आर०/62 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री विजय कुमार जैन पुत्र श्री गुलाब सिंह जैन डी०-1 ए०ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (वह श्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है. आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक ढाई मंजिला जायदाद जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है नं ०62 ब्लाक आर० जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश के गांव याकूतपुर में है ।

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 22 जनवरी 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज 2

बम्बई, दिनांक 22 जनवरी, 1974

निदण सं० अ० ६० 2/835/1387/73-74---अत : मुझे गो० न० साधु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० सर्वे० नं 925 हिस्सा नं 6 (अंश) है, जो चुईम, खार, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अबधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री अन्थनी डिसोजा और श्रीमती केटी अन्थनी डिसोजा (अन्तरक)
- 2. श्री नासीसद्दीन अलिमुद्दिन और श्रीमती अकखतरी बेगम नासीसद्दीन। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वाजित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।
 - (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अपिक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसुची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के रिजस्ट्री उप-जिला बान्द्रा के तालुका अन्धेरी के रेवेन्यू विलेज डांडा के च्यूम खार में स्थित है जो कि लेंड रेवेन्यू कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण क० 4 ए, हिस्सा क० 6 (अंग) अभी शहर सर्वेक्षण क० 925 के अन्दर पंजीकृत है तथा माप से करीब 363 वर्गगज यानी कि 316 वर्गमीटर के समकक्ष है एवं उत्तर में श्री एन्थोमी जे० डीसोजा की गोबिन्द पटेल रोड पर स्थित जायदाद से, पूर्व में लीलाराम भुवन सोसायटी के प्लाट से, पश्चिम में सर्वेक्षण क० 926 एण्ड 923 धारण किए हुए भूमि के प्लाट्स से, दक्षिण-कसाऊ के प्लाट से, थिरा हुआ है।

गो० न०साधु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई।

तारीख: 22 जनवरी, 1974।

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 वम्बई.

बम्बई, दिनांक 19-1-1973

निवश सं० अ० ई० 2/825/1328/73-74--अत : मुझे गो० न० साधु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 मम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- रु० से श्रिष्ठिक और जिसकी सं०सी०टी० सर्वें ० नं ० जी/504 प्लाट नं ० 12 बी ० है, जो सांताकुज, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्य-मान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विशेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर यह कि ग्रन्तरक (मन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. ग्रेमरी सिल्हवेस्टर मिरांडा

(अन्तरक)

- श्री फ़्रंक आलिवरा और श्रीमती एतिड आलिवरा (अन्तरिती)
- 3. किरायवार (यह व्यक्ति जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर निर्मित भवन एवं सहित जो कि बृहत्तर बम्बई के रिजस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, रिजस्ट्री जिला बम्बई उपनगर के अंधेरी तालुका के सांताकुक में स्थित है, जो कि वेलिगड़न, पश्चिम एस्टेट का प्लाट क० 12/वी है, एवं शहर सर्वेक्षण क० जी वार्ड 504 धारण किए हुए है, माप से करीब 1060 वर्गगज है तथा निम्नप्रकार से घिरा हुआ है अथात् :—

उत्तर में या ओर—सी० टी० एस० ऋ० 502 से० दक्षिण में या ओर—सी० टी० एस० ऋ० 505 से० पश्चिम में या ओर—एक सार्वजनिक सड़क पूर्व में या ओर—सी० टी० एस० ऋ० 503 से

> गो० न० साधु, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 2 बबर्म्स

तारीख: 19 जमवरी 1974

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय अर्जन रेंज-2

बम्बई, दिनांक 22 जनवरी 1974

निर्भेष सं अ० ई०-2/822/1313/73-74--अतः मुझे गो० न० साधु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 61, टी० पी० एम० 5 सी० टी० सर्वे नं० 117 है, जो सांताकुज, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे म्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्प्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:---

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन के निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः—

1. श्री फ्रान्सिस अन्थनी डिसोजा

(अन्तरक)

2. में मर्स मोहनलाल राजमल और में सर्स महालक्ष्मी पटेल और कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेचने वालों को वह तमाम अविभाजित भाग भूमि के साथ में मंलग्न भूमि का प्लाट अथवा मैदान में बेचने वालों का वह तमाम अविभाजित भाग जो कि बृहत्तर बम्बई के बम्बई उपनगर जिले के रिजस्ट्री उपजिला बान्द्रा के रेवेन्य विलेज बान्द्रा के सांताकुज (पूर्व) के प्रभात कालोनी में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि टाऊन प्लानिंग स्कीम ऋ० 5, नेहरू रोड़, सांताकुज पूर्व, बम्बई का प्लाट ऋ० 61 धारण किए हुए है एवं सर्वेक्षण ऋ० 117 धारण किए हुए है। एवं माप से 707. 4 वर्गगज है तथा दक्षिण में नेहरू रोड़ से, उत्तर में सड़क से, पूर्व में प्लाट ऋ० 62 से घिरा हुआ है।

गो० न० साध, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई ।

तारीख: 22 जनवरी 1974।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 19 जनवरी 1974

निर्देश मं o-III-78/अर्जन/73-74/1483---अत: ज्योतीन्द्र नाथ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार पटना, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी संब्हो ० नं०-268 है, और जिसकी संख्या है, जो धर्मशाला रोड़, जमालपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुगैर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।
18—426 GI/73

अंत:, अब, धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल, सा० सूर्यगढहा पोस्ट सूर्यगढहा, जिला मुगेर । (अन्तरक)
- 2. श्री राज कपूर अग्रवाल, सा॰ सूर्यगढ़हा पोस्ट सूर्य-गढ़हा, जिला मुगेर । (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-धारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितंब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

एतंद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पंद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20कं में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची -

मकान, हो० नं० 268, सा०—धर्मशाला रोड़, जमालपुर, जिला मुगेर वार्ड नं०-सी०, जमालपुर।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बिहार, पटना

नारी**ख**: 18-1-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 17 जनवरी, 1974

निर्देश सं० 725/73-74---यत :, मुझे ए० रागवेन्त्र राव आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से अधिक है और जिसकी सं०डोर सं० चार, रटलंट गेट चौथा स्ट्रीट, नुन्धस्थाक्कम मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन 9-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पड़ कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्रीमती आर० गाजा गौरी देवी, 12-ए, दीवान राम अथन्वार रोड़, पूरसंवाक्कम, मद्रास (अन्तरक)
- 2. श्री यीराबोल सुब्बराम रेहि (2) अमापला श्री देवी अम्मा और (3) पोन्नलूर पदमावति, 34 क्लेमन्स रोड़, वेपेरि मद्राम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिआक्षेप,यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-कद्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतस्वारा आने यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

मद्रास नुन्कम्बाक्कम, रटलन्ट गेट चौथा स्ट्रीट डोर सं० चार में आट ग्रउण्डस और 550 स्कुथर फीट ।

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख**: 17-1-74

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1974

मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० टी॰ पी॰ एस॰ नं० 3 सब-प्लाट नं० 3 म्युनिसिपल सेन्सस नं ० 1257/1 है, जो पंचवटी के पास एलिस ब्रिज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत निलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः, अब, धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री चीनु भाई साक्लचंद दलाल ढालनी पोल, आशापुरी माता खांचा के पास अहमदाबाद (अन्तरक)
- 2. श्री मंजुलाल भाईलाल शाह मांडवीनी पोल, शेटनीपोल अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एलिस किज, पंचवटी के पास, पाटीदार को-आपरेटिव हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेक, अहमदाबाद टी० पी० एस० नं० 3, सब-प्लाट नं० 3, म्युनिसिपल सेन्सस नं० 1257/1, जमीन 875 वर्गगज (इमारस सहित) ।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीखा: 23-1-74

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आमकर आयुक्त (तिरीक्षण) ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

J. No. I(1270)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao, अधिनियम, 1961 (1961 43) 明 धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० No. 16-1-68 to 78 Mahatma Gandhi Road, Vizianagaram है, जो Vizianagaram में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Vizianagaram में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन in July 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख दुरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ये कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आ्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) Smt. Bashurunnisa Begum, Kotlamadappa Street, Vizianagaram-2. (Transferor)
- (2) Sri Khader Badshah, Kotlamadappa Street, Vizianagaram-2. (Transferee)

(3) Nil

(4) Sri Hazi Abdul Hamid Khan Kotlamadappa Steet, Vizianagaram.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अजैन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां भुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यवि कोई हों तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam Dt-Vizianagaram Sub-District-Vizianagaram Town-Ward No. 16-Mahatma Gandhi Road-Southern Side-T.S. No. 2-Asst. No. 6240—Door No. 16-1-68 to 78.

Boundaries & Measurements

East.—C.A. Shukoor Saheb Co.'s Site and House of Nawab Asadali Khan's house.

South.—House of Nawab Asadalaw Khan Saheb's House and Road;

West.—Municipal Road; and

North.—Mahatma Gandhi Road.

Fast to West.—13M to some extent, 14M, to some extent, 11M to some extent 27M to some extent.

South to North.—12M to some extent, 13M to some extent & 24M to some extent.

K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-1-74.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- (1) के अधीन सूचना

भरित सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज का कार्यालय

लखनक, विनांक 16 जनवरी 1974

निर्देश सं० 48 आर० अर्जन--यतः मुझे, के० एन० मिश्रा मिरीक्षी महायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, सक्षम जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 71 और 68 है जो कोडली वागर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अन्तरित की ग़ई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यम्।न प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख्) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री मादंन गोपाल

(अन्तरक)

2. श्री राम गोपाल और अन्य

(अन्तरिशी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से, 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय ' 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 33 बीघा 8 बिस्बा जो कि ग्राम कोइली धागर जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

> के० एन० भिश्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, लखनऊ ।

तारीख: 16-1-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरिक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन, का कार्यालय

लबानऊ, दिनांक 16 जनवरी 1974

निदेश सं० 12 सी० अर्जन -- यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम 1961 (1961का 43) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० 621 और 649 है जो जि० बुलन्दशहर में स्थित है (और उससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्जिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-73 को सम्पत्तिक उचित बाजार मृत्य से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिहा की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबात आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. श्री हो राम

(अन्तरक)

2. चन्द्रा ट्रेंडर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतन्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-कं में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 2 बीघा 19 बिसवा 8 बिसवन्सी जो कि जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सखनऊ

तारीख: 16-1-74

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार निरीक्षी कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त अर्जन, का कार्याकय

> > लखनऊ, दिनांक 16 जनवरी 1974

निदेश सं० 53 एस० अर्जन — यतः मझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकार आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-- रु०से अधिक है और जिसकी सं० 16/100 है जो नवाब गंज में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय वाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 10-7-1973 को 1908(1908 का 16) के आधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती सवित्री देवी और अन्य

(अन्तरक)

2, श्री शिव राज सरन रस्तोगी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिये एसद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितबंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे,

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो आयेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो कि 400 वर्ग फिट में है जिस में हर एक मंजिल पर चार कमरे हैं जो कि नवाब गंज जिला वाराणसी में स्थित है ।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 16-1-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 **ष** (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 19 जनवरी 1974

मिर्देश सं० अ०६० 2/819/1299/73-74--यतः मुझे गो० न० साधु सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 में के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, अंतिम प्लाट नं० 751 है जो खार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियन, 1908 (1908 का 16) के आधीन 7-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य कम के दुश्यमान के प्रतिफल लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ओयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अर्थं, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियमं, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

> श्री जयराम रामजी, 2. नरेण जयराम, 3. जितेन्द्र जयराम, 4. नरेश जयराम, 5. मिणबेन जयराम, 5. 6. मेधजी जयराम 7. कान्ती लाल, 8. दिनेश मेघजी, 9. जनक मेघजी, 10. महेन्द्र मेघजी, 11. धीरजलाल मेघजी, 12. धनगौरी मेघजी रामजी। (अन्सरक)

2. मिया अंहमंद होजी इस्माइल तैयब छात्रा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकै पूर्वेन्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्येवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गएं आक्षेपों यदि कोई हों, भी सुनवाई के लिए तारीख और स्थाम नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुमवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) है अध्याय 20 क में सर्वापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है। अनुसूची

भूमि या मैदान का तमाम वह ट्रुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उप-जिला एवं जिला बम्बई नगर उपनगर के खार में स्थित है, जो कि बांन्ब्रा टाउन प्लानिंग स्कीम-3 को अंतिम प्लाट कं 751 धारण किए हुए है माप से 425 वर्ग गज यानि कि 355-34 वर्गमीटर के समकक्ष है एवं नगरपालिका द्वारा 'एँच' वार्ड कं 5050(1) स्ट्रीट कं 42 खार रोड़ के अन्तगत निर्धारित किया जाता है तथा निम्न प्रकार से थिरा हुआ है :---

उत्तर में या और—प्लाट न० 752
पश्चिम में या ओर—स्वामी विभेका नन्द रोड़, जो पहले घोडबन्दर रोड़ के नाम से पहचाना जाता था। दक्षिण म या ओर—योजना का अंतिम प्लाट नं० 750। पूर्व में या और—अंतिम प्लाट न० 755 (अंश) और अंतिम प्लाट न० 756 (अंश)।

गी० न० साधु सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई ।

तारीख: 19 जनवरी, 1974

मोहरः

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 4

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमित्रत किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके सम्बन्ध में ऐसी। छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आय-सीमा में छुट दी जा सकती है । ऊपरी आय-सीमा में भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका में प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ़ीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है । अनमूचित जातियां तथा अनमूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊगरी आय-सीमा में 5 वर्ष की छुट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छुट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नही होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग याँद चाहे तो, योग्यताओं में छुट प्रदान कर सकता है । केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशोषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारम्भिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्न और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, णाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्न के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखे और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम में कम 23×10 सें जिल्ला आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-पत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उनके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रक्रजन कर आए वस्तुनः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद कमश: बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्थत: निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्न भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपन्न न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होंने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पहेगा । रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एव अनुसूचित आदिम जानियों के लिए रु॰ 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्न स्वीकार करने की अंतिम तारीख 25 फरवरी, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीयसमृह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 11 मार्च, 1974) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कम-संख्या 7, 11, 13 तथा 16 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। कम-संख्या 14 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके दीर्घकालीन आधार पर चलते रहने की संभावना है। कम-संख्या 1 से 6, 9, 10, 12 तथा 15 के पद 19—426 GI/73

अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 8 का पद अस्थायी है किन्तु उसके चलते रहने की संभावना है।

कम-संख्या 14 का एक पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। कम-संख्या 3 का पद उन आपातकालीन आयुक्त अल्पकालीन मेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं जिन्हें 1-11-1962 को या उसके वाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीणन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीणन पूर्व प्रणिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीणन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/ सैन्य सेवा के कारण हुई विकलाँगता के फलस्वरूप अपाँग हों/निर्मुक्त होने वाले हों।

- 1. एक सलाहकार (लोक स्वास्थ्य और परिवेशीय इंजी-नियरी), निर्माण और आवस मंत्रालय। वेतनः— १० २२५०-१ २५-२५०। २५-२५०। अयु-सीमा :— ५० वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्यः— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष डिप्लोमा। (iii) लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी निर्माण में किसी दायित्वपूर्ण हैसियत में लगभग २० वर्ष का अनुभव जिसमें जल-प्रदाय तथा मल संस्थापनाओं के अन्वेषण, अभिकल्पन, संरचना और परिचालन भी सम्मिलन हो।
- 2. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठाम, बंगलौर, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—1100-50-1200-100-1500। आमु :—वरीयत: 45 वर्ष से कम। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यौत्रिक/वैमानिक इंजीनियरी में कम से उम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) गैस टर्बाइन प्रौद्योगिकी में प्रयुक्त दहन के क्षत्र में अनुसंधान/अभिकल्पन और विकास का कम से कम छह वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम तीन वर्ष का अनुभव दायित्वपूर्ण निदेणक एं प्रणासक की हैसियत में हो।
- 3. एक उप निषेशक, भारतीय अर्थ सेवा का ग्रेड III, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, मंत्रिमंडल सिघवालय । वेतनः— कु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु : 25 तथा 35 वर्ष के बीच। (अर्थात् उम्मीदवार 25 वर्ष पर अवश्य पहुंच गए हो किन्तु 35 वर्ष पर न पहुंचे हों)। आयोग यदि चाहे तो सरकारी कर्मचारियों को निर्धारित आयु-सीमा में छूट दे सकता है। योग्यताएं अनिवार्य :——(i) अर्थशास्त्र या मांख्यिकी या कृषि अर्थशास्त्र या वाणिज्य में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री। (ii) मान्यताप्राप्त संस्थाओं या सरकारी विभागों या विख्यात वाणिज्यक प्रतिष्टानों में अर्थशास्त्र और/या वाणिज्य में अन्वेषण/अनुसंधान का पाँच वर्ष का अनुभव। (iii) अर्थशास्त्र और/या वाणिज्यक क्षत्र में आधुनिक प्रगतियों से परिचय का प्रमाण।
- 4. एक उपनिदेशक, गीत और नाटक प्रभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। वेतन :-- रू० 700-40-1100-50/2-1150।

- आयु-सीमा :- 45 वर्ष । सरकारी कर्मचारियो को आयु में छूट नहीं दी जाएगी । योग्यताएं : असिवार्य :- (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) मंच पर नाटकों के प्रदर्शन और/या निर्देशन का लगभग 7 वर्ष का व्याव-हारिक अनुभव । (iii) आधुनिक रंगशाला प्रविधियों और उपस्कर की जानकारी । (iv) हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान ।
- 5. एक यरिष्ठ वंज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II, धैमानिक विकास प्रतिष्ठान, धंगलौर। वेतन :— ५० 400-40-800-50-950। आयु:— वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित में कम से कम द्वितीय श्रेणी की एम० एम-सी० अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) फोर्ट्रान तथा आई० वी० एम० 360 जैसी बृहदंकीय पद्धति की समायोजक भाषा के सम्यक् ज्ञान के साथ वायुगित की उड़ान, याँविक समस्याओं को मुलझाने के लिए विकासशील अंकीय संगणक कार्यप्रणाली के विकास का दो वर्ष का अनुभव।
- 6. एक वरिष्ठ वैक्रनिक अधिकारी, प्रेड-II, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—क० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत: 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :——(i) किसी मान्यताप्राप्त विष्यविद्यालय से भौतिकी में दितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) हवाई राकेटों के अभिकल्पन और विकास, राकेट यान, उनके कार्य चालन, मूल्याँकन और नियोजन तथा इस प्रकार के भंडारों के विकास विषयक परीक्षणों के संचालन का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।
- 7. एक मास्त्यिकी अनुसंधान एवं अन्वेषण अधिकारी, कृषि मंत्रालय । (कृषि विभाग) । वेतनः २० 400-40-800-50-950 । आयु-सीमा :— 35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्राणिविज्ञान में "मास्टर" अथवा समकक्ष "आंनर्स" डिग्री । (ii) मत्स्य विकास में स्वतंत्र रूप से अनुसंधान या क्षेत्रगत कार्य करने या लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।
- 8. एक निर्माण प्रबन्धक, केन्द्रीय स्वास्थ्य परिवहन संगठन, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय । बेतन:—६० ४००-४००-४५०-३०-६००-३५-६७०-६० रो०-३५-९५० । आपु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनियार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विण्वविद्यालय से आटोमोबील/पौतिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी विख्यात आटोमोबील कर्मणाला अथवा तदनुरूपी सरकारी संगठन में पर्यविक्षकीय हैसियत से लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।
- 9. एक कनिष्ट वज्ञानिक अधिकारी, रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतम :---- १० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु :-- वरीयतः 30 वर्ष से कम : योग्यता : अनिवार्यः --- किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्याजय से यांश्विक इंचीनियरी में कम से कम द्वीतीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता ।

- 10. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, शरीरिक्रिया विज्ञान और समवर्गी विज्ञानों का रक्षा संस्थान, रक्षा मंत्रालय । वेतन :— रू० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30 830-35-900 । आयु :—वरीयतः 30 वर्ष सं कम । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से श्रवण और स्वानिकी के विशेष विषय के साथ भौतिकी में कम से कम दितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता ।
- 11. द्रेड मार्क का एक परीक्षक, द्रेड मार्क रिजस्द्री, औद्योगिक विकास मंत्रालय । बेतन :—क० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-830। आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनि वार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कानून में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) बार में लगभग 5 वर्ष की प्रैक्टिस/सोलिसिटर के रूप में 5 वर्ष की प्रैक्टिस/सोलिसिटर कार्यालय में विधि कार्य का 5 वर्ष का अनुभव/द्रैड मार्क रिजस्द्री में 10 वर्ष का सेवा-कार्य।
- 12. एक आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, स्वास्थ्य सेवा महः निवेशालय। वेतनः रू० 325-25-500-30-590-द० रो०-30-800 तथा साथ में वेतन के 25 प्रतिणत की दर से प्रैक्टिस न करने भत्ता जो कम से कम रू० 150/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा: 35 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य: (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से या भारतीय चिकित्सा मे संबद्घ किमी सौविधिक राज्य बोर्ड /परिषद्/संकाय से आयुर्वेद में डिग्री या डिप्लोमा। (ii) लगभग 5 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव जिसमें से लगभग दो वर्ष का अनुभव किसी मान्यताप्राप्त आयुर्वेदिक अस्पताल का हो।
- 13. भौतिकी का एक "मास्टर" रक्षा मंत्रालय । वेतनः— क् 325-15-475-द रो०-25-500-30-680 । आयु-सीमा : 35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) शिक्षा शास्त्र में डिग्री या मान्यताप्राप्त डिप्लोमा अथवा इंटरमीडिएट या उच्चतर कक्षाओं में निदर्शक के रूप में अध्यापन का तीन वर्ष का अनुभव ।
- 14. दो वरिष्ठ तकनीकी सहायक (पशुधन), कृषि मंत्रालय। वेतनः क् 325-15-475-४० रो०-20-575। आयु-सीमा 35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्यः (i) किसी मान्यताप्राप्त विण्वविद्यालय से पशुपालन विज्ञान या पशुपोग विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अनुसंधान/पशुधन विकास कार्यं का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।
- 15. एक अधीक्षक, परिचालन केन्द्र, आंकड़ा प्रसाधन प्रभाग, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, नागपुर । वेतनः—१० ३२५-१५-४७५-४० रो०-२०-५७५। आयु-सीमा :— ३० वर्ष । योग्यताएं: अनिवार्य :— (i) किमी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र या वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित या सांख्यिकी या अर्थशास्त्र के विषय के साथ डिग्री (कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित) तथा किसी मान्य-

ताप्राप्त संस्था में कम से कम 2 वर्ष के प्रशिक्षण के पश्चात् साँख्यिकी में सात हात (डंब्नोना अवना सन हज यायता । (ii) आंकड़ा प्रसाधन कार्य अथवा कार्ड सारणीयन पद्धति में लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

16. एक सहायक प्रोगेमर, योजना आयोग । वेतनः— रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :— 30 वर्ष । योग्यताएं : आनेवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय को डिप्री अथवा समकक्ष योग्यता जो वरीयतः सांख्यिको या गणित के विषय के साथ हो। (ii) इलैक्ट्रानिक कम्प्यूटर, वरीयतः आई० बो० एम० 1620 पर प्राग्रींमग में प्रशिक्षण।

शुद्धि-पत्र

जीव रसायन विज्ञान का एक आख्याता (गैर-चिकित्सा संबंधी), जवाहर लाल स्नातकात्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delni-110011, the 17th October, 1973

No. A/32014/1/73-Admn.HI.—In continuation of this office Nonneauon of even number dated the 17th Sept. 19/3, the President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service caure of the Union Puolic Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 46 days from 5th October, 19/3 to 19th November, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

The 12th December, 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office Nouncation of even number dated the 17th September, 1973, the President is pleased to appoint Shit S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 44 days from 18th September, 1973 to 31st October, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

The 15th December, 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dated the 27th September, 1973, the President is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers Grade of the service for a further period of 46 days from the 5th December, 1973 to the 19th January, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 51 days from the 1st November, 1973 to 21st December, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 3 months from the 5th November, 1973 to the 4th Feb., 1974.

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to revert Shri B. N. Arora, a permanent Assis-

पांडिचेरो। संवर्ष :—दिनाँक 23-6-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 25 की मद संख्या 12। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि अब उक्त पद की भर्ती रद्द कर दी गई है। जिन उम्मीदवारों ने आयोग के उपर्युक्त विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया था उन के द्वारा भुगतान किया गया शुल्क यथाविधि लांटाया जाएगा।

अशोक चन्द्र बन्द्योपाध्याय,

सचिव.

संघ लोक सेवा आयोग

tant of the C. S. S. cadre of the U.P.S.C. and officiating as Section Officer in the same cadre, to his substantive post. w.e.f. the afternoon of the 1st December 1973.

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. R. Pant, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cause of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 44 days from the 19th October, 1973 to 1st December, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn,III.—In continuation of this office Notification of even number dt. the 27th Dec., 1973, the President is pleased to appoint Shri A. K. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre, of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 67 days from 19th Oct., 1973, to the 24th Dec., 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to Officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 43 days from the 12th November, 1973 to the 24th December, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dt. the 12th December, 1973, the President is pleased to appoint Shri N. R. Mehra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 89 days from the 4th Nov., 1973 to the 31st Jan., 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Adm.III.—In continuation of this office Notification of even number dated the 12th Dec., 1973, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 37 days from 1st November, 1973 to 7th December, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 7th January, 1974

No. A-32013/5/73-Admn. I.—The following permanent Section Officers of the CSS/Selection Grade of the CSSS Cadre of the UPSC appointed to officiate in Grade I of the CSS until further orders from the dates noted against their names vide Deptt., of Personnel and Administrative Reforms (Cabinet Sectt.). Notification No. 4/40/73-CS (I) dated 20th December, 1973, have been appointed to officiate as Under Secretarics in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the same dates:—

| Name of officer | Date from which appointed in Grade 1 of the CSS |
|--|---|
| (1) Shri N. S. Jain, (Permanent Section Officer of the CSS). | 2-10-1973 (F.N.) |
| (2) Shri B, S, Jolly (Permanent Section Officer of the CSS) | 19-12-73 (F.N.) |
| (3) Shri N. B. Mathur (Selection grade of the CSSS) | 8-12-73 (F.N.) |

M. R. BHAGWAT,

Under Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the En January 1974

No. A 32016/7/73-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number, dated the 21st November, 1973, Shrimati Raj Kumari Anand, a permanent Research Investigator in the Commission's Office has been appointed to officiate as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's Office on a regular basis with effect from the 16th December, 1973, until further orders.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary
for Secretary
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd January 1974

No. 11/6(13)/73-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Natwar Lal an officer of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Burcau of Investigation, Jappur Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 20th December, 1973 until further orders.

G. L. AGARWAL Administrative Officer for Deputy Inspector General of Police Special Police Establishment

New Delhi, the 11th January 1974

No. A-11/72-AD(V).—Shri Ashok Kumar Suri, directly recruited Dy. S.P., C.B.I. under training relinquished charge of his post after completion of his training at the National Police Academy, Abu on 24-11-73 (AN) and assumed charge of the post at Delhi on 1-12-73 (FN) for lurther training of 9 months in Delhi Police.

The 9th January 1974

No. 3/4/73-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri Dibakar Acharya, an I.P.S.

officer of Uttar Pradesh Cadre, as Supdt. of Police, (Crime Prevention) in the Coordination Wing in the C.B.I., New Delhi with effect from the forenoon of the 24th December, 1973, until further orders.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (E) C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 4th January 1974

No. O.II-148/70-Ests.—While proceeding on 25 days Earned Leave w.c.f. 15-11-1973 to 9-12-1973, Lt. Col. Harish Bahl relinquished charge of the post of Commandant 44th Bn., CRP Force on the afternoon of 14th November, 1973. Consequent on expiry of his term of deputation on 9-12-1973 (AN) in this Force, his services stand replaced at the disposal of Army Authorities on the expiry of his leave.

The 7th January 1974

No. O.II-932/73-Ests.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Doctor Sisir Kumar Ghosh, as Junior Medical Officer in the CRP Force on an ad hoc basis initially for a period of one year w.c.f. the date of taking over.

2. Dr. Sisir Kumar Ghosh is posted to 9th Bn. CRP Force and he took over charge of his post on the forenoon of 6-12-1973.

No. F.3/1/73-Ests(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on ad hoc basis Shri R. Narsimhan, Assistant Commandant as Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of Assistant Commandant, Staff Officer to the IGP, S/III, on the afternoon of 30-11-1973 and took over charge of the post of Commandant 44th Bn., CRPF on ad hoc basis on the afternoon of 1-12-1973.

No. A.VI-16/73-Ests.—The Director General is pleased to appoint Shri G. L. Sharma Office Supdt. to officiate as Section Officer in the Directorate General, CRP Force w.e.f. 17-11-1973 to 13-1-1974. He has taken over as Section Officer in the Directorate General, CRP Force, New Delhi w.c.f. 17-11-1973 (FN).

The 9th January 1974

No. O.II-64/73-Ests.—The President is pleased to appoint on deputation on ad hoc basis Shri K. H. Karamchandani, an officer of the UP State Police as Assistant Director (Legal) in the CRP Force.

2. On his appointment on deputation Shri K. H. Karamchandani took over charge of the post of Assistant Director (Legal), Directorate General, CRP Force on the forenoon of 20th December, 1973.

S. N. MATHUR Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL. INDIA

New Delhi-11, the 11th January 1974

No. 6/6/72-RG(Ad.I).—The President is pleased to replace the services of Shri C. C. Doctor, I.A.S. Director of Census Operations, Gujarat at the disposal of the Government of Gujarat with effect from the forenoon of the 20th August, 1973.

2. The President is also pleased to decide that in addition to his normal duties under the Government of Gujarat, Shri C. C. Doctor will function as Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Gujarat, in an ex-officio capacity with effect from the above date, upto the 15th January, 1974.

R. B. CHARI Registrar General, India

DEPARTMENT OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-1, the 11th January 1974

No. Estt.I/1(7)73/274.—Shri S. N. Srivastava, a Grade IV officer of the Indian Statistical Service of the Department of Labour and Employment Expert Committee on Unemployment, Vigyan Bhavan Annexe, New Delhi, has been appointed on 10th October, 1973 (fore-noon) to officiate on ad hoc basis as Dy. Director General (I.S.S. Grade III) in the scale of Rs. 700-40-1100-50/2-1250 vice Shri R. N. Ghosh retired.

2. The above appointment of Shri S. N. Srivastava has been made on a purely ad hoc basis and will not confer on the officer any right to continue therein indefinitely or to claim seniority on the basis of the above ad hoc appointment.

V. BHANU KOTI Director General

MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 9th January 1974

No. E-16014(3)/20/73-Ad.I.—On repatriation to Tamil Nadu State Police, Shri P. J. Manual telinquished the charge of the post of Assistant Commandant (Jr. Administrative Officer) Central Industrial Security Force, Southern Zone, Madras in the afternoon of 22nd December 1973.

L. S. BISHT Inspector General

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi-1, the 8th January 1974

No. Admn.1/5-5/Promotion/70-74/2571.—The Accountant General, Central Revenues, has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each, until further orders.

Name and Date of Promotion as Accounts Officer:
S/Shri

- I. A. D. Gupta—1-1-1974 (F.N.),
- 2. Om Sarup—1-1-1974 (F.N.).
- 3. D. P. Devgon—1-1-1974 (F.N.).

H. S. DUGGAL Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500004, the 9th January 1974

No. EB.I.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I has been pleased to promote Sri A. Bhaskara Rao, a permanent Section Officer in the office of the

Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 590-30-830-35-900 (likely to be revised) with effect from 15-12-1973 (F.N.) until further orders. The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEPTT. OF SUPPLY OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi-11, the 1st January 1974

No. A-32014/72-73/Admn(CDN)/5730-34.—The Chief Pay & Accounts Officer, Deptt. of Supply, Min. of Food and Agriculture and Rehabilitation, New Delhi has appointed Shri Om Prakash Gupta, Section Officer (Pay & Accounts) presently on foreign service to Food craft Institute, Chandigarh, to officiate as Pay and Accounts Officer on proforma basis w.c.f. 4-12-1973 (F.N.).

His promotion is without prejudice to the rights and claims his seniors in the panel.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/5726-29.—The Chief Pay & Accounts Officer, Deptt. of Supply, Ministry of Food and Agriculture and Rehabilitation, New Delhi has appointed Shri Keshwa Nand, Section Officer (Pay & A/cs.) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Food & Agriculture, New Delhi w.e.f. 4-12-1973 (F.N.) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the punel.

ARUNA MAKHAN Dy. Chief Pay & Accounts Officer

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi the 29th December 1973

No. 40011(2)/73-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

| SI, Name v No. | with Roster No. | Grade |
|---------------------------------------|---|--|
| 1 Shri A. | N. Bhambual (P/41) . | Permanent Accounts Officer |
| 2 Shri N. | G, Limaye (P/197) | Permanent Accounts Officer |
| Date of attaining the age of 58 years | Date from which transferred to pension establishment. | Organisation |
| 3-1-1974 | 1-2-1974 (F.N.) | Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun. |
| 3-3-1974 | 1-4-1974 (F.N.) | Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona. |

The 3rd January 1974

No. 68018(2)/71-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri S. Swaminathan, an Officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation to Hindustan Insecticides Ltd., New Delhi as FA & CAO) to officiate in the Senior Administrative Grade (Rs. 1800-100-2000-125-2250) of that sevice with effect from 7-12-1973 (Forenoon) until further orders, under the "Next Below Rule".

C. V. NAGENDRA Dy. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 12th December 1973

No. 60/G/73.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offig. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders:—

- Shri S, K. Bandopadhyay. Pt. DADG--1st December 1973.
- Shri K. J. Pappachen, Pt. DADG—1st December 1973.

M. P. R. PILLAI Asstt. Director General, Ordnance Factories

No. .—The undermentioned officer retired from service w.e.f. the date shown against his name:—

OOC (Adm), Shri G. K. GAMVADE, Temporary, AMMUNITION DEPOT, DEHU SIDING, Retired from service w.c.f. 15 Dec 1973 (FN).

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION (DEPARTMENT OF LABOUR & EMPLOYMENT) DIRECTORATE GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad, the 11th January 1974

No. 4(3)72-Adm.1/725.—Shri A, M. Ghosh, officiating Assistant Administrative Officer, Directorate-General of Mines Safety is hereby confirmed in the post of Assistant Administrative Officer with effect from the 1st January 1974.

H. B. GHOSE Director-General of Mines Safety

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCAST-

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 24th December 1973

No. A-12026/5/73-Est.—Principal Information Officer hereby appoints Shri D. G. Nanotkar, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service in the cadre of DGP&T, as Administrative Officer in the Press Information Bureau's Office at Bombay on deputation basis

for a period of two years with effect from the forenoon of December 4, 1973.

RAGHBIR CHAND

Assistant Principal Information Officer for Principal Information Officer

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 7th January 1974

No. 2/4/68-Est.I.—The Controller-cum-Chief Producer, Films Division, has appointed Shri M. I. Sethi, Permanent Unit Manager in the Films Division, Bombay, to officiate as Production Manager in the same Office with effect from the forenoon of the 3rd December, 1973 vice Shri S. P. Chandra Mohan granted leave.

M. K. JAIN
Asstt. Administrative Officer
for Controller-cum-Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th January 1974

No. 5(84)/61-SI.—Shri K. S. Gogte, Programme Executive, All India Radio, Poona, who resinquished charge of his post on the afternoon of the 14th November, 1973 on attaining the age of superannuation shall be deemed to have retired from service with effect from the afternoon of the 30th November, 1973 in terms of the provisions of the Department of Personnel and Administrative Reforms' Office Memorandum No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New-Delhi-1, the 8th January 1974

No. 1/5/69-SII.—Shri H. C. Das, Administrative Officer, News Services Division, All India Radio, New Delhi retired from service with effect from the afternoon of 31st December, 1973,

The 9th January 1974

No. 2/24/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. K. Dasgupta, Accountant, All India Radio, Shillong to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Gauhati with effect from 24-12-1973 (A.N.).

The 11th January 1974

No. 2/1/62-SII-II.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. K. Dutta Gupta, Head Clerk, High Power Transmitter, All India Radio, Khampur, Delhi to officiate as Administrative Officer. All India Radio, Kohima with effect from 14-12-1973 (F.N.).

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-1, the 8th January 1973

No. A-12023/4/72-C.W.I.—The Director General, All India Ramo ne.coy appoints Sh. Frankin Changra, an Assistant Architect of the C.P.W.D. as Assistant Architect in the grade of Rs. 350-900 in the Civil Construction Wing of All India Radio with effect from 17-12-73

(F.N.) on deputation for a period of one year in the first instance.

CORRIGENDUM

No. A-35017/1/73-CW.I.—Reference this Directorate Notification of even number dated 26-12-1973.

For 'Shri Mukherjee', appearing in line 3 of Endorsement (1) to A.G.C.R., New Delhi.

Read 'Shri Agarwal'.

P. A. SOLOMON Engineer Officer to CE (Civil) for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th January 1974

No. 15-8/72-Admn.I.—The Director General of Health Services hereby confirms Dr. R. G. Sharma in the post of Psychologist, Hospital for Mental Diseases. Ranchi, with effect from the forenoon of the 19th November, 1971.

No. 11-16/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Karthak, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S with effect from the forenoon of the 1st September, 1973 to the afternoon of the 30th November, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri S. K. Karthak as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

No. 10-7/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Arun Kumar Guha, as Junior Analyst (Microbiology) in the Central Food Laboratory, Calcutta, in the scale of pay Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-680, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3rd December, 1973 and until further orders.

S. P. JINDAL Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 8th January 1974

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL (Establishment)

No. 6/1008/73-Admn(G)/37.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Rekhi, I.R.S., as Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the afternoon of the 19th December, 1973, until further orders.

S. G. BOSE MULLICK Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 3rd January 1974

No. F. 2(6)/71-Estt.(I).—Shri C. B. Pillai will continue to officiate as Special Officer (Projects), Class II

(Gazetted) (non-Ministerial) in the scale of Rs. 590-30-830-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on ad hoc basis beyond 31st August, 1973 upto 31st December, 1973 or till the post is filled on a regular basis, in accordance with the Recruitment Rules, whichever is earlier.

N. K. DUTTA Director of Administration

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

(Br. Head Office)

Nagpur, the 28th November 1973

No. F. 2/8/72-Lev. II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Commerce, Notification No. S.O. 3099 dated 3-11-1973 published in the Gazette of India, I hereby authorise the following officers to issue Certificate to the effect that cuminseed has been graded in accordance with the provisions of Cuminseed Grading and Marking Rules, 1969 as amended and issued under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) with immediate effect and until further orders:—

| Name | Designation | |
|-----------------------------|------------------------------|--|
| S/Shri | | |
| 1. T.K. Viswanathan . | Senior Marketing Officer | |
| 2. G.D. Bhogale | Dy. Senior Marketing Officer | |
| 3. M.G. Toshniwal | Marketing Officer | |
| 4. Prayag Singh | Marketing Officer | |
| 5. R. A. Khanorkar | Asstt. Marketing Officer | |
| 6. B. K. Sudame | Asstt. Marketing Officer | |
| 7. A. S. Wasnik | Senior Inspector | |
| 8. John George | Senior Inspector | |
| 9, L, K. Shukla | Senior Marketing Officer | |
| 10. K. B. Melanta | Dy. Senior Marketing Officer | |
| 11. S. K. Sabharwal | Asstt. Marketing Officer | |
| 12. M. Chakraborty | Asstt. Marketing Officer | |
| 13. S. P. Singh | Asstt. Marketing Officer | |
| 14. H. D. Srivastva | Asstt. Marketing Officer | |
| 15. K. N. Rai | Asstt. Marketing Officer | |
| 16. A. K. Guha | Asstt. Marketing Officer | |
| 17. V. Chandramouly | Senior Marketing Officer | |
| 18. Rajesh Azad. | Marketing Officer | |
| 19. K. Subramaniam | Asstt. Marketing Officer | |
| 20. R. Kanan | Marketing Officer | |
| 21. A. S. Misra | | |
| 22. R. A. Sabharwal | • | |
| 23. G. K. Pawar | Marketing Officer | |
| 24. M. K. P. Menon | Asstt. Marketing Officer | |
| 25. M. P. George | Asstt, Marketing Officer | |
| 26. C. N. Ananadakrishnan . | Senior Inspector | |
| 27. V. Balaramamurthy . | Asstt. Marketing Officer | |
| 28. A. Thomas Oammen . | Senior Inspector | |
| 29. T. M. Karunakaran . | Asstt. Marketing Officer | |
| 30. P. Gopinath Kartha . | Senior Inspector | |
| 31. R. Vasudev Kurup . | Asstt. Marketing Officer | |
| D=1 = 1 / - 1 = 1 = 1 | Senior Inspector | |
| 33. Phillip Ittyerah | - | |
| 34. B. S. Bhardwaj | Asstt. Marketing Officer | |
| 35. K. K. Vijayan | Senior Inspector. | |

(Head Office)

N.H. IV, Faridabad, the 9th January 1974

No. F. 3/121/71-AF.I.—Shri N. R. Mukhopadhyay, Marketing Officer, is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer (Group-II), under the Scheme for Compulsory Quality Control of Meat Food Products, Calcutta, with effect from 29-11-73 (F.N.) and until further orders.

No. F. 3/149/66-AF.I.—Shri S. K. Hajela, Marketing Officer, is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer (Group-II), under the Scheme for Compulsory Quality Control of Meat Food Products, Bombay, with effect from 7-12-1973 (F.N.) and until further orders.

The 10th January 1974

No. F. 3/185/73-AF.I.—Consequent on his promotion Shri Laxmi Narain, Assistant Marketing Officer, Bombay, is appointed to officiate as Marketing Officer, Vegetable Oils Grading Scheme under the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from the forenoon of 15-12-1973, until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 27th November 1973

No. 18(25)/73-Adm.—Shri N. Swaminathan Iyer, a temporary Scientific Assistant 'C' in Bhabha Atomic Research Centre and officiating in the same capacity in the Madras Atomic Power Project is appointed as Scientific Officer/Engineer SB in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1973 with headquarters at Kalpakkam, until further orders.

K. BALAKRISHNAN Administrative Officer for Deputy Director

Kalpakkam-603102, the 28th December 1973

No. MAPP/3(66)/66-Adm.—Consequent on his repatriation to the Defence Audit Department Shri N. Sankarasubramani, Accounts Officer in Madras Atomic Power Project, Department of Automic Energy on deputation from the Defence Audit Department relinquished charge of his post on the afternoon of November 28. 1973.

K. BALAKRISHNAN Administrative Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION Bombay-5, the 7th December 1973

No. PPED/4(500)/73-Adm./14918.—Consequent upon his repatriation. Shri S. B. Patwardhan, SRAS Accountant of the Office of the Chief Auditor, Central Railway, Bombay and officiating Assistant Accounts Officer, Power Projects Engineering Division, Bombay relinquished charge of the post of Assistant Accounts Officer in this Division on November 30, 1973 (AN).

M. S. RAO Administrative Officer

Bombay-5, the 12th December 1973

No. PPED/3(36)/73-Adm. 15517.—Director, Power Project Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. S. Ghevarghesee, a temporary Assistant Security

Officer in this Division as Security Officer in the same Division in a temporary capacity from 1-10-1973 to 17-11-1973 vice Shri M. M. Mathew, Security Officer proceeded on leave.

M. S. RAO Administrative Officer for Director

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 18th December 1973

No. NFC/Adm/22/13(2)/2098.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer in an officiating capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from 12-11-1973 to 28-2-1974 or until further orders whichever is earlier.

K. V. SETHUMADHAVAN Senior Administrative Officer

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 30th December 1973

No. PA/81(88)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Gunvantray Vishnuprasad Bhatt, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating canacity with effect from the forenoon of August 1, 1973, until further orders.

The 1st January, 1974

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the following persons to officiate as Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, with offect from the dates shown against them, until further orders:—

| SI, No. | Namo | Post held before present appointment | Date of cifect |
|-----------------------|--|---|----------------------|
| | Udhay Shankar narkar | Permanent Lower Division Clork and officiating Assistant in BARC. | 1-11-1973 (F.N.) |
| | Koovelimadhom daram <i>Krishnan</i> | Permanent Steno- grapher (Sr.) in BARC and officiating Assistant in DAE. | I-11-1973 (F.N.) |
| 3. Shri <i>Cha</i> | Surpali Pavamana ar | Permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant in BARC. | 12-11-1973 (F.N.) |
| | Arunkumar tairay <i>Mokashi</i> | Do. | 15-11-1973 (F.N.) |
| | Ammembal Iyuth <i>Naik</i> | Do. | 19-12-1973 (F.N.) |
| 6. Shri <i>Kar</i> | Moroshwar Gopal mik | Do | 19-12-1973 (F.N.) |

No. PA/79(1)/72-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. 5/1/73/Estt.V/571 dated October 25, 1973, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Bhalchandra Govindrao Kulkarni, a permanent Upper Division Clerk and an officiating Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same

Research Centre, with effect from the forenoon of December 2, 1973, until further orders,

P. UNNIKRISHNAN Dy. Establishment Officer (R)

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 7th January 1974

No. E1-4788/594-MANAGER.—Shri Arabinda Ray is appointed to officiate as Assistant Manager, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post on a pay of Rs. 350.00 per month in the revised scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800 with effect from the forenoon of 10th December, 1973, until further orders.

HARI NARAIN Surveyor General of India

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY (OFFICE OF THE DIRECTOR BOTANICAL SUR-VFY OF INDIA)

Calcutta-13, the 4th January 1974

No. BSI-66/81/73-Estt.—Shri Ram Das Dixit is appointed to officiate as Botanist (Class II) in the Central Office, Botanical Survey of India, Calcutta in the pay scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800, on the recommendation of the Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of the 1st December, 1973, until further orders.

R. P. PATIL Director-in-Charge

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 8th January 1974

No. 7-9/73-Estt.1.—Consequent upon their appointment to the post of Deputy Manager (Distt.) Delhi Milk Scheme with effect from 17-12-1973 (FN) Km. R. Chatterjee and Shri O. P. Girotra, relinquished charge of the office of Milk Distribution Officers from the same date.

D. B. AILAWADI Personnel Officer for Chairman

MINISTRY OF STEEL & MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA (DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-13, the 21st December 1973

No. 2685/B/51/62/19A.—Shri Puran Singh, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 475-25-500-30-590-EB-30-800/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6-7-1973 until further orders.

The 29th December 1973

No. 2787B/2222(PC)/19A.—Shri Parswanath Chakraverty, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27-11-1973, until further orders.

M. K. ROY CHOWDHURY Director General

New Delhi, the 7th January 1974

No. A-19011/15/73-M.III.—Shri J. Parthasarathy, Senior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of his post with effect from the afternoon of 12th October, 1973 on his deputation to Sri Lanka under J.T.E.C. Programme,

K. SUBRAHMANYAN Under Secretary

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 10th January 1974

No. A-19018(104)/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri S. N. Sengupta, Small Industries Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Calcutta to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Branch Institute Shillong under Small Industries Service Institute, Gauhati on ad hoc basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 17-9-1973.

K. V. NARAYANAN Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DIS-POSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 27th December 1973

No. A-1/1(954).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. N. Dutta, Head Clerk in the office of the Director of Inspection (Met.), Burnpur to officiate as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the same office at Burnpur with effect from the afternoon of 23rd November, 1973 and until further orders.

The 9th January 1974

No. A-1/1(942).—Shri B. B Bose relinquished charge of the post of Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection (Met.) Burnpur with effect from the forenoon of 13th August, 1973 on his reversion to the post of Head Clerk in the same office at Burnpur.

T. V. ANANTANARAYANAN
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

DEPARTMENT OF SUPPLY

(Admn. Branch A-6)

New Delhi, the 3rd January 1974

No. A-6/247(31)/57.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Banerice, Technical Officer (Grade III) in India Supply Mission LONDON on recall to India to officiate as Inspecting Officer, Grade III of the Indian Inspection Service, Class I Engineering Branch with effect from the forenoon of 6th November, 1973 and until further orders.

Shri Banerjee was relieved of his post in India Supply Mission London in the forenoon of the 1st October, 1973 and after availing of joining time for 6 days from 1-10-1973 to 6-10-1973 and earned leave for 30 days from 7-10-1973 to 5-11-1973 assumed charge of the

post of Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle in the forenoon of the 6th November, 1973.

S. K. JOSHI Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th January 1974

No. E(I)05005.—On attaining the age of superannuation Shri M, K. Krishnan, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay retired from Government service with effect from the forenoon of 12-2-1973.

No. E(1)05918.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. G. Bhattacharya, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fourtveight days with effect from the forenoon of 13-12-1973 to 29-1-1974.

Shri Bhattacharya, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Instruments, Poona.

No. E(1)04214.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. C. Chacko, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fiftyone days with effect from the forenoon of 10-12-1973 to 29-1-1974.

Shri M. C. Chacko, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

NOOTAN DAS Meteorologist for Director General of Observatories

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400001, the

January 1974

Admission to the T.S. "Rajendrd", Bombay and the Directorate of Marine Engineering Training Calcutta/Bombay, for the academic year 1974

A combined written examination will be held on 23rd and 24th May, 1974, for admission to the Navigation and Marine Engineering Courses in the above mentioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centre:

EXAMINATION CENTRES

- (1) Ahmedabad
- (2) Bangalore
- (3) Bhopal
- (4) Bombay
- (5) Calcutta
- (6) Chandigarh
- (7) Cuttack
- (8) Delhi
- (9) Ernakulanı
- (10) Gauhati
- (11) Hyderabad
- (12) Jaipur

- (13) Lucknow
- (14) Madras
- (15) Nagpur
- (16) Patna
- (17) Port Blair
- (18) Srinagar
- (19) Trivandrum, and
- (20) Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (1) English (One 3 hours—100 marks, (ii) Mathematics Paper) 3 hours-100 marks, (iii) Physics (One Paper) 3 hours—100 marks. (iv) Chemistry (One Paper) 13 hours—50 marks, (v) General Knowledge (One Paper) 11 hours—50 marks. On the basis of the result Entrance Examination, candidates will medical and called examination for an interview before the Selection Board at Calcutta/ Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and interview.

Fifteen per cent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Caste and five per cent for Scheduled Tribes provided suitable candidates are available.

AGE LIMIT

Candidates must be within the age limit of 16 to 18 years on the 1st of January, 1974, i.e. born between the 2nd January 1956 and 1st January 1958. Candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes must be within the age limit of 16 to 19 years on the 1st of January 1974 i.e. born between the 2nd January 1955 and 1st January 1958. Age limits will in no case be relaxed.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

Candidates must have passed the Higher Secondary Examination/Pre-University Examination or its equivalent of a recognised Board of Secondary Education or a University in the Science stream with Physics, Chemistry and Mathematics as elective subjects. The candidates who have appeared or intend to appear at the above mentioned qualifying examination are also eligible to apply for admission subject to their producing documentary proof of having passed the examination not later than 10th July, 1974.

APPLICATION

Application forms and other instructions are available free of cost from the Assistant Director General of Shioping (Training) on submitting an application in writing, enclosing a self-addressed envelope 23 cms, by 10 cms, with 20 paise postal stamp and words "Book Post" superscribed on it. Complete postal address in canital letters should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the application for supply of application form should bear the words 'Request for Raiendra/D.M.F.T. Application form' on the top left hand corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and details of fees, scholarships, etc., is obtainable from Asstt Director General of Shipping (Training) on payment of Rs. 2/- by crossed postal order payable to the Director General of Shipping, Bombay-1. Senarate annication should be made for supply of prospectus with complete postal address in capital letters. Cover containing the application for supply of prospectus

should bear the words 'Request for Prospectus' on the top left hand corner.

CLOSING DATES

Applications in the prescribed form completed in all respects from unmarried male candidates should reach the Assistant Director General of Shipping (Training) on or before the 31st March, 1974. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application forms by post will be closed on 23rd March 1974.

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION (WATER WING)

New Delhi-22, the 29th December 1973

No. A-31014/1/71-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints the following officers in the posts of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona in substantive capacity with effect from the dates shown against each:—

- S. No., Name of officer and Date:
 - 1. Shri P. B. Joshi-22-10-1971.
 - 2. Shri M. Mahan Kali-22-10-1971.
 - 3. Shri S. L. Tarwadi-22-10-1971.
 - 4. Shri V. K. Kulkarni-22-10-1971.
 - 5. Shri K. G. Moorjani-22-10-1971.
 - 6. Shri K. Hanumantha Rao-9-12-1971.
 - 7. Shri S. B. Brahme-9-12-1971.
- 8. Shri K. K. Patil-7-8-1972.
- 9. Shri W. N. Damle-7-8-1972.

The 11th January 1974

No. 19012/447/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water & Power Commission hereby appoints Shri B. K. Mazumdar, Supervisor to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water & Power Commission on a purely temporary and ad hoc basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on an ad hoc basis with effect from 2-11-1973 (FN) until further orders.

Shri Mazumdar took over charge of the Office of Assistant Engineer, C.C.C. Control Room, Central Water & Power Commission, Goalpara with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON Under, Socretary Central Water and Power Commission

SOUTH EASTERN RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 4th January 1974

No. P/G/14F/2(Conf.).—Shri B. B. Kar, a Probationary Officer of IRSME (Class I/Jr. Scale) of this Railway is confirmed in Class I (Jr. Scale) on this Railway w.e.f. the 26th April, 1973.

The 7th January 1974

No. P/G/14/300B(Pt.II).—Shri S. R. K. RAO, an officiating Class II Officer of Civil Engineering Department of this Railway is confirmed in Class II Service of

that Department on this Railway with effect from 28th May 1970.

G. S. A. SALDANHA General Manager

Notices under section 269D dated 16-10-1973 issued under this office F. No. 43(Acq)(D.Dun)/73-74 in the case of Santosh Thapar w/o Sri Radha Mohan Thapar, R/O Phalahi Bazar, Ludhiana (Transferor) and S. Rajender Singh Rajan S/O Jaswant Singh, 73, Gandhi ROAD, Dehradun, (Transferoe).

CORRIGENDUM

Kanpur, the 11th December 1973

No. 43(ACQ)/D.Dun/73-74/2090.—Whereas the date of registration mentioned in the above notices is 1-10-1973, which is incorrect as the correct date of registration is 3-10-1973.

Therefore, the date of registration mentioned in the notices referred to above is *substituted* of 3-10-1973 in place of 1-10-1973.

Y. KHOKHAR Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX, KERALA

Cochin-16, the 12th November 1973

Order under Section 124(2) of the I.T. Act, 1961

No. 12/73-74.—In partial modification of this office order No. 2/73-74 dated 12-7-1973, all the 3 Incometax Officers in Income-tax Circle, Palghat shall perform all the functions of an Income-tax Officer with effect from 20-11-1973.

S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Income-tax, Kerala, Cochin-16.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF WEALTH-TAX, KERALA

Order under Section 8 of the Wealth-tax Act, 1957

No. 13/73-74.—In partial modification of this office order No. 3/73-74 dated 12-7-1973 all the 3 Wealth-tax Officers in Income-tax Circle, Palghat shall perform all the functions of a Wealth-tax Officer with effect from 20-11-1973.

S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Wealth-tax, Kerala, Cochin-16.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF GIFT-TAX, KERALA

Order under section 7 of the Gift-tax Act, 1958

No. 14/73-74.—In partial modification of this office order No. 4/73-74 dated 12-7-1973 all the 3 Gift-tax officers in Income-tax Circle, Palghat shall perform all the functions of a Gift-tax Officer with effect from 20-11-1973.

S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Gift-tax, Kerala, Cochin-16.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX, KERALA

(INCOME-TAX)

Cochin-16, the 21st November 1973

No. 15/73-74.—In exercise of the powers conferred on me under sub-sections (1) & (2) of Section 124 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Income-tax, Kerala, hereby direct that with effect from 22-11-1973, the following additional entries will me made in Column No. 3 against items Nos.6 & 12 in the Schedule appended to this office Notification of even number dated 12-7-1973:—

- I. Against item No. 6 in between (iii) & (iv) add (iii-a)—Income-tax Officer, Class I (Probationer).
- II. Against item No. 12 in between (iv) & v add (iv-a)—Income-tax Officer, Class I (Probationer).

Order Under Section 124(2) of the Income-tax Act, 1961

No. 16/73-74.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section 2 of Section 124 of the I.T. Act, 1961, (43 of 1961), I, the Commissioner of Incometax, Kerala, hereby direct that with effect from 22-11-1973 the following additional entries will be made in Columns Nos. 1 & 2 in the Schedule to this office order of even number dated 12-7-1973 (Order No. 2/73-74) under the items Income-tax Circle, Ernakulam and Income-tax Circle, Trivandrum:—

 In column No. 1, after Income-tax Officer, C-Ward, Erankulam, add Income-tax Officer, Class-1, (Probationer).

In column No. 2, against Income-tax Officer, Class I (Probationer), add 'functions mentioned in Column No. 2 above".

 In column No. I, after Income-tax Officer (Colln), Trivandrum, add Income-tax Officer, Class 1 (Probationer), add "functions mentioned in Column No. 2 above."

Cochin-16, the 23rd November 1973

Order Under Section 124(2) of the Income-tax Act, 1961

No. 19/73-74.—In partial modification of this Office order of even number dated 12-7-1973 (order No. 2/73-74), the Income-tax Officer, D-Ward Trichur will perform the functions mentioned in Columns 2 and 3 of the Schedule in the above order with effect from 26-11-1973.

S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Income-tax, Kerala,

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF WEALTH-TAX

Cochin-16, the 21st November 1973

Order Under Section 8A of the Wealth-tax Act, 1957

No. 17/73-74.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8A of the Wealth-tax Act, 1957, I, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala, hereby direct that with effect from 22-11-1973, the following additional entries will be made in Column Nos. 1 & 2 in the Schedule to this office order of even number dated 12-7-1973 (Order No. 3/73-74) under the items Income-tax Circle, Ernakulam and Income-tax Circle, Trivandrum:—

- I. I. T. Circle, Ernakulain In Column No. 1, below Income-tax Officer (Colln.), add Income-tax Officer, Class I (Probationer).
 - In Column No. 2, against Income-tax Officer, Class 1 (Probationer) add 'functions mentioned in Column No. 2 above'.
- 11. I. T. Circle, Trivandrum:—In Column No. 1, below Income-tax Officer (Colln.), add Income-tax Officer, Class I (Probationer).

In Column No. 2, against Income-tax Officer, Class I (Probationer), add 'functions mentioned in Column No. 2 above.'

Cochin-16, the 23rd November 1973

Order Under Section 8 of the Wealth-tax Act, 1957

No. 20/73-74.—In partial modification of this office order of even number dated 12-7-1973 (order No. 3/73-74), the Income-tax Officer, D-Ward, Trichur will perform the functions mentioned in columns 2 & 3 of the Schedule in the above order with effect from 26th November, 1973.

S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Wealth-tax, Kerala,

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF GIFT TAX Cochin-16, the 21st November 1973

Order Under Section 7A of the Gift-tax Act, 1958

No. 18/73-74.—In exercise of the powers conferred on me under Sec. 7A of the Gift-tax Act, 1958, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerlala, hereby direct that with effect from 22-11-1973, the following additional entries will be made in Column Nos. 1 & 2 in the Schedule to this office order of even number dated 12-7-1973 (Order No. 4/73-74) under the items Income-tax Circle, Ernakulam and Income-tax Circle, Trivandrum:—

- 1. 1. T.Circle, Ernakulam.—In Column No. 1, below Income-tax Officer, C-ward, add Income-tax Officer, Class I (Probationer.)
 - In Column No. 2, against Income-tax Officer, Class I (Probationer) add 'functions mentioned in Column No. 2 above'.
- I. I. T. Circle, Trivandrum:—In Column No. 1, below Income-tax Officer (Colln.), add Income-tax Officer, Class I (Probationer.)
 - In Column No. 2, against Income-tax Officer, Class I (Probationer), and 'functions mentioned in Column No. 2 above'.

Order Under Section 7 of the Gift-tax Act, 1958 Cochin-16, the 23rd November 1973

No. 21/73-74.—In partial modification of this office order of even number dated 12-7-1973 (Order No. 4/73-74), the Income-tax Officer, D-Ward, Trichur will perform the functions mentioned in Columns 2 & 3 of the Schedule in the above order with effect from 26th November, 1973.

S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Gift-tax, Kerala

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 2nd January 1973

No. II(7)1-ET/70/365.—In pursuance of this office Establishment Order No. 278/73 dated 15th November,

1973 appointing Shri S. M. Sirear, Inspector (SG) of Central Excise to officiate provisionally as Superintendent of Central Excise, Class-II in the time scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 plus usual allowances as admissible under rules, Sri Sirear assumed charge as Superintendent (Technical) Central Excise Integrated Division, Purnea in the afternoon of 30-11-1973.

C. No. II(7)1-ET/70/366.—Shri J. P. Chatterjee, confirmed Superintendent of Central Excise, Class-II, of Central Excise Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 30-11-1973 (Afternoon).

H. N. SAHU Collector of Central Excise

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

(CENTRAL FXCISE WING)

Cochin-3, the 9th January 1973

C. No. 11/3/13/73 Estt.I.—Shri V. Janardhanan, Office Superintendent, Headquarters Office, Cochin-3 has been appointed to officiate as Administrative Officer (Headquarters) of the Central Excise Wing of this Collectorate with effect from the afternoon of 3-10-1973.

C. No. II/3/19/73 Estt. I.—The following Inspectors of Central Excise (Senior Grade) of this Collectorate have been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Class II with effect from the dates noted against each:—

| SI. Name of the Officer No. | Formation to which posted on promotion | |
|---------------------------------|--|-------------------|
| 1. Shri M. V. Gangadharan | Punalur MOR | 4-9-1973 F.N. |
| 2. Shri G. Ramakrishna Kurup | C.R.L. Ernakulam | 3-9-1973 F.N. |
| 3. Shri W. E. Eipe . | Chundale MOR | 3-9-1973 F.N. |
| 4. Shri M. Kumaran . | Vandiperiar MOR | 4-9-1973 F.N. |
| 5. Shri K. M. Bhaskaran . | Cannanore MOR | 26-9-1973 F.N. |
| 6. Shri K. Vasudevan . | Muvattupuzha MOR | 3-9-1973 F.N. |
| 7. Shri C. Sivarama Menon | Kanhangad MOR | 3-9-1973 F.N. |
| 8. Shri Jacob Cherian . | Custom House, Alleppey | 4-9-1973 F.N |
| 9. Shri Arakhal Mohammod | l Alwaye MOR | 3-9-1973 F.N. |

S. VENKATARAMA LYER, Collector.

Bombay-20, the 14th January 1974

F. No. II/3E(a)3/73.—The following Selection Grade Inspectors have on promotion assumed charge as Officiate Superintendents of Central Excise Class II in the Bombay Central Excise

Collectorate with effect from the dates shown against their names:

| Sz. No. Nar | ne | | Date of assumption of charge |
|----------------------|--------|------|----------------------------------|
| 1. Shri V. P. Bhide | | | 4-10-1973 (F.N.) |
| 2. Shri K. B. Ailan | ıi , | | 5-10-1973 (F.N.) |
| 3. Shri R. N. Adya | ini . | | 3-10-1973 (A.N.) |
| 4. Shri A. V. Kade | kar , | | 9-10-1973 (F.N.) |
| 5. Shri A. R. Khal | pay . | | 3-10-1973 (F.N.) |
| 6. Shri R. D. Narv | ckar . | | 9-J1-1973 (A.N.) |
| 7. Shri C. D. Thak | re . | | 4-10-1973 (F.N.) |
| 8. Shri J. S. Lele | | | 4-10-1973 (F.N.) |
| 9, Shri M. K. Law | ate . | | 9-10-1973 (F.N.) |
| 10. Shri N. K. Patto | kar . | | 13-11-1973 (F.N.) |
| | | | |

M. S. MEHTA, Collector of Central Excise, Bombay.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, CHANDI-GARH

(ESTABLISHMENT)

Chandigarh, the 9th January 1974

No. 249.—On attaining the age of 58 years, Sh. B. S. Ahuja, a substantive Superintendent of Central Excise, Cl. 11, Ludhiana retired from Covt. service in the afternoon of 8th November, 1973.

No. 250.—Sh. Bhim Sain, Office Superintendent of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed, provisionally, to officiate as Administrative Officer, Central Excise in the pay scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900. He took over the charge of the post of Administrative Officer, Central Excise Division, Srinagar in the forenoon of 15th November, 1973.

No. 36.—Sh. K. S. Lamba, Dy. Superintendent of Central Excise Collectorate, Delhi is promoted provisionally to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II in the pay scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900.

Sh. K. S. Lamba assumed the charge of the post of Superintendent of Central Excise, Cl. II, Rohtak in the torenoon of 1-12-1973.

No. 37.—Sh. K. L. Malhotra, Office Superintendent of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed provisionally to officiate as Asstt. Chief Accounts Officer, Central Excise, Chandigarh in the pay scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900.

Sh. K. L. Malhotra assumed and took over the charge of the post of Assit. Chief Accounts Officer, Central Excise Collectorate, Chandigarh in the forenoon of 10-12-73, relieving Sh. K. P. Chokravortty of the addl. charge.

B. K. SETH Collector

Kanpur, the 4th December 1973

No. 99/73.—Sri M. P. Agarwal, Assistant Collector, Central Excise Kanpur-1 division relinquished charge of his office in the forenoon of 1-10-1973 and proceeded on 31 days carned leave from 1-10-1973 to 31-10-1973.

- 2. Sri B. K. Misra, Assistant Collector (Audit) Central Excise Collectorate office Kanpur on his posting in the office of Central Excise Kanpur-1 division assumed charge of the office of Assistant Collector Kanpur I division in the forenoon of 3-10-1973 in addition to his own charge.
- 3. Shri M.P. Agarwal, Assistant Collector on expiry of his 31 days carned leave took over charge of the office of Assistant Collector (Audit) Central Excise Collectorate Office Kanpur from Sri B.K. Misra Assistant Collector in the forenoon of 1-11-1973 relieving him of the additional charge of the office of the Assistant Collector (Audit I).

The 9th January 1974

No. 6/74.—Sri P. S. Sial, Chief Accounts Officer, on transfer from the office of Narcotics Commissioner Gwalior, took over the charge of Chief Accounts Officer, Central Excise, Kanpur from Sri R. H. Chaturvedi, Chief Accounts Officer, Central Excise Kanpur on 30-11-1973 (Afternoon) & relieved him of his duties.

2. Sri R. H. Chaturvedi, Chief Accounts Officer, Central Excise Collectorate Kanpur handed over the charge of his office to Sri P. S. Sial, Chief Accounts Officer, and retired from service on 1-12-1973 (forenoon).

J. DATTA Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 10th January 1974

No. 1/1974.—Shri S. D. Mathur, lately posted as Research Officer, Central Excise (S.R.P.) Review Committee, New Delhi, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II, in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, at New Delhi, on the afternoon of the 18th December, 1973.

The 16th January 1974

No. 2/1974.—Shri A. K. Mansharamani, a Permanent Office Superintendent of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise and at present officiating as Assistant Chief Accounts Officer in leave vacancy, is further allowed to continue to officiate in the same capacity until turther orders and in the same office with effect from 4-1-1974 (Afternoon) vice Shri H. D. Sharma, Assistant Chief Accounts Officer, granted leave.

B. S. CHAWLA
Director of Inspection
Customs and Central Excise

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, KARNATAKA

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Movieland Chit Fund Private Limited

Bangalore, the 7th January 1974

No. 1754/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from

the date hereof the name of M/s. Movieland Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> K. K. DHAR Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956, and of United Assam Industrial Corporation Limited

Shillong, the 24th December 1973

No. 1055/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of United Assam Industrial Corporation Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

T. K. S. BISWAS Registrar of Companies Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram Shillong

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Suphala Finance & Chit Fund Trading Company Private Limited

Hyderabad, the 1st January 1974

No. 1293/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companics Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Suphala Finance & Chit Fund Trading Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN Rgistrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

Madras, the 1974

No. 743/Liq/73.—WHEREAS FREE INDIA FUND PRIVATE LIMITED (In Liquidation) having its registered office at No. 30, Pappankinathu Street, Madurai is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting, and that statements of accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Free India Fund Private Limited (In Liquidation) will unless cause is shown to the contrary, be struck off the rigister and the company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Ahilandeswari Transport Private Limited

Madras-6, the 3rd January 1974

No. DN/4705/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the

date hereof the name of Ahilandeswari Transport Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck, off the register and the said company will be dissolved.

P. ANNAPURNA Assistant Registrar of Companies Madras

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Bhimashankar Potato Cold Storage Private Limited

Bombay-2, the 1st January 1974

No. 15300/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bhimshankar Potato Cold Storage Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Vijay Manufacturing Private Limited

Bombay, the 4th January 1974

No. 12919/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Vijay Manufacturing Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 10-10-1973 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

S. NARAYANAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Vijay Goods Carriers Private Limited

Delhi, the 3rd January 1974

No. 1994/154/180.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vijay Goods Carriers Private Limited, unless cause is shown to the contrary. will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of P. S. Jain Motor Company Private Limited

Delhi, the 3rd January 1974

No. 1939/119/182.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of P. S. Jain Motor Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of P. Mukherjee & Company Private Limited

Delhi, the 4th January 1974

No. 90/126/239.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of P. Mukherjee & Company Private

Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

MRS, C. KAPOOR Assit. Registrar of Companies Delhi

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Asha Bulchand Ajmer Chit Fund Private Limited

Jaipur, the 4th January 1974

No. Stat/1237/134.— Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Asha Bulchand Ajmer Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Sapthagiri Chit Funds Private Limited

Bangalore, the 7th January 1974

No. 1747/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sapthagiri Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, Valli Trading and Chit Funds Private Limited

Bangalore, the 7th January 1974

No. 1878/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Valii Trading and Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mysore Products Private Limited

Bangalore, the 7th January 1974

No. 170/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. K. DHAR Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Deh Dass & Sons Private Limited

Calcutta, the 11th January 1974

No. 16655/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, the name of the Deb Dass & Sons Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

T. K. S. BISWAS Asstt. Registrar of Companies West Bengal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore, the 9th January, 1974

No. C.R.62/1533/73-74/Acq.(B).—Whoteas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 8/5, II Floor and Plot No. 1 Palace Foad, Vasanthanagar, Bangalore

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhi Nagar, Gangalore on 17-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (I) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Martanda Verma Elya Raja of Travan-core No. 6B. P. Wadia Road, (2) Nawab Malik, Mcharban, Abdul Rashid Khan Delai Jung Bhadur, Nawab of Saymur, Nawabzadi Naycem Pasha, No. 3 Cunningham Road, Banglore. (Transferor)
- (2) Shri P. D. Devendra, 1-2-41, Gangamahal Road, Hyderabad, A.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Faplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8/5, II Floor, and plot No. 1, Palace Road, Vasanthangar, Banga ore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 9th January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 9th January 1974

No. C.R. 62/1535, 73-74/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the competent authority under

Section 269 B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Flat No. 8/4, II floor & Vacant Plot No. 2, Palace Road, Vasanthanagar, Bangalore (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 17-7-1973

for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfereer(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

21-426GI/73

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely:—

- (1) (1) Sh i Marthanda Varma, No. 6, B. P. Wadia Road, Bangalore (2) Nawab Malik Meharban Abdul Rashid Khan Delair Jung Bahadur, Ex-Nawab of Savanur, (3) Nawab Zadi Nayeem Pasha, No. 3, Cunningham Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri P. D. Ravindra, No. 275D, 37th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The term; and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8/4, Il floor and vacant plot No. 2, Palace Road, Vasanihanagar, Bangalo.e.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date: 9 1-1974.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. S/Shri Marthanda Verma Elya Raja of Travancore, Nawab Malik Meharban Abdul Rashid Khan Delair Jung Bahadur, 3. Nawaz Zadi Nayeem Pasha, No. 3, Cunningham Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri D. Narendra, 35, Vyalikaval Extension, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8/3, I floor, and vacant plot No. 3, Palace Road, Vasanthanagar, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range,

Bangalore

Date: 9-1-1974.

Seal:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 9th January 1974

No. C.R.62/1530/73-74/Acq.(B) .-- Whoreas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8/3, I floor and vacant plot No. 3, situated at

Palace Road, Vasanthanagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore, on 17-7-1973 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been (ruly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. BANGALORE

Bangalore, the 9th January 1974

No. C.R./62/1532/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 8, and vacant plot Nos. 5 & 5A, situated at Palace

Road, Vasanthanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 17-7-1973

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arlsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

- (1) (1) Shri Marthanda Vaima Elya Raja of Travancore, (2) Nawab Malik Meharban Abdul Rashid Khan Delair Jung Bahadur, (3) Nawab Zadi Nayeem Pasha, No. 3, Cunningham Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri P. S. Deva Dass, No. 1, R.V. Lay-out, Kumara Park Extension, Bangalore-20. (Transferee)
- (3) (1) Shri P. N. Talati, (2) Lt. Col. J. S. Kahai, (3) Sqn. Leader P. C. Sharda, (4) Surgeon Commander A. K. Deb, (5) Shri John Webb, (6) N. M. Mehra & K. M. Mehra. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 and Vacant plots No. 5 & 5A, Palace Road, Bangalore.

> R. KRISHNAMOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-1-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 9th January 1974

No. C.R.62/1534/73-74/Acq. (B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have a reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8/1 and vacant plot No. 6, Palace Road, situated at

Vasanthanagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, on 17-7-1973 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) 1. S/Shri Marthanda Valma Elya Raja of Travan-core, 2. Nawab Malik Meharban Abdul Rashid Khan Delair Jung Bahadur, Nawab of Savanur, 3. Nawab Zadi Nayeem Pasha, No. 3, Cunningham Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri P. D. Shylendra, No. 1, R.V. Layout, Kumara Park Extension, Bangalore-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 8/1 and vacant Plot No. 6, Palace Road, Vasanthanagar, Bangalore.

> R. KRISHNAMOORTHY Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore, the 9th January 1974

No. C.R.62/1531/73-74/Acq.(B).—Whereas, 1 R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Plot No. 7, Palace Road, situated at Vasanthanagar Extension,

Bangalore

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 17-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the lncome Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Weath Tax Act, 1927 (27 of 1987)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

Shri Marthanda Varma.
 Nawab Malik Maharban Abdul Rashid Khan Delair Jang Bahadur.
 Nawab Zadi Nayeem Pasha, No. 3, Cunningham Road, Bangalore. (Transferor)

(2) (1) S/Shri P. S. Devadas, (2) P. D. Ravindra,
(3) P. D. Devendranath, (4) D. Narendra, (5) P. D. Surendra, (6) P. D. Shylendra of No. 1, R.V. Layout, Kumara Park West, Bangalore-20. (Trans-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Palace Road, Vasanthanagar Extension, Banga-

R. KRISHNAMOORTHY Competent Anthority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Date: 9-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX Act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th January 1974

No. CR.62/1778/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 31, Journalist Colony, situated at Bangalore

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Basavanagudi. Bangalore on 1-9-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shi T. S. Ramaswamy Chettiar, S/o, Subbanna Chettiar, 10, Dondura Lay-out, Hanumanthanagar, Bangalore-19. (Transferor)
- (2) Shri S. Panduranga, (2) S. Krishna No. 22, V Cross, Swimming Pool Extension, Malleswaram, Bangalore-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested In the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 31, Journalist Colony, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 9-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE:

CHANDIGARH

Chandigarh, the 14th January 1974

Ref. No. BGR (DLI)/1395/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Sarai Khawaja, Teh-Ballabhgarh,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s United Oil Mills, Faridabad. (Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s Indo-Lowenbrau Biederies 1 td., 13/1, Mathura Road, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 61 kanals and 8 marlas in Sarai Khawaja Tehsil Ballabhgarh, District Gurgaon bearing Rectangle No. 50 Kile Nos. 11, 14/1, 12, 13, 17, 18 19 20 and Rectangle No. 50 Kile No. 15/2 & 16/1.

(Property as mentioned in the registered deed No. 409 of July, 1973 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGII
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 14-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **CHANDIGARH**

Chandigarh, the 14th Junuary 1974

BGR(DLI)/1398/73-74.—Whereas, I, G. P. No Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, 24 kanals, situated at Vill. Mujessar, Tehsil Ballabhard.

garh,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer at of (1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent cousideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose3 of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Shri Shellandra Kumar Burman, s/o Shri R. P Burman, resident of 5-Jain Mandir Road, New Delhi, at Present, c/o Kosi Farm Ltd.; Village Chata, District Mathura (U.P.) (Transferor),
- (2) The Principal Officer, M/s D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place, New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rect. No. 25, Killa Nos. 20 (8-0), 21 (8-0), 22 (8-0); Total 24 kanals, situated at village Mujessar, Tehsil Ballabhgarh, District Gurgaon.

(Property as mentioned in the registered deed No. 444 of July, 1973 of the Registering Officer, Delhi.).

> G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range,

> > Chandigarh

Date: 14-1-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigath, the 14th January 1974

Ref. No. BGR(DL1)/13⁹⁹/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and, 23 kanals and 18 marlas, situated at Vill. Mujesar,

Teh. Ballabhgarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1973,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent. rent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :- -22-426GI/73

- (1) Sh.i Shellandra Kumar Burman, s/o Shri R. P. Burman, Resident of 5-Jain Mandir Road, New Delhi, at present c/o Kosi Farm Ltd.; Village Chata, District Mathura (U.P.). (Transferor)
- (2) The Principal Officer, M/s D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rect. No. 25, Killa Nos. 9 (0-7), 11 (8-0), 12 (4-8), 18 (3-3), 19 (8-0); Total 23 kanals & 18 marlas, situated at Village Mujesar, Tehsil Ballabhgarh, District Gurgaon, (Property as mentioned in the registered deed No. 428 of July, 1973 of the Registering Officer, Delhi.).

G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh

Date: 14-1-1974,

578

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chendigarh, the 14th January 1974

Ref No. BGR(DL1)/1396/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, 26 kanals, situated at Vill. Sihi, Tehsil Ballabhgarh, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in August, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter $XX\Lambda$ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Shellandra Kumar Burman, s/o Shri R. P. Burman, Resident of 5-Jain Mandir Road, New Delhi, at present, c/o Kosi Farm Limited, Village Chata, District Mathura, (U.P.). (Transferor).

[PART III—SEC. 1

(2) The Principal Officer, D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rect. No. 21, Killa Nos. 16 (6-12), 28 (1-0), Rect. No. 22, Killa No. 18 (8-0), 23 (8-0), Rect. No. 24, Killa No. 3/1 (2-8); Total 26 kanals, situated at Village Sihi, Tehsil Ballabhgarh, Distt. Gurgaon.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 498 of August, 1973 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 14-1-1974.

Seal ·

FORM ITNS----

(2) The Principal Officer, D.L.F. United Limi 40-F,Connaught Place, New Delhi. (Transferee) Limited,

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 14th January 1974

Ref. No BGR (DLI)/1397/73-74, --Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Land, 26 kanals 2 marlas situated at Vill, Sihi, Teh.

Ballabhgarh,

(and more fully described in the Schedule

amexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1973,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prope ty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Shri Shellandra Kumar Burman, s/o Shri R. P. Burman, Resident of 5-Jain Mandir Road, New Delhi, at present c/o Kosi Farm Limited, Village Chata, District Mathura, (U.P.): (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Rect. No. 12, Killa Nos. 11 (0-5), 20 Min. (2-1), 21 (8-0)-Reat. No. 15, Killa No. 1/2 (5-0 Rect. No. 20, Killa Nos. 20-2/3 (3-3), 21 (7-13); Total 26 kanals and 2 marlas, situated in Village Sihi, Tehsil Ballabhgarh, District Gurgaon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 519 of August, 1973 of the Registering Officer, Delhi).

> G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date: 14-1-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) ()F THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. 1/AC//Acq.II/73-74/6795,---Whereas, I, C. V. Gupte.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-291 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Delhi on 3-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United 1td, 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra Vora s/o Shri Ram Rang Vora, r/o L-57, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. S-291 measuring 307 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road West: S. Lane

North: Plot No. S/289 South: Plot No. S/293

Date: 22-12-1973.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/6795.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No J-1 situated at Kailash Colony, New Delhi, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer,

at Delhi on 13-7-1973, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

. Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Satish Bansal S/o Shri G. L. Bansal Stud House, Delhi Road, Hissar. (Haryana).

(Transferor)

(2) Shrj Chaman Lal Jairath, S/o Shri Khariti Ram Jairath, R/o 336, Lajpat Nagar, Jullundur City, (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is bereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land bearing Plot No. 1 Block I admeasuring 1346 sq. ft. situated in the residential colony & is bound as under:—

East: Plot of Umesh Bansal.

West: Road. South: Road.

North: Plot of Mrs. Shanti Bansal.

C. V. GUP1E
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income_Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 10th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/1973-74/6795.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. E-189 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, and fore fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-7-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforosaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfertor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/S D.L.F. United 1 td. 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transfevor)
- (2) Smt. Pushpa Bak hi, w/o Lt. col. K. L. Bakshi, R/o A-68, West Patel Nagar, New Delhi-8.
 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, and the transferee of the property, acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is bereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

ENPI MALION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being plot No. 189 measuring 348 sq. vds in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Bhahapur in the Union Territory of Delhi bounded as under:—

East: plot No. E-187. North: S. Lanc. West Plot No. E-191. South: Road.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 10th January, 1974.

(1) M/s D.L.F. United Ltd. 40-F. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Satya Wati Bawa, Y-30, Hauz Khas, New

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

RANGF-11

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 8th January 1974

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made

Gupte. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Ref. IAC/Acq.Range-II/73-74/6795.—Whereas I. C. V.

such objection, and the transferee of the property.

exceeding Rs 25,000/- and bearing No. M-111 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 1-8-1973. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Piece and parcel of land being plot No. 111 measuring 300 sq. yrds. in the residential colony known as Greater Kailash-II. New Delhi situated at Village Bhahapur in the Union Territory of Delhi, bounded as under:-

And whereas the reasons for initiating proceedings for the

East: Road.

West; Road.

acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

by me.

South: Plot No. M-113.

North: Plot No. M-109.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 +43 of 1961) to

the following persons namely:--

C. V. GUPTE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 8th January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-JI

New Delhi, the 9th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.Range-II/73-74/6795.--Whereas, I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No M-53 situated at Greater Kailash-II. New Delhi, (and more fully described in the Schedule appeared benefo), have been transferred as per

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 24-7-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealh-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) M/s D.L.F. United Ltd. 40-F Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Oudh Behari Lal S o Late Shri Bhagwan Das-R/o L/47, Railway Colony, Rewari (Haryana). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being plot No. 53 measuring 261 sq. yards in the residential colony known as Greater Kallash-II, New Delhi situated at Village Baharpur in the Union Territory of Delhi bounded as under :---

East: Road. North: S. Lanc. West: S. Lane, South: M-55.

> C. V. GUPTE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9th January, 1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II.

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No IAC Asg.II 72-74/6795.--Whereas, I C. V

being competent authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7007 Ward No. XVI situated at Dev Nagar, 14-B, Karol Bagh, New Delhi-5,

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering at Delhi on 2-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Smt. Bimla Devi d/o Shri Daulat Ram wife of Shri Sham Sunder I al. r/o H. No. 7007 Ward No. XVI, Block No. 14B Dev Nagar New Delhi. (Transferor)

- w/o S Tirlochan Singh (2) Smf. Veena Rani r/o 31/6, Rajindar Nagar, New Delhi. (Transferee)
 - (3) Shri Siri Nath Aggarwal, H. No. 7000, Ward No. XVI, Block No. 14-B, Dev Nagar, New Dethi (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said pre-perty may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in resonnse to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice i, given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½-storeyed pucca built building along with Miani, bearing Municipal No. 7007 Ward No. XVI built on leasehold plot No. 15, area 90 sq. vards and situated in Block No. 14-B, Day Nagar, Karol Bagh, New Delhi-5 bounded as under :--

East: Road, West: Street

North: House No. 7008. South: House No. 7006.

> C. V. GUPTE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 11th Innuary, 1974..

Seal:

23-426GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/6795.—Whereas, I C. V. Gupte, being the competent

authority under rection 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. J-1 situated at Kailash Colony, New Delhi,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 13-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

(1) Umesh Bansal, S'o Shri G. L. Bansal, R/o Stud House, Delhi Road, Hissar, (Haryana)

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal Jairath S/o Shri Khariti lal Jairath. 336. Laipat Nagar, Jullundur city. (Punjah).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land bearing plot No. 1 Block J admeasuring 1457 sq. feet situated in the residential colony & is bounded as under :-

East: Plot of Mr. G. L. Bansal.

West: Road. North: Road,

South: Plot of Mr. Umesh Bansal.

C. V. GUPTE Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION

RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC/Acq. Rnage-II/6795.—Whereas, 1. C. V. Gupte,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-21 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now. therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Sohan Laj Taneja, S/o Shri Manohar Lal Taneja of M/s Chintpuroni Stone Crusher Company, 11/6, Miles stone, Faridabad. (Haryana).
 - (Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal Jairath, S. o Shri Khariti Ram Jairath, 336, Lajpat Nagar, Jullundur City (Punjab). (Transferee)
- (3) Shri O. K. Kehra, W-21, Greater Kailash-1 New Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against he acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and measuring 500 sq. yards together with the 11 storied House built thereon situated in the village Yaqutpur now known as Greater Kailash-1, New Delhi & is bounded as under:—

East: House No. W-23. West: House No. W-19B.

North: Road.

South: Service Lane.

C. V. GUPTE Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974..

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ret. No. IAC/Acq.II/73-74/6795.—Whereas I C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-87 Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at an Defni on 2.7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid properly in terms of Chapter XXA of the Income-tax Δct , 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby mitiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

 M/s D.L.F. United 1 td., 40-F. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Chadha s/o Shri Banarsi Dass Chadha, III-D/18, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imniovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 1000 sq. yards & bearing No. W-87, in the residential colony known as Greater Kailash-II. New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974.,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC/Acr. Range-II/6795.—Whereas, I C. V. Gupte,

being the competent

authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-1 stuated as karlash Colony. New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has

been transferred as per accá registered under the Indian 1908 (10 of 1908) in the Office

Office at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trans fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in narsuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

- (1) Shri Harish Bansal s/o Shri G. L. Bansal, House, Delhi Road, Hissar. (Haryana). Stud (Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal Jairath S/o Shri Khariti

Jairath, R/o 336, Lajpat Nagar, Jullundur City. (Punjab). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land bearing Plot No. 1 block J admeasuring 1405 sq. feet situated in the residential colony known as Kailash Colony. New Delhi and is bounded as under:-

East: Plot of Mr. G. L. Bansal.

West: Road. North: Road.

South: Plot of Mr. Umesh Bansal.

C. V. GUPTE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974.,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF JNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.Range-II/73-74/6795.—Whereas, 1 C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1 situated at Khan Market, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 16-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shobha Bhargava, W/o Late Shri S. D. Bhargava, R/o A-276, Defence Colony, New De'hi. (Transferor)
- (2) Smt. Shashi Seth, w/o Shri G, P, Seth, R/o 88, Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

(4) Shri S. P. Seth, Flat No. 1, Khan Market, New Delhi (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1. Khan Market, New Delhi together with all rights, titles & interests.

C. V. GUPTE Competent Authority oner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JI, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC Acq. 11/73-74. - Whereas, I. C. V. Gupte. Gunta, being the competent authority under section 269H of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-124 situated at Greater Kailash-I. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 30-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s)

been truly stated in the said instrument of

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Adarsh Bindra w/o Shri Daljit Singh Bindra, r/o 99, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Paul Dhir s/o Shri Amar Chand Dhir, village & P.O. Rurkakalan, Distt, Jullundur (Puniab).

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building, 'PUSHPA VILLA' constructed on a freehold plot of land measuring 500 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-I, New Delhi, together with all rights in the said land.

C. V. QUPTE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas, J. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 20/55 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on 17-7-1973,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) S/s Jawahar Lal & Madan Mohan sons of Shri Krishan I al, r. c. D-13.15, Model Town Delhi-9. (Transfero.
- (2) Shri Ram Parkash Sharma s/o P. T. Ganga Ram Sharma, co Shri C. I. Sharma, advocate, 5269 Ajit Mansion, G. B. Road Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. 20 on Road No. 55 measuring 555.55 sq. vards situated in the colony known as Punjabi Bach area of village Madipur, Delhi State, Delhi, on Rohtak Road, within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded a, under:—

North: Road No. 55 South: Service I ane.

East: House built on plot No. 18. West: House built on plot No. 22.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX,

ACQUISITION

RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6795.—Whereas. I. C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-30 situated at Green Park Extension, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on 20-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M's Urban Improvment Company Pvt. Ltd., F-32, Connaught Place, New Delhi.

(Transferon)

(2) Smt. Kamla Kumari d/o Shri Ratan Chand, 2719, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the Objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the parcel and piece of land bearing plot No. 30 in Block No. 'S' measuring 200 sq. yards in the residential colony known as Green Park, Extension, situated in village Yusuf Sarai Jat, Union Territory of Delhi and bounded as under:—

Fast: Plot No. S-29. West: Plot No. S-31.

North: Road. South: Lane.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11th January, 1974...

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1974

Ref. No. TR-817/C-167/CAL-1/73-74.-Whereas, I, S. K.

Chakravarty,

being the Competent Authority under section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25E situated at Shakespeare Sarani Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

The Registrar of Assurances, 5 Govt. Place North Calcutta

on 18-7-1973, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Smt. Champawati Devi Chamria.

(Transferor)

(2) M/s Daga Nylomet Private Ltd,

(Transferce)

- (3) Sm. Champawati Devi Chamria. (Person in occupation of the property).
- (4) 1. Sm. Champawati Devi Chamria, 2. Sri Gobind Prasad Chamria and another. 3. Sri Pradip Kumar Chamria. 4. Sri Alok Kumar Chamria. (Person. whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one-seventh share in the land appurtenent to premises No. 25 E, Shakespeare Sarani (formerly a portion of 25A, Shakespeare Sarani) Calcutta and the right to construct fourth floor.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Range-J, Calcutta.

Date: 9th January, 1974,

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th Januray 1974

Ref. No. IR-519/C-106/CAL-2/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 situated at Lower Range. Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

The Sub-Registrar of Sealdah 24-Parganas on 4-7-1973,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 to the following persons, namely:

(1) Shaik Saleh Misri.

(Transferor)

- (2) Sri Rajendra Protad Shaw, Sri Joy Prokash Gupta.
 (Transferee)
- (3) Sri Ram Swarup Shaw. Person in occupation of the property.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of two storied building on and including a plot of land measuring 7 cottahs. 5 chittacks 20 sq. ft. at premises No. 7, Lower Range, Park Circus,

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Range-I,
Calcutta.

Date: 9th January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. No. I(1270) /73-74.—Whereas, I. K. Subba Rao, being the Competent Authority under section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No. 16-1-68 to 78 situated at Mahatma Gandhi Road, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Smt. Bashurumisa Begum, Kotlamadappa Street, Vizianagram-2.

(Transferor)

(2) Sri Khader Badshah, Kotlamadappa Street, Vizianagaram-2.

(Transferee)

(3) Sri Hari Abdul Hamid Khan, Kotlamadappa Street, Vizianagaram. (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hercin as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Dt-Vizianagaram—Sub-District-Vizianagaram Town—Ward No. 16-Mahatma Gandhi Road—Southern Side—T.S. No. 2—Asst. No. 6240—Door No. 16-1-68 to 78.

Boundaries & Measurments

East,—C.A. Shukoor Saheb Co.'s Site and House of Nawab Asadali Khan's house.

South.—House of Nawab Asadalaw Khan Saheb's House and Road;

West.-Municipal Road;

North,—Mahatma Gandhi Road,

East to West.—13M to some extent, 14M, to some extent, 11M to some extent 27M to some extent.

South to North.—12M to some extent, 13M to some extent & 24M to some extent.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-1-74.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. No. 1(1292)/73-74.—Whereas, I. K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. I/IA(R. S135)/1 situated at Ramavarappadu village

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in July 1973 for an apparent

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) 1. Smt. N. Scetha Maha Lakshmi, W/o Dr. N. Satyanarayana, Ramachandra Road, Aurudalpeta, Vijayawada-2.
 - 2. Shri Rama varapadu Khadi & Village Industries Association, Ramavarappadu, Vijayawada, (Transferor)

(2) Shri Prenichand Agarwal, 15-9-223/1, Chota Maharaj Gunj, Hyderabad-12.

(Transferce)

- (3) M/s. Hindusthan Sugars, Ramavarappadu, Vijaya-(Person in occupation of the property)

(4) I. Shri N. V. Narasaiah.
2. Shri S. Bhavanarayanaswamy.
3. Shri Tirukovalur Venkateswara Rao,

Smt. Nallagadda Krishnaveni,

5. Shri R. Ramanujayya

C/o Ramavarappadu Khadi Village & Industries Association Ramavarappadu, Vijayawada. (Person whom the undersigned know; to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever peiod expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the interpolation of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1. Site and Buildings known as Khadi Village Industries Association, Khandasari Sugar Factory at Ramavarappadu Village in R.S. No. 135/1 assessment No. I. Door No. 1/I/A. Total area of the land .. 10136 sq. yds, Built up area of the land

2. Movable items including machinery etc., transferred with the above building.

> K. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada,

Date: 10-1-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. No. I(803, 804, 805)/73-74.-Whereas, I, K. Subba Rao,

Competent Authority under section 269B of being the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 14/20-13-I situated at Vallabhai St. Kakinada Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

11) 1. Shri B. Mohana Rao, S/o Ramakrishna Rao, Vallabhai St., Kakinada, 2. Kondical Lakshmi, W/o Rameshrao, Vallabhai

St., Kakinada. 3. A. K. Rajeswari, W/o Rameshkudur, Vallabhai

St., Kakinada. 4. B. Savithri, W/o Ramesh Rao. Vallabhai St..

Kakinada.

 B. Ramakrishna Rao, S. o Narayana Rao, Vallabhai St., Kakinada.

(Transferor)

(2) I. Sri Dwarampudi Krishna Reddy, S/o, Chendra Reddy, Kakinada.
2. Sri D. Baskara Reddy, S/o Krishna Reddy.

Kakinada.

- 3. Sri D. Mohana Ramachendra Reddy, Minor by
- guardian Rukmini Devi, Kakinada, Smt. D. Rukmini Devi, W/o Sri D. Krishna Reddy, Kakinada.
- Smt. D. Padmavathi, W/o Baskara Reddy. Kakinada.
- Sri Chenta Satyanarayana Reddy, S/o Appa Reddy, Kakinada.
- Sri Centa Venkata Reddy, Minor by guardian
- Smt. Bagyavati alias Achayamma, Kakinada. Sri Nallamelli Veeraragava Reddy, S/o, Venkata Reddy, Kakinada.
- 9. Sri Nallamelli Krishna Reddy, Minor by guardian Balatripurasundari, Aryavattam village.

- Sri Kovvuri Poturaju S/o Bapi Reddy, Kakinada.
 Sri Nallamelli Venkata Reddy, S/o Veernna,
- Kakinada.
- Sri Nallamelli Venkata Reddy, S/o Venkata-chalam, Ramachendrapuram Vg. & Taluk.
 Sri Nallamelli Krishna Reddy, S/o Veerreddy, Kakinada.
- Sri Karri Venkata Reddy, S/o Nagi Reddy,
- Pasalapudi Vg. Ramachendrapuram Taluk Reddy,
- Sri Karri Subba Reddy, S/o Venkata B Pasalapudi Vg. Ramachendrapuram Taluk.
 Sri Karri Nagi Reddy, S/o Venkata B Reddy, S/o Venkata Reddy,
- Pasalapudi Vg. Ramachendrapuram Taluk. Sri Karri Udayabaskara Reddy. S/o Venkata Krishna Reddy, Artamuru Vg. Ramachendrapuram Taluk.
- Reddy, Sri Kovyuri Subbi Reddy, S/o Gani Komaripalem Vg. Ramachendrapuram taluk.
- Sri Tetala Dorayya Reddy, S/o Linga Reddy, Ramachendrapuram Taluk.
 Sri Velagala Raja Reddy, S/o Kami Reddy, Vedurupaka Vg. Ramachendrapuram Taluk.

 [Transferce]
- (3) 1. Sri Taduturi Apparao 14/20-131 Vallabhai St.,
 - (Hair Cutting Saloon), Kakinada.
 2. Sri Bandaru Suryanarayana, 14/20-13-1 Vallabbai St., (Killi Shop), Kakinada.
 - 3. Sri Syed Habid Vallabhai St. (Petty repair shop) Kakinada.
 - Vummethapuvu Venkatarao. 14/20-13-1. Vallabhai St., (Tailor),
 - 5. Sri Suvarnamula Narsa ji, 14/20-13-1, Vallabhai St., (Sweet Meat Stall), Kakinada.
 6. Sri Sankuru Appalaswamy, 14/20-13-1 Vallabhai

 - Sri Sankuru Apparaswamy, 14/20-13-1 vanwama-St., (Tailor) Kakinada.
 Sri Yeluri Venkataramana, 14/20-13-1, Vallabhai St., (Loundry), Kakinada.
 Sri Thyagarajan, 14/20\(\frac{1}{3}\)-1, Valabhai St., Modern Cafe Lodge, Kakinada. (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Kakinada Municipality area—Asst. No. 14/6762—Building bearing Door No. 14/20-13-1, T.S. No. New M.C. No. 6994—4 Stair building—Area 278/2/3 Sq. Yds. or 233.30 sq. mtrs. with the following boundaries.

East-Vallabhai Street. South-Mantripragada Vari Street. West-Sunkaravari Street. North-Katari Subhashini's house.

2. Movable items like furniture and fittings transferred along with the site and building.

> K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada,

Date: 10-1-74.

Sea1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 14th January 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74/6894.—Whereas, I. C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-85 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 25-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- M.S. D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Baldev Raj Kapur, s/o Shri Amar Nath Kapur, R/o 30/188A. New Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being Plot No. 85 measuring 383 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at Village Bahapur in the Union Territory of Delhi bounded as under:—

 ${\bf East} {\longleftarrow} {\bf Road}$

West-S. Lane

North-Plot No. S-83.

South-Plot No. S/87

C. V. GUPTF

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 14th January 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th January 1974

Ref No. J. No. 1/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 1—44 situated at Pragadavaram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering officer at Eluru in July 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sncome Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid properly in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manefalli Malli Kharjisna Rao, Rice Mill, Agirfalli, Vuzvid Taluq, Krishna Dist. (Transferor)
- (2) Shri Kayamathareddi Jawahar Reddy, Sri Srinivasa Rice Mill, Pragadayaram, Kritelapudi Tq. (Transferee)
- *(3) Shri Kanamatha Reddi Venkata Reddy, Sarpanch, Pragadayaram.
 - Pragadavaram, (Person in occupation of the property).
- *(4) 1. Kalagoti Satyanarayana Progadavaram, 2. Sri Gonugunthla Surva Ratnam, Progadavaram, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari Dis' Fluru Registration Kritalapudi Taluq Progadavaram Village— Half Share in Sri Srinivasa Rice Mill situated at Kritelapudi 'Tadefalligudam Land—Door No. 1—44 Panchayat assessment No. 41—site, buildings together Lita Plant and Mahineryete.

K. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kakinada

Date: 11-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. I(490)/73-74.—Whereas, J. K. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 3/775, situated at Mandavaripeta, Allipurain Ward, Visakhapatnam

fully described the schein dule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam in July, 1973

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Sri Tirumala Madava Rao, Door No. 22-69-10, Vasantha Rao Street, Visakhapatnam. (Transferor)

25-426GI/73

(2) M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam. (Transferec)

*(3) Nil

(Person in occupation of the property)

*(4) List of interested persons in M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam. 1. Sri K. Pattabirami Reddy.

- 2. Smt. K. Anasuyamma W/o, K. Pattabi Rami Reddy.
- 3. Sri K. Balakrishna Reddy, S/o K. Pattabi Rami Reddy.
- K. Aruna minor d/o K. Pattabi Rami Reddy. 5. K. Mahendra minor o/o K. Pattabi Rami Reddy. 6. K. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
- Sri A. V. Rami Reddy C/o Sangam Enterprises, Visakhapatnam.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Dt. Visakhapatnam Municipality-Alliouram Ward Old No. 25-Mandavari Peta Asst. No. 30873, Door No. 3/775.

> K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-1-1974.

SenI

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. I(1288)/73-74.--Whereas, 1, K. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 3/775, situated at Mandavaripeta, Allipuram

Ward, Vizag (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in transferor to respect of a transfer; and/or income arising from the апу
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

- (1) Sri Tirumala Pradyonama Rao, Door No. 22-69-10, Vasantha Rao Street, Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam.

(Transferce)

*(3) Nil

(Person in occupation of the property)

*(4) List of interested persons in M/s, Sangam Enter-prises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam, 1. Sri K. Pattabirami Reddy.

- Smt. K. Anasuyamma W/o, K. Pattabi Rami Reddy.
- 3. Sri K. Balakrishna Reddy, S/o K. Pattabi Rami Reddy.
- K. Aruna minor d/o K. Pattabi Rami Reddy.
 K. Mahendra minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
 K. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.

Sri A. V. Rami Reddy C/o Sangam Enterprises, Visakhapatnam,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Visakhapatnam Municipality-Allipuram Ward Old No. Mandavari peta Asst. No. 30873, Door No. 3/775.

> K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-1-1974.

Sea1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. 1(494)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Door No. 3/73, situated at Mandavaripeta, Allipuram Ward, Visukhapatham.

Ward, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam in July, 1973 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: ...

- (1) Sri Tirumala Prabakara Rao, Door No. 22-69-10, Vasanta Rao Street, Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam. (Transferee)
- *(3) Nil

(Person in occupation of the property)

(4) List of interested persons in M/s Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam, 1. Sri K. Pattabirami Reddy.

- Rami 2. Smt. K. Anasuyamma, W/o, K. Pattabi Reddy.
- 3. Sri K. Balakrishna Reddy, S/o K. Pattabi Rami Reddy.
- 4. K. Aluna minor d/o K. Pattabi Rami Reddy.
 5. K. Mahendra minor :/o K. Pattabi Rami Reddy.
 6. K. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabi Rami Reddy.
 7. Sri A. V. Rami Reddy C/o Sangam Enterprises, Visakhapatnam.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice (a) by any on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Dt. Visakhapatnam Municipality-Allipuram Ward Old No. 25-Mandavaripeta Asst. No. 30873, Door No. 3/775.

> K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-1-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. No. 1(1289) /73-74.—Whereas, I. K. Subba Rao. being the Competent Authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 3/775, situated at Mandavaripeta, Allipuram Vizag,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Visakhapatnam in July, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely;— (1) Shri Tirumala Trivikrama Rao, Door No. 22-69-10, Vasantha Rao Street, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam, (Transferee)
- "(3) Nil

(Person in occupation of the property)

- *(4) List of interested persons in M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapatnam,
 1. Sri K. Pattabirami Reddy.

 - W/o K. Pattabirami 2. Smt. K. Anasuyamma, Reddy.
 - 3. Sri K. Balkrishna Reddy S/o K. Pattabirami Reddy.
 - 4. K. Aruna minor d/o K. Pattabirami Reddy.
 - K. Mahendra minor s/o K. Pattabirami Reddy.
 K. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabirami Reddy.
 Sri A. V. Rami Reddy C/o Sangam Enterprises. Visakhapatnam.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the (b) by any Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Office Vi.akhapatnam Municipa'ity-Allipuram Ward No. 25-Mandavari peta Asst. No. 30873 Door No. 3/775.

> K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION KANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th January 1974

Ref. No. J. I(491)/73-74.—Whereas, I. K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 3/775, situated at Mandavaripeta, Allipuram Ward, Visakhapatnam (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Visakhapainam in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

(1) Sri Tirumala Venkata Ramana Rao, Door No. 22-69-10, Vasanta Rao Street, Visakhapatnam. (Transferor)

- (2) M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, (Transferee)
- *(3) Shri Shrimati/Kumari.....(Person in occupation of the property)
- *(4) List of interested persons in M/s. Sangam Enterprises, 47-11-8, Dwarakanagar, Visakhapanam.

 1. 5ri K. Pattabirami Reddy.

 2. 5mt. K. Anasuyamma W/o K. Pattabirami

- keddy. 3. Sri K. Balakrishna Reddy. S/o K. Pattabirami Reddy.
- 4. K. Aruna minor d/o K. Pattabirami Reddy. 5. K. Mahendra minor s/o K. Pattabirami Reddy.
- K. Sarat Kumar minor s/o K. Pattabirami Reddy.
 Sri A. V. Rami Reddy C/o Sangam Enterprises, Visakhapatnam,
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of this 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District-Visakhapatnam Sub-Registrar Dt. Visakhapatnam Municipality-Allipuram Ward Old No. 25-Mandavaripeta-Asst. No. 30873 Door No. 3/775.

K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-1-1974.

Seal

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th January 1974

Ref. No. J. No. 1(1294)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28-2-33 situated at Main Road, Suryabagh, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Visakhapatnam in July, 1973 for an apparent consideration which the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

- Trustees:

 A. S. Raja, S/o Butchiramiah
 A. Mangalagouri, W/o A. S. Raja
 N. Raghavamma, W/o Ramalinges wara Rao C/o Alankar Buildings, Daba Gardans, Main Road,

Visakhapatnam. (Transferor)

- (2) Shri S. Mukunda Reddy, S/o Sallukuti Sanjeeva Reddy Sivarama Sweets Centre, 28-2-33, Main Road, Visakhapatnam.
 - (Transferee)
- *(3) Shri S. Sanjeeva Reddy, 20-2-33, Main Road, Visakhapatnam.
 - (Person in occupation of the property)
- *(3) Shri S. Sanjeeva Reddy, 20-2-23, Main Road, 2. Shri A. Ramakumar, 3. Shri A. Venkatasiyaprasad.
 - Minor by guardian Smt. A. Mangala Gouri, Visakhapatnam.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Municipality—Allipuram Ward—Ward No. 24—Suryabagh Area—28-2-33—Main Road—Block No. 47, T.S. 1678—Plot Nos. 101—102 & 103—Assessment No.

Ground floor portion with main entrance shown room etc. with following boundaries:

East-Municipal Road-37' or 11.28 Mt.

South—18" Thick wall between Kotha Satyavathi & this property—60' or 18.28 Mtrs.

West-Mercantile Bank Building in Plot No. 3-37' or 11.28 mtrs.

North—Part of V. Rajeswara Rao's place in the premises of Petrol Bunk—60' or 18.28 mtrs.

Area-240 sq. yds. or 200.67 sq. mtrs.

K. SUBBA RAO.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kakinada-

Date: 11-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 11th January 1974

Ref. No. J. No. 1301.-Whereas, J. K. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28-2-33 situated at Main Road, Suryabagh Area, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Visakhapatnam in July, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the purpose of the Indian transferee for the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax (43 of 1961) to the following persons, Act, 1961 namely:-

(1) Trustees: Shri A. S. Raja, S/o Butchiramiah

- 2. A. Mangalagouri, W/o A. S. Raja
- 3. Smt. N. Raghavamma, W/o Ramalingeswara Rao C/o Alankar Buildings, Daba Gardans, Main Road, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) Shri Chittem Syamala, W/o Ch. Sesha Krishna Reddy 28-2-33, Main Road, Vi akhapatnam. (Transferee)
- (3) Shri S. Sanjeeva Reddy, 28-2-33, Main Road. Visakhapatnam. (Person in occupation of the property)

*(4) 1. Shri A. Vijayakumar,

Shri A. Ramakumar,

3. Shri A. Venkatasivaprasad. Minors by guardian Smt. A. Mangala Gouri, Visakhapatnam,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Municipality-Allipuram Ward No. 24-Suryabagh Area-28-2-33-Main Road Visakhapatnam-Block No. 47,

T.S. 1678—Plot Nos. 101—102 & 103—Assessment No. 28013.

First floor portion in the building with following boundaries :-

East—Municipal Road.
South—Thick Walls between this property and Kothur Satyawathi's upstairs portion.

West-Mercantile Bank Building in Plot No. 103.

North-Part of wall in Petrol Bunk and Shri V. Rajeswara Gupta's site.

Plinth area-2,000 sq. ft. or 222/2/9 sq. yds. or 183.58 sq. mtrs.

K. SUBBA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 11-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Patna, the 1st January 1974

Ref. No. III-67/Acq/73-74/1352.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building in Bankipur Jabar Mahal situated at P. S. Kotwali, District Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

- (1) Shrimati Mariam Munissa, W/o Saved Jamal Hussain, At. Jamal Road, P. S. Kotwali, Dt. Patna (Transferor)
- (2) Shri Bishnu Pd. Karamshil, S/o Mukand Lal, Vil. Baghauni Harishankar, P.O. & P.S. Taipur, Dt. Darbhanga, At present C/o Jaihind Hotel, Fraser Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old House situated at Patna Holding No. 138, Circle No. 6, Ward No. 2 M.S. Plot No. 161 Sheet No. 8, Mowarji, Dt. Patna.

> J. NATH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna

Date: 1-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Nagour, the 8th January 1974

Ref. No. IAC/ACQ/26/73-74.—Whereas, I, S. S. Roy, being being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 27, Farmland, Ramdaspeth, situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transhereto), has been trans-

ferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer Nagpur on 7-9-73, and 10-10-73,

for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incom-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby riotiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:— 26-426GI/73

- Shri Prabhakar Vishnupant Prayagi (acting through
- his attorney Shri G. K. Potey, Advocate). Smt. Leelabai Vinayakrao Prayagi.
- Shri Arun Vinayakrao Prayagi, Smt. Indirabai Narayanrao Prayagi.
- Shashikar Narayanrao Prayagi. Shashikar Narayanrao Prayagi.
- Shri Abhay Narayanrao Prayagi. Shri Diwakar Narayanrao Prayagi.
- (9) Mrs. M. K. Pradhan.
 (10) Mrs. A. P. Dabholkar.
 (11) Mrs. S. Paithankar.
- (12) Smt. Umabai Martandrao Prayagi.
- (13) Shri Anand Martandrao Prayagi. (14) Shri Kamlakar Vishnupant Prayagi.

(Transferor)

(1) Rashtriya Vichar Sadhana, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27, situated in the Farmland Layout of the Nagpur Improvement Trust Ramdaspeth, Circle No. 20, Ward No. 72 (new). Division 8 and bounded as under.—
North—Bazar back Road.
South—Debharbhai Road (Old Central Bazar Road).
East—Plot No. 26.
West—Plot No. 28 belonging to Shri Narakesari Frakashan

S. S. ROY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax.

Acquisition Range, Nagpur

Date: 8th January 1974

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE NAGPUR

Nagpur, the 8th January 1974

Ref. No. IAC/Acg/26/73-74,—Whereas, I. S. S. Roy. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nazul Plot No. 27, Farmland, Ramdaspeth, situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed

has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,

Nagpur on 7-9-73 and 10-10-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- . (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, Act, 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: ...

- (1) Shri Prabhakar Vishnupant Prayagi (acting through his attorney Shri G. K. Potey, Advocate).
- Smt. Leelabai Vinayakrao Prayagi. (3) Shri Arun Vinayakrao Prayagi.
- Smt. Indirabai Narayanrao Prayagi. (5) Shashikar Narayanrao Prayagi,
- (6) Shri Vijay Narayanrao Prayagi. Shri Abhay Narayanrao Prayagi. (7)
- (8) Shri Diwakar Narayanrao Prayagi.
- (9) Mrs. M. K. Pradhan. (10) Mrs. A. P. Dabholkar. (11) Mrs. S. Paithankar.
- (12) Smt. Umabai Martandrao Prayagi.
- (13) Shri Anand Martandrao Prayagi.
- (14) Shri Kamlakar Vishnupant Prayagi.

(Transferors)

(1) Rashtriya Vichar Sadhana, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nazul Plot 27, situated in the Farmland Layout of the Nagpur Improvement Trust, Ramdaspeth, Circle No. 20, Ward No. 72 (new), Division 8, and bounded as under :--

North-Bazar back Road.

South-Debharbhai Road (Old Central Bazar Road).

East-Plot No. 26.

West-Plot No. 28 belonging to Shri Narakesari Prakashan Ltd.

S. S. ROY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Nagpur

Date: 8th January 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

Ref. No. 55/Acq. 23-71/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 13, H. No. 140, T.P.S. No. 5, Plot No. 53-A, situated at Near Athwa, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/ OL
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

- (1) Shardaben Wd/o. Sarabhai Chhotalal Kashipatel. (Transferor)
- (2) (1) Indravadan Mangalda, Chokshi
 - Madhusudan Gordhandas. (3) Champaklal Narottamdas

 - (4) Narmadagauri Mafatlal Bhavsar.

(Transferee)

- (3) Shrirang Land Corporation's Partners-
 - 1. Hasmukhlal Harchand.
 - Jaikishandas Gordhandas.
 - 3. Hargovandas Harchandrai.
 - Rameshchandra Hiralal. Ghanshyambhai Dhansukhbhai.
 - (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ward No. 13, House No. 140, T.P.S. No. 5, Plot No. 53-A. Area: 1154 sq. yards. Near Athwa, Surat.

> P. N. MITTAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th January 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) THE OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION. RANGE, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

Ref. No. 56/Acq. 23-72/6-1/73-74.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 540, Plot No. 9 situated at Vrajwadi, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Baroda on 16-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(2) Shri Shantilal Mansukhlal Shah.

(1) Smt. Lalitaben Vithaldas.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sur. No. 540, Plot No. 9-Open land. 5107 sq. ft. Vrajwadi, Jetpur Cross, Baroda.

> P. N. MITTAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th January 1974

Scal:

(Transferce)

(3) Administrative Officer, Oil and Natural Gas Commission, Pratapnagar Road, Baroda. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

Ref. No. 51/Acq. 23-67/6-1/73-74.—Whereas, 1, P. N. MITTAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Municipal No. BA/4-76, situated at Near Lal Bagh, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in the office of the Registering Officer at

Baroda on 30-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and (a) fer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

(1) Dr. S. D. Ambegaokar,

(Transferor)

(2) Shri N. K. Chhaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. BA/4-76 Land and building (Kamal Kunj) Area: 3354 sq. ft. National High Way No. 8, Near Lal Bag, Baroda.

> P. N. MITTAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th January 1974

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

Ret. No. 54/Acq. 23-70/19-8/73-74.—Whereas, J. P. N. MITIAL.

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Surat Municipal Ward No. 1/697 and 699 situated at Nanpura, Surat,

(and more fully described (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat-II on 16-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfereo(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Madanlal Balvantram Vakharia.(2) Arvindlal Balvantram Vakharia.

(Transferor)

- (2) Partners of M/s. Sardar Construction Co.
 - 1. Manojkumar Jayantilal Mehta.
 - Rameshkumar Jayantilal Tank.
 Bharatkumar Nandlal Thakkar.

ikkar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Surat Municipal Ward No. 1/697 and 699 117 and 79 sq. yds. land and building.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th January 1974

FORM ITNS----

(2) Shri Jamubhai Kalidas Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INSCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

Ref. No. 53/Acq. 23-69/6-2/73-74.—Whereas, I. F. N. MITTAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 540, Plot No. 8, situated at Vrajwada, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has

been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 23-7-1973,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Dahiben Shankerlal Patel. Smt. Kashiben Punambhai,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sur, No. 540. Plot No. 8 Open land-5682 sq. ft. Vrajwadi Jetpur Cross, Baroda,

> P. N. MITTAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th January 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2nd FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-

380009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

Ref. No. 52/Acq. 23-68/6-1/73-74.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 249/2. Tikka No. A-4/4 situated at Gendi-

Gate Road, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-tering officer at Baroda on 9-7-1973. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor. fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) (1) Shah Vadilal Chhotalal.
 - (2) Shah Kantilal Chhotalal
 - (3) Shah Sunderlal Chhotalal.

(Transferor)

(2) Choksi Mahendrakumar Shantilal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sur. No. 249/2 Tikka No. A-4/4, Land and building 420 sq. yds. Gendi-gate Road, Baroda.

> P. N. MITTAL, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th January 1974

FORM ITNS ___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

Ref. No. 57/Acq. 23-73/6-2/73-74.—Whereas, I, P. N. MITTAL.

being the competent authority under section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No 589-590, Plot No. 689, situated at Alkapuri, Baroda.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Baroda on 25-7-1973, for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice undersub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
27—426GI/73

(1) Shri Shivkumar Narayanrao Ambegaokar, (Transferor)

(2) Shri Dhirubhai Bhailal Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sur. No. 589-590, Plot No. 689. Open land Area: 6660 sq. ft. Alkapuri, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 15th January 1974

Scal -

FORM ITNS——

(2) Shri Gokaldas Ranchhoddas Ghelani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th January 1974

No. 58/Acq. 23-74/6-1/73-74,—Whereas, I, P. N. Ref. MITTAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing No. Sur. No. 188 Plot No. 309 situated at Nizampura Road, Baroda.

(and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on 16-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:--

(1) Shri Ratanlal Narandas Darji.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Sur. No. 188, Plot No. 309 (open land) Area: 14688-89. ft. on Nizampura Road, Baroda.

> P. N. MITTAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th January 1974

Scal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUINSITION RANGE-1 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 11th January 1974

Rel. No. IX/3/56/73-74,—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 987/2, 987/3, 988/2 & 998/2 situated at Coonoor, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Madras, on August, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Miss Eva Mathew, D/o. Late K. Thomas Mathew, Victoria Crescent, Egmore, Madras-8.

 (Transferor)
- (2) Mrs. Uma Kalyanasam, W/o. Squadron Lader Kalyanaram, Rossie-B. D.S.S.C., Wellington, Nilgris.

(Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the sais property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the Piece and Parcel of land and Building, Out houses and other fixtures comprised in S. No. 987/2, 987/3, 988/2 & 998/2 of an extent of about 0.94-7/16 cents known as Sunny Side (Part) within the Registration Dist. of Coimbatore and Registration Sub District Coonoor.

K. V. RAJAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Rauge-1,
Madras-6,

Date: 11-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 11th January 1974

Ref. No. F.X/10/11/73-74.—Whereas, I K, V, Rajan,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000.— and bearing No. land situated at T.S. Ward No. 5, Corporation Ward No. 8, T. S. No. 1563, 1559/1 & 1559/2 Madurai. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pudumandapam on July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideratior for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- ε) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. V. Asanammal, Smt. V Anwar Banu 135-C, North Perumal Maistry Veedhi, Madurai. (Transferor),
- (2) Mr. V. Christian, Treasurer of Indian Financial Association of the Seventh Day Adventists, Madurai. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 32665 sq. ft. in T.S. Ward No. 5, Corporation Ward No. 8, T. S. No. 1563, 1559/1 & 1559/2, Madurai District.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition
Range-1,
Madras-6.

Date: 11-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dharampal Jain, Sri Ashok Kumar Jain, Sons of Roshanlal Jain 7-A, Valliammal Street, Alagappa Nagar, Madras-10.

(Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 11th January 1974

Ref. No. E. 1X/2/20/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing No. 7-A, situated at Valliammal Street, Alagappa Nagar, Kilpauk, Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras on 26-7-1973 for an

apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Kishindas, S/o. Sadhuram, 7-A, Valliammal Street, Madras-10.

property may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 2½ grounds in Old Survey No. 158 and 159, Re-Survey No. 91, 92, 93, 94 and 96 bearing Door No-7-A situated at Valliammal Street, Alagappanagar, Kilpauk, Madras-10.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisiton
Range-1,
Madras-6.

Date: 11-1-1974.

Seal:

(Transferor).

FORM ITNS___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th January 1974

Ref. No. F.1X/3/104/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under
Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Woodhouse Road, Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II, Madras on 10-9-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri A. M. M. Arunachalam, M. A. Murugappan & M. A. Alagappan, Chittaranjan Road, Madras-18. (Transferor).
- (2) Sri M. Ananda Bhaskaran, No. 30, Aurobindo Street, Pondicherry-1 (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired laters.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow, measuring about 5000 sq ft known as Avenel Lodge' situated in Woodhouse Road, Ootacamund.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition
Range-1,

Madras-6.

Date: 11-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th January 1974

,Ref. No. F.XVI/1(1)/25/73-74.—Whereas I K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No 211/295 situated at 2nd Agraharam, Salem Town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I. Salem on 30-8-1973, for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri C. N. Balasubramanian Chettiar, 46, Bazar St., Salem Town.

(Transferor).

(2) Sri S. Narayanamurthy Chettiar, 186, Chinna Kadai St., Salem Town. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building measuring about 3940 sq. ft. situated at Door No. 211/295, Second Agraharam, Salem Town. (Ward No. 8).

K. V. RAJAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 11-1-1974.

Seal:

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th January 1974

Ref. No. F.X/10/10/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 77,78,79 situated at 'Town Hall Road, Madurai, and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pudumandapam on 25-7-1973, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Sri Kandasami Konar, S/o. Nambi Konar, 2. Smt. Munimmal, W/o. Kandasami Konar, 3. Sri Subramanian & 4. Palaniappan, Sons of Sri Kandasami Konar, No. 9, West Marret St., Madurai.
- (2) Sri Rathnam, S/o. Avadiappa Pillai, No. 9, Podi Banglow Lance. Mela Masi Veedhi. Madurai. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 1351 sq. ft. in T.S. No. 35/1, 36/1 & 36/2 situated at Survey Ward No. 5, Door No. 77, 78 and 79, Town Hall Road, Madural

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 11-1-1974.

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 11th January 1974

Ref. No. F.X/12/25/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, Gupta, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 26, situated at Besant Road, Madurai more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam, on 13-7-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Minor Suresh Kumar, By Guardian Smt. K. Kanakambigai, W/o. R. Kanakasabai, Old Natham Road, Chokkikulam, Madurai,

(Transferor).

 Minor Muralidharan, By Guardian K. Madanavalli, W/o. Dr. C. Kalida, 26. Besant Road, Chookiku lam, Madurai.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to evry person who ha, made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building measuring about 15 cents 78 sq. ft. in Old Survey Ward 10, Block 1, T.S. No, 874/7 (Part) New Ward No. 6, Block No. 75, Re-T.S. No. 4438, situated at No. 26, Besant Road, Chokkikulam, Madurai, Building Area 1907 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Madra v. 6.

Date: 11-1-1974,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 11th January 1974

Ref. No. F. IX/7/35/73-74.—Whereas, J, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing door No. 1/30 situated at Pantheon Road, Egmore Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at West Madras, Periamet 13-7-1973, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be, disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Mrs. Veknatavalli alias Prema, W/o. C. Pratap Kumar, 36, Thirumalai Pillai Road, T. Nagar, Madras-17. (2) I. M. Murugesa Naicker, No. 1 First Link Street, C.I.T. Colony, Madras-4. 2. M. Thirunavukkarasu No. 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Madras-4. 3. T. Govindaswami 62-B, Mowbrays Road, Abhiramapuram Fourth St. Alwarpet, Madras-18. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North-western portion of the property vacant land bearing Door No. 1/30, Pantheon Road, Egmore Madras measuring about 2 grounds and 1895 sq. ft.

K. V. RAJAN, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1,

Madras-6,

Date: 11-1-1974,

Scal:

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1 123 MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 11th January 1974

Ref. No. F. XIX/22/2/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. land situated at Minnadicheri Village, Thenkasi, and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thenkasi on 13-7-1973. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of ection 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Meera Sahib Shahul Hameed, Basheer Ahmed Sons of Mohideen Pitchai Maraikair St., Thenkasi, (Transferor).

(2) Isakki Thevar, Subbiah Thevar, S/o Isakki Thevar, Muthiah Thevar, S/o Subbiah Thevar, 156, Kamaraj Road, Ramakrishna Nagar, Madras-87. (Transferce).

the Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is horeby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

it is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 5.65 acres as under situated at Minnadicheri Village. Thenkasi. S. No. 16/3—1.43 acres. 15/8—0.70 acres.

16/5—0.81 acres. 15/2—0.15 acres.

15/3—0.20 acres. 15/7—0.60 acres.

15/9-0.07 acres.

16/4-0.87 acres. 15/4-0.39 acres.

16/1 0.43 acres.

K. V. RAJAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 11-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-1 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 11th January 1974

Ref. No. F. 1X/3/50/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at New Kodambakkam Road, Madras. more fully described the Schedule ín annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at JSR. II. Madras, on 13-7-1973. for an apparent consideration which than ig less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) M/s. Nelson & Co., 62 Swami Pillai Street, Choolai, Madras-7. (Transferor).
- (2) Nlson Type Foundry Private Ltd. 62, Swami Pillai Street, Madras. (Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 21 grounds and 1705 sq. ft. situated at Door No. 1, New Kodambakkam Road, T. S. No. 3, Block-16. O.S. No. 14/8, Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras-29

K. V. RAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6,

Date: 11-1-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OUTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 15th January 1974

Rel No. F. IX. 3, 48/73-74.—Whereas I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-A sturved at Woods Road, Madras-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR. I', Madias, on July, 1973 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of second transfer with the object of second transfer in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely:---

- (1) Smt. J. Padmini, No. 30/6, Sixth Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28. (Transferor).
- (2) Shri P. Govindaswamy, 2/c, Brahadambal Road, Nungambakkam, Madras-33. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall share of Jand and the building thereon Called Odeon Cinema Theatre measuring about 11 grounds 233 sq. ft. situated at No. 8-A, Woods Road, Madras-2.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Rauge-1,
Madray-6.

Date: 11-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR,

Kanpur, the 14th January 1974

Ref. No. F. 24(Meerut)/Acq/73-74/2374,—Whereas I, Y. Khokhar.

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4 3of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at Thatherwara, Meerut City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-8-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) 1. Shri Rajendra Kumar Jain S/o Late Lala Padam Prasad; and 2. Sri Awadhesh Kumar Jain S/o Sri Rajendra Kumar Jain, Mohalla Kamlanagar, Baghpat Road. Meerut.

(Transferors)

(2) Sri Rajendra Prasad Agarwal S/o Sri Sardari Lal, Accountant, Central Bank of India, Mecrut City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One two storeyed house No. 201-203 with water pipe and electric fitting in area of 80 Sq. Yds. which building was constructed in 1960, situated at Thatherwara, Mcerut City.

Y. KHOKHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax, Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 14-1-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV. P-13. CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 7th January 1974

Ref. No. AC-26/R-IV/Cal/73-74.—Whereas, I, George Varghese.

Varghese, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kt. Nos. 109, 50, 28, 139, 220, 282, 284, 336, 96, 95, 94, 84, 33, 349, 201, 45, 11, 63, 91, 69, 32, 200, situated at P. S. Barasat, Mouza-Panihara, Dag Nos. 371, 372, 380-386, 380/690, 389, 401-409, 456, 496-503, 506, 511-514, 516, 518-520, 575, 577, 604 and 390 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat on 21-7-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of tho Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) the (43 of 1961) Income-tax Act, 1961 or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: -

- (1) Shri Kirori Mal 27, Ramsarup Khattery Road, Calcutta-53. (Transferor)
- (2) Smt. Puspa Agarwala, 13, Lake Avenue, Calcutta-26. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

9 acrcs, 64½ decimal land at P.S. Barasat, Mouza—Panihara, Kt. Nos. 109, 201, 50, 28, 139, 220, 282, 284, 336, 96, 84, 33, 349, 45, 11, 63, 91, 69, 32, 95, 94, 200, Dag Nos. 371, 372, 380-386, 380/690, 401-409, 456, 496-503, 506, 511-514, 516, 518-520, 575, 577, 604, 389 and 390.

G. VARGHESE. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Aange-IV, Calcutta-I.

Dated: 7-1-1974,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-I.

Calcutta-1, the 8th January 1974

Ref. No. TR-833/C-154/CAL-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the

competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 105 situated at Park Street, Calcutta-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in th office of the registering officer at

The Registrar of Assurances, 5 Govt. Place North, Calcutta on

24-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the transferror(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s Machines and tools Entre-Pot.

(Transferor)

(2) Sri Taikram Chabria,

(Transferee)

(3) M/s Instrumentation 1 td. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in the first floor and garage No. 15 in basement of Premises No. 105 Park St. Calcutta-16 measuring 2005 sq. ft. consisting of 3 rooms, 1 hall, Kitchen bath rooms etc.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta-1.

Dated: 8-1-1974.

Sen1;

(I) Chandra Hirjee & Another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAN ACT: 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Quazi Mohammad Iqbal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, I. P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calculta-1, the 8th January 1974

Ref. No. TR-840/C-159/CAL-I/73-74.--Whereas. I, S. K. Chakravarty.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 situated at Wood Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 19-7-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferocts) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two-fifth undivided share of house property at 9 Wood Street, Calcutta on an area of 2 Cottahs 6 Chittacks and 9 Square feet,

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range I. P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Dated: 8-1-1974

Seal:

29-426GI/73

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-J, P-13. CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA.

Calcutta-1, the 8th January 1974

Ref. No. TR-845/C-168/CAL-I/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 situated at Wood Street, Calcutta,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 19-7-1973,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Jayanta Hirjee and Another.

(Transferor)

(2) Dr. Quazi Mohammad Iqbal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two-fifth undivided share of house property at 9, Wood Street, Calcutta on an area of 2 Cottals 6 Chittacks and 9 Square feet.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-I, P-13, Chowringhee
Square, Calcutta.

Dated: 8-1-1974.

Seat:

FORM TINS----

(1) Shri Kirari Mal, 27, Ram Sarup Khattery Road, Calcutta-53. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. P-19, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutte, the 7th January 1974

Ref. No AC-27/R-IV/Cal/73-74.—Whereas I, George Varchese.

being the competent authority under section 269B of the

Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khotian No. 40, 349, 348, 338, 50, situated at P. S. Barasat Mouza Panihara Dag Nos. 369, 371, 372, 387, 389, 389, 383, (and more fully dec.

(and more fully des-

ferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Barasat on 21-7-73,

411 apparent consideration which than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properfix as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for of 1922) or the Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings to: the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-iax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely :---

(2) Smt. Puspa Agarwala 13, Lake Avenue, Calcutta-26. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

LAPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.27 Acre of land at P. S. Barasat Mouza Panihara Kt. Nos. 40, 349, 348, 338, 50 Dag Nos. 369, 371, 372, 387, 389, 389, 383 and a building 18' x 32' constructed in 1958.

G. VARGHESE.

Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Rauge-IV, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Dated: 7-1-1974.

FORM ITNS-----

(1) Shri Roop Singh S/o Sh, Chogaji Singhji Kachwaha R/o Mandore Road, Jodhpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Leel Kanwar W/o Prasan Chandji Chordia R/o Nokha Chandawatan, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said proporty may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER ACQUISITION RANGE, JAIPUR (CAMP NEW DELHI)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 10th January 1974

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. J-17/73(13)72/6. -- Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. and bearing No. House on plot No. 91, Roop, Villa situated at Jodhpur, and more tully described in

It is hereby notified that a date and place for hear ing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-7-1973

> It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Built House on Plot No. 91 at Paota, Polo Mandore Road Jodhpur Roop Villa' having area 600 sq. yds.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aloresaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

V. P. MITTAL. Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur) (Camp New Delhi)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Dated: 10-1 1974,

Seal.

FORM ITNS-----

(1) Shri Vishun Lal & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW,

Uncknow, the 11th January 1974

Ref. No. 22.H/Acq.—Whereas, I. K. N. MISHRA, being the Competent Authority under

Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Mirgani.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 13-7-1973

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration & that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whoreas the reasons for mitrating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Hori Nathi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 10000 sq. Ft. situated at Madan Mohan Allahabad.

K. N. MISHRA,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow).

Dated: 11-1-1974

FORM ITNS ----

(1) Shri Vidya Prakash,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri U. P. State Bridge Corporation, Lucknow. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

transferee of the property.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 11th January 1974

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-

ing the objections, if any made in response to this

notice against the acquisition of the immovable pro-

perty will be fixed, and notice thereof shall be given

to every person who has made such objection, and the

Ref. No. 6.U/Acq.--Whereas, J. K. N. Mishia, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 196) (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

16 situated at Madan Mohan Malviya Marg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 28-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEOULE

A plot measuring 10000 sq. Ft, situated at Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

K. N. MISHRA, Competent Authority. (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

Dated - 11-1-1974.

Scal:

(2) Smt. Saroj Kapoor,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

OOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 11th January 1974

Ref. No. 50/S/Acq.—Whereas, I. K. N. Mishra, being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1 situated at Wazir Hasan Road

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Lucknow on 26-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Aketarun Nisa. (Transferor)

1 MIT LET

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby (urther notified that every person to whom nonce is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 8010 sq. ft. situated at Wazir Hasan Road Lucknow.

K. N. MISHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 11-1-1974,

FORM ITNS-----

(1) Shri Om Prakash & others,

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Bishwa Nath Pd & others

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Eucknow, the 11th January 1974

Ref. No. 41B/Acq,—Whereas, I, K. N. Mishra. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 940, 956, 961, 988, 1158, 945, 961–1159, situated at Ismail Gani.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I ucknow on 4-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made—such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

An agricultural Land measuring 9 Bighas 15 Biswas 6 Biswansi situated at VIII, Ismail Ganj Distt, Lucknow.

K. N. MISHRA,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Lucknow).

Dated: 11-1-1974.

Scal:

Part III—Sec. 1]

FORM ITNS----

(1) Shri Mangal Das.

(2) Shri Ranjana Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

•

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW,

Lucknow, the 11th January 1974

Ref. No. 47-R/Acq.—Whereas, I K. N. Misra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

73, 74-494/206, situated at Sarai Hasan Ganj (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 2-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

30-426GI/73

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two houses measuring 2,200 Sq. Ft. situated at Sarai Hasan Ganj, Lucknow.

K. N. MISRA,

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow),

Dated: 11-1-1974,

(2) Shri Dalbir Singh

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW.

Lucknow, the 11th January, 1974

Ref. No. 19-D/Acq.—Whereas, I. K. N. MISHRÁ, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 291 to 322 etc. situated at Vill. Saharia. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 4-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

(1) Shri Gyan Chand

Date

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 47 Bighas 18 Biswas situated at Vill. Sabaria Distt. Rampur-

K. N. MISHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucktow.

Dated: 11-1-1974.

(Transferor) Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sikander Begum.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th January, 1974

Ref. No. 51:S/Acq..—Whereas, I, K. N. MISHRA, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 369/6 to 29 situated at Vill. Garhia Sultanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Smt. Aziza Begum & others.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 houses measuring 5820 sq. ft. situated at VIII. Garhia Sultanpur, Lucknow-

K. N. MISHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Dated: 11-1-1974.

Seal:

(Transferor)

(1) Smt. Shakuntla Devi.

(Transferor)

(2) Smt. Chanda Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE. LUCKNOW.

Lucknow, the 11th January 1974

Ref. No. 11-C/Acq.—Whereas, I, K, N. MISHRA, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow

Competent Authority the being 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Chak (and more fully described

In the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the (ransferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-ti 7 Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections; if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 383 sq. yrds, situated at Chak, Allahabad.

> K. N. MISHRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 11-1-1974.

Séal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 11th January, 1974

Ref. No. 22-J//Acq.—Whereas, I, K. N. MISHRA, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 860 to 866, situated at Barkherwa Mahewa. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lakhimpur on 6-7-1973

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Shiv Shanker.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal & others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 1.92 acres situated at VIII. Barkherwa Mahewa, Distt. Lakhimpur.

K. N. MISHRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Dated: 11-1-1974.

(1) Shrl Badal Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.

(2) Shri Devi Bakhsh Singh & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 11th January, 1974

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

•

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Ref. No. D-20/Acq.—Whereas, I, K. N. MISHRA, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 47 etc. situated in Distt. Barabanki, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haidar Garh on 25-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have resent to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

One house and agricultural land measuring 13 Acres, 15 dicimil situated in Distr. Barabanki.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. N. MISHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Dated: 11-1-1974.

l) to Seal (

Now, therefore, in gursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1973

Ref. No. J-3/73(7)/8/45.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D 227 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jaipur on 10-4-73

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Shiv Nath Singh S/o Govind Singh R/o D-227, Tulsi Marg, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Veer Bahadur Singh S/o Kv. Govind Singh, D. I.G. R/o D-231, Tulsi Marg, Bani Park, Jalpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-227 at Tulsi Marg, Bani Park, Jaipur Area 1001 sq. yds,

V. P. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 13-9-73.

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUNSITION RANGE-1 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 16th January 1974

Ref. No. F. XVI/24/19/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, ker. No. F. XVI/24/19/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. lands situated at Theyur village, Kumarapalayam Salem District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Kumarapalayam on 5-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

 Munia Gr. S/o Kandasami Gr., 2. Perumayi, W/o Munia Gr. 3. T. M. Palaniappan, 4. Sengodan, Sons of Munia Gr. 5. Muniyayi, W/o Guruswami, Thevur village Ammapalayam. Sangagiri Taluk, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Sri S. Palaniappan, S/o Chellappa Gr. Reddiarpalayam, Alathur Village, Sri P. S. Palabisami, S/o. Sami Muthu Gr., Nallampalayam Paligadu, Alathur Village, Sangagiri Taluk, Salem Dist. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 0.99-1/3 acres (1/3/share in 2.98 acres) in R.S. No. 319/1 and 1.57 acres in R.S. No. 319/3 situated at Thevur village, Kumarapalayam subdistrict. Salem District.

> K. V. RAJAN Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 16-1-1974.

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1

123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras the 16th January 1974

Ref. No. F. VI, 5/2/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 703 situated at East Chertjapatti village. Palani Taluk, and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chatrapatti on 13-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Sri W.P.A.R. Rajagopalan, S/o. Rathnasami Nadar, Pattiveeranpatti P.O. Nilukkottai Taluk, Madurai Dist.

(Transferor).

(2) Sri W. P. A. R. Ramamurthi Nadar's sons Sri R. R. Jayaprakasam and R. R. Arunachalarajan, Pattiveeranpatti P. O., Nilakkottai Taluk, Dindigul, Madurai Distt.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 40 acres in Survey No. 703 situated at East Chettiapatti village. Palani Taluk, Madurai Distt.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 16-1-1974.

Scal:

31-426GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUNSITION RANGE-1
123. MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 16th January 1974

Ref. No. F. IX/3/83/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Survey No. 320/I-A at Padi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR. II, Madras on 12-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has

not been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

- Smt. Saraswathi Ammal, W/o Rajaram, 4, Perumal Naicken, St., Madras-7.
 (Transferor).
- (2) Sri A. K. Adikesavalu Naidu Ayanambakkam Village Agraharam, Madras-53.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferec of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Lands measuring about 35½ cents situated in Survey No. 320/1A at Padi.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Runge-1,

Madra5-6,

Date: 16-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras the 16th January 1974

Ref. No. F. IX/2/23/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 82 situated at Kodaikanal, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR. I, Madras on July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) American Baptist Foreign Mission Society, 20/3, Avadi Road, Madras-10. (Transferor).
- (2) Sri V. Srinivasan, 2. Satyanarayana Avenue, Madras-28. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building known as "Mount Rest" measuring about 1.03 acres in S. No. 82 situated at Kodaikanal Madurai.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I Madras-o.

Date: 16-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-1 23, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1974

*-Ref.: No. F. 1X/3.79/73-74.—Whereas, 1, K. V. Rajan, section being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Darapadavedu village, Katpadi N.A. District.

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR. I. Madias, on July 1973. for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have rgason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) M/s. Katpadi Oil Products Pvt, Ltd., 3, Vahimalai Road, Katpadi, N.A. District,

(Transferor).

(2) M/s. Bharat Development Corporation Private Ltd. 3 Vahimalai Road, Katpadi, N.A. District,

(Transferec).

*(3) M/s. Star Oil Mills. (Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building (Oil Mill) in S. Nos. 343/2A. 343/1 (Part) and 353/1 situated at Darapadavedu Village. Kaipadi, N.A. District measuring about 4 acres 66 cents.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1.

Madras-6.

Range-I,

Date: 16-1-1974.

Scal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 16th January 1974

Ref. No. Sub-Reg/Gwalior/15-8-73,—Whereas, I, M. F. Munsha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair matket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 39, 2 P. H. No. 16 situated at Kadam Sab-Ka-bada Mama-ka-Bazar Lushkar, Gwalior situated at Gwalior and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 10-8-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

 Shri Jhammatmal S/o Shri Chunnamal Sindhi R/o Kadam-Sab-Ka-Bada, Mama-ka-Bozar, Lashkar, Gwalior, (Transferor) (2) Shrimati 1 axmlbai W/o Shri Sachalmat Taneja partner in M/s Ranjamal Suchalmal Oil Mills, Tejendranath Galli Dal Bazar Lashkar, Gwalior. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Kadam-Sab-ka-Bada, Mama-ka-Bazar Lashkar, Gwalior M. No. 39/2 P.H. No. 16 East, West, North & South: Public Road.

> M. F. MUNSH1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date · 16-1-1974.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th January 1974

Ref No. Sub-Reg/Ujjain/15-8-73.—Whereas, I, M. F. Munshi.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

4/503 old and 27 new situated at Mohalla, Mirza Naim Baig

Marg, City Ujjain situated at Ujjain

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ujjain on 7-8-1973

for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shrimati Shyam Pyari Bai w/o Shri Ramratan Jhawar R/o Satyanarayan Shyam Sunder House Near Sahid Park, Freeganj, Ujjain, M.P. (Transferor)
- (2) Shri Vimalchand S/o Shri Soubhagyamal Jain (2) Smt. Sashi Kanta W/o Shri Vimalchand Jain C/o Bank of India, Khargone, M.P. (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/503 old and 27 new situated at Mohalla Mirza Naim Baig Marg, City Ujjain 2 storied Pakka area 606-48 sq. ft.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax. Acquisition Range
Bhopal

Date: 16-1-1974.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th January 1974

Ref. No. Acq. 23-I-50/1-1/73-74.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 239-1 F.P. No. 23, T.P.S. No. 24 situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 8-10-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Ramakantaben, daughter of Gordhandas Jethalal, Vachli Pole, Navo Vas, Danapith, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Ratilal Ranchhoddas for and on behalf of Adarsh Construction Co., 6, Amidhara Flats, Maninagar, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajpur-Hirpur, Ahmedabad T.P.S. No. 24 Final Plot No. 23, Survey No. 239-1, Land admeasuring 1680 Sq. Yards. (with Construction).

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Alimedabad

Date: 19-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th January 1974

Ref. No. RAC. No. 140/74.—Whereas, I S. Balasubra-naniam,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-118 to 128 situated at Lingampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 18-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby fulfate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (11 of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Krishnarao, Desai, S/o Venkatrao Desai, Deputy Commissioner of Endowment Dept. (Executive officer, Yadgirgutta, Nalgonda Dist. (Transferor).
- (2) Smt. Kamal Kaur, W/o Harbans Singh, H. No. 14-2-390 Razakpura, Goshamahal, Hyderabad. (Transferee)
- *(3) Transferee only.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: H. No. 3-4-118 to 128 Lingampaly, Hyderabad. Date: 10-1-1974.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Hyderabad, A.P.

Date: 10-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th January 1974

Ref. No. RAC No. 142/74.—Whereas, I S. Balasubramaniam.

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5-1-587 to 590 and 591 situated at Troop Bazaar, Hyderabad A.P.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

(Joint Sub Registrar) under Documents 1757 and 1759 at Hyderabad on 14-7-1973 for an apparent con-

sideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Jncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
32-426GI/73

- Shrimati Fatima Soghra wife of late Syed Sha Abdul Khader, aged 65 years, residing at 'Firadausi Manzil' Troop Bazaar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shrimati Tara Begum Aktharunnisa wife of Syed Mohammed Hussain Quadri, aged 32 years, residing at 5-1-590, Troop Bazaar, Hyderabad (Transferee under Document No. 1757). Sri Syed Ali Hassan son o late Syed Shah Khader, aged 26 years, residing at Troop Bazaar, Hyderabad, (Transferee under Document No. 1759). (Transferee).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property covered by Document No. 1757).

1. House bearing Municipal No. 5-1-587 to 5-1-590 measuring 846.6 sq. metres situated at Troop Bazaar, Hyderabad constructed in the year 1920 (1920) bounded as follows:

North: House No. 5-591 and Neighbour's.

South: Lane and House of Neighbour's.

East: Neighbour's house, Fakar Manzil.

West: Lane and House No. 5-1-591.

2. (Property covered by Document No. 1759)

House bearing No. 5-1-591 measuring about 328 sq. metres situated at Troop Bazaar, Hyderabad bounded as under:

North: Neighbour's house.

South: Lane and passage of H. No. 5-1-587 to 590.

East: House No. 5-1-587 to 590. West: Lane and House of Lateefuddin.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-1-1974,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th January 1974

Ref. No. RAC No. 141/74.—Whereas, I S. Balasubra-

being the competent authority

under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing 5-1-612 situated at Troop Bazaar Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed

registered under Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at (Joint Sub Registrar) Hyderabad on 14-7-1973 under

Document No. 1756.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shrimati Fatima Soghra wife of late Syed Sha Abdul Khader, aged 65 years, residing at 'Firdaus Manzil' Troop Bazaar, Hyderabad, A.P. (Transferor)
- (2) Shri Syed Ali Moosa Raza son of late Syed Shah Abdul Khadei, aged about 33 years, residing at Troop Bazar, Hyderabad. A.P. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Exelanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 5-1-612 measuring 1162 sq. metres situated at Troop Bazaar, Hyderabad bounded as follows: (The house constructed in the year 1920)

North: Lane.

South: House No. 5-1-605 and common passage. East: House No. 5-1-593 and common passage.

West: House No. 5-1-611/1.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-1-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th January 1974

Ref. No. RAC No. 143/74.—Whereas, I S. Balasubra-

being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-5-377 situated at Narayanaguda, Hyderabad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Joint Sub-Registrar at Hyderabad on 14-7-1973 under Documents 1785 & 1760.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957). Indian the Oľ the OΓ the

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax 1961 (43 of 1961) to the following persons, Act, namely:-

- (1) Shrimati Fatima Soghra wife of late Syed Sha Abdul Khader, aged 65 years, residing at 'Firadause Manzil' Troop Bazaar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri Syed Ali Moosa Raza son of late Syed Shah Abdul Khader, aged about 33 years, residing at Troop Bazaar, Hyderabad. (Transferee under Document No. 1758). Smt. Mazharunnisa daughter of Mohd. Zakiuddin, aged 32 years Occupation, Teacher Residing at Troop Bazar, Hyderabad. (Transferee under Document No. 1760).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. (Property covered by Document No. 1758).
Major Portion of House No. 3-5-377 measuring 227 sq.
metres situated at Narayanguda, Hyderabad bounded by: (The house was constructed in the year 1935)

North: Road.

South: Minor portion of House No. 3-5-377,

East: Road,

West: Neighbour's malgies.

2. (Property covered by Document No. 1760) House bearing Municipal No. 3-5-377 measuring 108.75 sq. metres situated at Narayanguda, Hyderabad bounded by; North: House No. 3-5-377 (Major portion). South: Neighbour's Seri and Mulgi. East: Road.

West: Neighbour's malgies.

S. BALASUBRAMANIAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-1-1974.

(1) M/s. V. B. Patel & Co. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jai Krishna Co-operative Housing Society Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II SIONER OF AAYAKAR BHAVAN M. KARVE MARG, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay-20, the 17th January 1974

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/669/1291/73-74.-Whereas, 1 G. N. Sadhu, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> It is hereby further notified that every person to notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Plot No. 43, Sector No. 1, S. No. 320 (Pt) situated at Chembur

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registra-tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

THE SCHEDULE

Bombay on 3-7-1973,

fer; and/or

ALL THAT piece or parcel of land lying and being at All THAT piece or parcel of land lying and being at Chedda Nagar, Pestom Sagar, Chembur in Sector No. 1 bearing Plot No. 43 admeasuring 720 square yards i.e. 654.99 square metres or thereabouts in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District, forming a part of the larger piece of land bearing Survey No. 320 and bounded as follows, that is to say, On or towards the East by Plot No. 44, On or towards the West by 30' wide road, On or towards the North by Plot No. 45 and On or towards the South by Plot No. 40 No. 40.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

respect of any income arising from the trans-

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

G. N. SADHU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:

Date: 17th January 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.Range-II/73-74/7024.—Whereas, I. C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-167A situated at Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-8-1973,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd. 40-F, Connought Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Arjun Kumar Aggarwal S/o Shti Ram Nagh Aggarwal, R/o D-11/200, Kidwai Nagar West, New Delhi-23. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yds. & bearing No. W-167-A in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at Village Bahaput in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 18th January, 1974.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Ref. No. 52/S/Acq.—Whereas, I.K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Said Pur

662

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Said Pur on 6-7-1973

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Ghulam Qadir. (Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi & others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 10½×4 vds. situated at Kasba Said Pur Distt. Ghazipur.

K. N. MISRA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Lucknow

Dated: 15-1-74

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Ref. No. 27-A/Acq.—Whereas, 1 K. N. Misra, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85 & 89 situated at vill. Harharpur Bahrua (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Behri on 11-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-ta_x Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Asha Choudhary & others. (Transferor)
- (2) Shri Anokh Singh & others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice the every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 32 beghas 5 Biswas situated at vill. Harharpur Bahrua Distt. Bareilly.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Dated: 15-1-74

FORM ITNS...

(1) Ranjit Singh. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar & others. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Ref. No. 26-A/Acq.—Whereas, 1 K. N. Misra I.A.C., acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Distt. Bareilly

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawabganj on 17-7-1973,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely;....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 1928-8/9 sq. ft. situated in Distt. Bareilly.

K. N. MISRA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax, Acquisition Range,

I.ucknow

Dated: 15-1-74

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Ref. No. 23-K/Acq.—Whereas, I.K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 150/167 situated at Himmatpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bijnore on 26-7-1973,

for on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prem Chand & others. (Transferor)
- (2) Shri Sardar Kaka Singh & others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 167 Bighas 5 Biswas situated at Vill. Himmat Pur Distt. Bijnore.

K. N. MISHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Lucknow

Dated: 15-1-1974.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Ref. No. 42-M/Acq.—Whereas, I.K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Bazar Darzi Chowk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bareilly on 15-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term; of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagat Narain & others. (Transferor)
- (2) Shri Ved Prakash Kohli. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated at Bazar Darzi, Bareilly

K. N. MISRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner
of Income tax, Acquisition Range,

Lucknow

Dated: 15-1-74

FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd January 1974

Ref. No. Acq. 23-I-33/1-1/73-74.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1.P.S. No. 3, Sub-Plot No. 3, Municipal Census No. 1257/1 situated at Near Panchwati, Ellishridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shii Chimbhai Sakalchand Dalal, Dhaluj Pole, Near Ashapuri Mata Khancha, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Manjulal Bhailal Shah, Mandvini Pole Shethui Pole, Ahmedabad, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ellisbridge, Near Panchwati, Patidar Co-op. Housing Society Itd., Ahmedabad T.P.S. No. 3, Sub-Plot No. 3, Municipal Census No. 1257/1, Land admeasuring 875 Sq. Yds. (with construction).

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-1-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 22nd January 1974

Ref. No. AR-II/835/138/73-74.—Whereas, I G. N. Sadhu the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay,

being the Competent Authority under section

269B of th eIncome-tax Act. 1961 (43 of 1961).

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. 925. H. No. 6 (Part Survey No. 4A) situated at Chuim Khar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 24-7-1973,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of only income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anthony D'Souza & Smt. Katty Anthony D'Souza. (Transferor)
- (2) Shri Nasiruddin Alimuddin & Smt. Akhtari Begum Nasiruddin (Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Al.I. THAT piece or parcel of land registered in the Books of the Collector of I and Revenue under Survey No. 4-A, Hissa No. 6 (part) Now City Survey No. 925 situated at Chuim, Khar, in the Revenue Village of Danda Taluka Andheri, Bombay suburban District in the Registration Sub-District of Bandra and containing approximately 363 sq. yds. equivalent to 316 sq. meters or thereabouts and bounded on the North by Mr. Anthony J. D'Souza's property on Goving Patel Road, on East by the Plot of Lilaram Bhuvan Society on West by the plots of land bearing Survey No. 926 & 923 & on the South by the plot of Gasau, now in registration District of Bombay Suburban Sub-Registrar of Bombay.

G. N. SADHU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 22nd January 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

KANPUR

Kanpur, the 21st January 1974

Ref. No. F. 112/Acq/6160/Meerut/73-74/2444.—Whereas, 1 Y. Khokhar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Br. 25000/, and begins No.

exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Eastern Kutchery Road, Mecrut city (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 28-9-73 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Hari Om Prakash S/O Sri Kripashankar Verma in self capacity as well as Mukhtaram on behalf of S/Sri Ved Prakash Bhatnagar, Ram Prakash Bhatnagar & Satya Prakash Bbatnagar, Kothi Buri Mahal, Fastern Kutchehry Road, Meerut City, (Transferors)
- (2) Dr. D. K. Jindal SIO Sri Mauji Ram and Smt. Madhu Jindal W/O Dr. D. K. Jindal, Church Mission Compound, near Thapar Nagar, Meerut (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said: immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1500 Sq. Ft. land in the ahata Kothi Burj Mahal No. 79/1 and 80, Eastern Kutchery Roud, Meerut City.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-1-74.

Scal:

FORM ITNS ----

(2) Shri Ramlal & others. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th January 1974

Ref. No. 48-R/Acq.—Whereas, I K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71 & 68 situated Kandli Bagar (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sikanderbad on 18-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Gopal. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

VEXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 33 bighas 7 Biswas situated at vill, Kandli Bagar. Distt. Bulandshar.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 16-1-74.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th January 1974

Ref. No. 53-S/Acq.—Whereas, 1, K. N. Misra, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow

being the Competent Authority under section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/100 situated at Nawab Gang

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 10-7-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Devi & others. (Transferor)
(Transferee)

(2) Shri Shiv Raj Rastogi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house with total plinth 1000 sq. ft, consisting four rooms at each floor situated at Nawabgani Varanasi,

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, I ucknow

Date: 16-1-74.

Scal;

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 19th January 1974

Ref. No. AR-II/819/1299/73-74.—Whereas, I G. N. Sadhu the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to being the Competent Authority under section 269B of value exceeding Rs, 25,000/- and bearing T.P.S. III, Final Plot No. 751 situated at Khar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 7-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (2) 1. S/Shri Jairam Ramji, 2. Naresh Jayram, 3. Jitendra Jayram, 4. Kailesh Jayram, 5. Maniban Jayram, 6. Meghji Ramji, 7. Kantilal Meghji 8. Dinesh Meghji, 9 Tanak Meghji, 10. Mahendra Meghji, 11. Dhirajlal Meghji, 12. Dhangauri Meghji Ramji. (Transferors)
- (2) Shri Miya Ahmed Haji Ismail Tayeb Chhapra.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground bearing Final Plot No. 751 of the Bandra Town Planning Scheme III admeasuring 425 sq. yds. equivalent to 355.34 sq. metres or thereabouts situate at Khar, Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and assessed by municipality under 'H' Ward No. 5050(1) street No. 42 Khar Road and bounded as follows, on or towards the North by Plot No. 752, on or towards the West by Swami Vivekanand Road formerly known as Ghodhunder Road, on or towards the South by Final Plot No. 750 of the Scheme and on or towards the East partly by Final Plot No. 755 and partly by Final Plot No. 756.

G. N. SADHU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 19th January 1974.

Scal:

FORM ITNS...

(1) Shrì Horam. (Transferor)

(2) Shvi Chandra Traders (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269-D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th January 1974

Ref. No. 12-L/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 621 & 649 situated at Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed

here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikendrbad on 2-7-1973, for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

34-426 GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An agriculturing land measuring 2 Beghas 19 Biswas 8 Biswansi situated in Distt. Bulandshahr.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 16-1-74.

(1) Shri Nanji Laxman Tank. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 17th January 1974

Ref. No. AR-II/688/1404/73-74.—Whereas, I G. N. Sadhu the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 459, 451/1, 452/2, Plot No. 593 New CST No. 68 situated at Chembur

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 13-7-1973, Bombay on 24-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Smt. Monghibaj Hansraj Shah. (Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service o fnotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have so right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece and parcel of land including structure thereon situated at Village Chembur, Taluka Kurla, District Bombay Suburban Registration Sub-District and Dist Bombay City and Bombay Sub. Dist. as under:—

| Scheme No. | Plot not. | Area | | C.T.S. No. |
|------------|-----------|-----------------|------------------|-----------------------|
| 3 | 593 | Sq. yds. J71 | Sq. meter 142 | 495 451/1 452/2 |

New C.S.T. No. 68 Chalta No. 336 and 70 to 71. Municipal Ward M 1426(2) E/59 Sion Trombay Road.

G. N. SADHU,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 17th January 1974. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 19th January 1974

Ref. No. AR-II/667/1289/73-74.--Whereas, I, G. N. Sadhu the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Suburban Scheme III, Plot No. 403/D/1 situated at Chembur (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-7-1973,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction or of the transferor to pay 1ax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) 1. Shri Dhirajlal Bhanji Patel, 2. Shri Bhagwanji Visram Patel, 3. Shri Bijal Monji Patel, 4. Shri Amratlal Khimji Badrakia, 5. Shri Jagjiyan Mavji Adiccha, 6. Shri Dayalji Mukhanji Chhaniara. (Transferors)

- (2) Shree Venkatnagar Co-operative Housing Ltd. (Transferee). Society
- S/Shri K. P. Sarathi, 2. N. V. Ramchandran,
 M. Satyanarayana Murthy, 4. V. Rammurthi,
 R. Guru, 6. P. S. Ramaswamy, 7. T. Santha Krishnan, 8. B. J. Rao, 9. K. P. Veera Raghavan,
 R. Radha Krishnan, 11. C. K. Rao, 12. V. Ramnathan. (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land hereditaments and premises together with the buildings and structures standing thereon situate opposite to Avenue Garden at Chembur in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban, admeasuring about 700 square yards and being plot No. 403/D/1 (being part of Plot No. 403) of Suburban Scheme No. 111 of Chembur and bounded as follows: that is to say on or towards the Fact by land hearing lows: that is to say, on or towards the East by land bearing Plot No. 403/D/2 of the said Scheme, on or lowards the West by land bearing Plot No. 404 of the said Scheme, on or towards the South by land bearing plot No. 403 of the said Scheme and on or towards the North by a private road.

G. N. SADHU .

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19th January 1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor),
- Dr. K. L. Taneja, S/o Shri Bhoja Ram, R/o Bazpur, Dist. Nainital | UP). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,

NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1974

Ref. No. 1AC/Acq. Range-11/73-74/1714.—Whereas 1, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43

of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S-77 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi on 28-8-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby Initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by anyother person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and purcel of land being plot No. 77 measuring 412 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated in Village Bahapur in the Union Territory of Delhi bounded as under:—

East: Road. North: Road. West: Service Lane.

South: Plot No. S-79,

C. V. GUPTF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range II,
New Delhi

Pate: 22nd January, 1974.

Scal

[Strike off where not applicable]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1974

Ref. No. IAC/Acq. Range-II/73-74.---Whereas C. V. Gupte,

being the competent Authority

under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S-266 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-8-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s, D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Col. Harish Chander Taneja, S/o Shri Wasdeo Taneja, 'Birjus Bhawan', Marris Road, Aligarh (UP). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land measuring 299 sq. yards and bearing No. S-266 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at Village Bahapur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, New Delhi

Diste: 25th January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECT-ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 22nd January 1974

Ref. No. TR-140/Vol(ii)/C-198/DAR-1/73-74.—Whereas, I.S., K. Chakravarty,

being the Competent Authority under section

269B, of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) have rea on to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kt. No. Old 1584 Plot No. 82 Area 0665 Sheet No. 31 situated at K. B. Dr. A. Aziz Road, Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gauhati on 2-7-73, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Alhaj Syed Ahmed Hossain. (Transferor)
- (2) Smt. Sogra Khatoon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;
- It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storcycd building at K. B. Dr. A. Aziz Road, Darjecling bearing kt. No. Old 1584 plot No. 82 Area 0665 Sheet No. 31.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income- Tax, Acquisition Range I. P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date: 22-1-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I
ACQUINSITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-26, the 16th January 1974

Ref. No. F. 1X/3/80/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing door No. lands situated at Darapadavedu village, Katpadi, N.A. District,

lands situated at Darapadavedu village, Katpadi, N.A. District (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at at ISR. II Madras on July 1973. for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s. Katpadi Oil Products Pvt. Ltd., 3. Vahimalal Road, Katpadi, N.A. District.

 (Transferor).
- (2) M/s. Bharat Development Corporation Pvt. Ltd. 3, Vahimalai Road, Katpadi. N.A. District. (Transferce).
- **(3) M/s, Star Oil Mills. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site for oil mills measuring about 2 acres 8 cents in S. No. 343/2A and 343/1(Part) situated at Dargpadavedu village, Katpadi, N. A. District.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range-I,
Range-1,
Madras-6,

Date: 16-1-1974.

Scal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras the 16th January 1974

Ref. No. F. 1X/3/81/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market va'ue exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. land situated at Darapadavedu village, Katpadi, N.A. District.

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

JSR. II Madras, on July, 1973.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:

- (1) M/s. Katpadi Oil Products Pvt. Ltd., 3. Vahimalai Road, Katpadi, North Arcot District.
 (Transferor)
- (2) Bharat Development Corporation Pvt. Ltd. 3, Yahimalai Road, Katpadi, N.A. District, (Transferee),

*(3) M/s, Star Oil Mills.
(Person in occupation of the property).
property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site for oil mills in Survey No. 353/1 (Part) in Darapadavedu village, Katpadi, N. A. District measuring about 2 acres 58 cents.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Madras-6.

Date: 16-1-1974,

Scal:

"(Strike off where not applicable),

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 16th January 1974

Ref. No. Sub-Reg/Guna/31-8-73.—Whereas, I, M. F. Munshi.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 271 situated at Ward No. 7 Nai Sadak Guna situated at Guna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Guna on 23-8-73

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
35—426GI/73

- (1) (1) Sh.i Pooran Chand S/o Shri Mukundilal (2) Shri Kewalchand, (3) Shri Babulal, (4) Shri Rajendrakumar sons of Shri Pooran Chand Jain R/o Nai Sadak, Ward No. 7, Guna. (Transferor)
- (2) Shrimoti Bhawar Bai W/o Late Shri Bhawarlalji Jain C/o Bhawarlal, Babulal Kirana Merchant, Sadar Bazar, Guna, M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 storied House No. 271 situated at Ward No. 7, Nei Sadak, Guna.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Bhopal

Date: 16-1-1974.

- (1) Shri Narain Dutt. (Transferor)
- (2) Shri Jagat Singh Bist. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Ref. No. 23-J/Acq.—Whereas, I K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Mal Road Distt. Almora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Almora on 23-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house 45×69 ft. consisting of 25 rooms, kitchen, varanda & bath room situated at Mal Road, Distt. Almora.

K. N. MISHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Lucknow

Dated: 15-1-1974.

Seal:

*Strike off where not applicable

(1) Shri Abdul Latif & others. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Idc & others. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETA'X, ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Rel. No. 4-I/Acq.—Whereas, I K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing situated at Dist. Moradabad

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilari on 18-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer wih the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is bereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX \ of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land situated in Distt. Moradabad.

K. N. MISHRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Lucknow

Dated: 15-1-1974.

Seal:

*Strike off where not applicable

(1) Dr. Surendar Nath. (Transferor)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Bhagwandas & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1974

Ref. No. 42-B/Acq.—Whereas, I K. N .Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

61 & 505 situated at Barielly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the the registering officer at Barielly on 10-7-1973

for an apparent consideration

which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter,

THE SCHEDULE

One Kothi measuring 100 square yards each storey situated at Civil Lines in Distt. Barcilly.

K. N. MISRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range

Lucknow

Dated: 15-1-74.

Seal

*Strike off where not applicable

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 15th January 1974

Ref. No. TR-835/C-156/CAL-1/73-74.---Whereas, I.S. K.

Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53 situated at Syed Amir Ali Avenue, Calcutta.

(and more fully decribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at The Registrar of Assurances, 5 Govt. Place North, Calcutta

on 9-7-73.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) Sri Fram Pestonjee Choksey. (Transferor)

- (2) Sri Rabind a Nath Dutta, Sri Subhra Jyoti Dutta. (Transferce)
- 1. Sri K. G. Varma, 2. M/s. The National Coal Development Co. Ltd., 3. M/s. Gomes & Sons, 4. M/s. Habib & Asrafam Bibi. (Person in occurpation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the heating of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied brick built structure on and including land measuring 17 cottah, 1 chittack and 8 sq. ft at premises No. 53 Syed Amir Ali Avenue, Calcutta-19.

> S. K. CHAKRAVARTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1,

Date: 15-1-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 19th January 1974

Ref. No. AR-II/825/1328/73-74.—Whereas, I G. N. Sadhu, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. G. 504 Plot No. 13B situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule

City Survey No. G. 504 Plot No. 13B situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 21-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Gregory Sylvester Miranda. (Transferor)
- (2) Shri Frank Oliveira and Smt. Enid Oliveira. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the buildings and out-houses thereon situated at Santa Cruz in Greater Bombay, Andheri Taluka in the Registration Sub-District of Bandra, Registration District Bombay Suburban being Plot No. 12/B of the Willingdon West Estate and bearing City Survey No. G Ward 504 admeasuring 1060 square yards or thereabouts and bounded as follows that is to say on or towards the North by C.T.S. No. 502 on or towards the South by C.T.S. No. 505, on or towards the West by a public road and on or towards the East by C.T.S. No. 503.

G. N. SADHU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 22nd January 1974.

Seal 1

[Strike off where not applicable]

FORM ITNS----

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place New Delhi. (Transftror).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jasbir Singh S/o Shri Gurbachan Singh, R/o 21-B/B, Gandhi Nagar, Jammu (J&K). (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 22nd January 1974

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such

Ref. No. IAC/Acq. Range_II/73-74/1713 — Whereas I, C. V. Gupte,

objection, and the transferee of the property.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S-272 situated as Greater Kailash-II, New Delhi

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-8-73,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being plot No. 272 measuring 297 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kallash-II situated at village Bhahapur in the Union Territory

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

by me.

C. V. GUPTE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 2.59D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

Date: 22nd January, 1974.

of Delhi & bounded as under :-

North: Plot No. S/270.

East: Service Lane

West: Road South: Road.

Seal:

Strike off where not applicable

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madas-6, the 17th January 1974

Ref. No. F. 725/73-74. - Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing door No. 4 situated at Rutland Gate IV Street, Nungambakkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at T. Nugar on 9-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- Shri R. Gaja Gouti Devi, No. 12-A, Diwan Rama Iyengar Road, Purasawalkam, Madras. (Transferor)
- Yerabolu Subbarama Reddy, 2. Adapala Sridevi Amma, 3. Ponnalur Padmavathi, 34, Clements Road, Vepery Madras. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground (with bungalow, garage, etc.) admeasuring 8 Grounds & 550 Square feet situated at Door No. 4, Rutland Gate, IV St., Nungambakkam, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 17-1-1974.

Seal:

[Strike off where not applicable]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY

Bombay-20, the 17th January 1974

Ref. No. AR-II/820/1304/73-74.—Whereas, I G. N. Sadhu, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax. Acquisition Range II, Bombay,

being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.P.S.V. Plot No. 105 situated at Santácruz (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-7-1973,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

36-426 GI/73

- (1) M/s. Narsinghlal Balchand & Co. (Transferor)
- (2) Hari Nivas Premises Co-operative Society I td. (Transferee)
- *(3) Members of Hari Nivas Premises Co-operative Society Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being in the Town Planning Scheme No. V (Santacruz) Bandra, bearing Final Plot No. 105 contained by admeasurment 436.44 sq. metres i.e. 522 Square Yards or thereabout and bounded as follows. That is to say on the EAST by Plot No. 104 of the Town Planning Scheme V of Santacruz, on the WEST by Plot No. 106 of the Town Planning Scheme V of Santacruz, on the NORTH by Plot No. 100 of the Town Planning Scheme V of Santacruz and on the SOUTH by a 40 Feet proposed public Road of the said. Town Planning Scheme No. V of Santacruz

G. N. SADHU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 17th January 1974.

Seal:

"Strike off where not applicable

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.Range-II/73-74/7024.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing No. S-155 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule minered benefo), has been transferred as per deed registered under the Indian Registion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on 27-8-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And wherears the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely;

- (1) M/s D.L.F. United Ltd. 40-F, Connought Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Rani, W/o Shri Satpal Cugna, R/o J-62, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land measuring 299 sq. yd., & bearing No. S-155 in the residential colony known as Greater Kailush-II, New Delhi situated at Village Bahapur in the Union territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Delhl/New Delhi

Date: 15th January, 1974.

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II

NEW DELHI

New Delhi, the 16th January 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6935.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-285 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-7-1973, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sukhwant Kaur w/o Major Daljeet Singh, (ii) Shri Gurinder Singh s/o Major Daljeet Singh, r/o 390/4, Service Officers Enclave, S. P. Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 307 sq. yards and bearing No. S-285 in the residential colony known as G eater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territroy of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date: 16th January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1

Calcutta, the 15th January 1974

Ref. No. TR-518/C-105/CAL-2/73-74.—Whereas, I.S. K. Chakravarty.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Lower Range, Calcutta (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer. The Sub-Registrar of Sealdah, 24-Parganas on 4-7-1973, for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have renson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shaikh Saleh Misri. (Transferor)
- (2) Sri Subhas Chandra Gupta, Sri Jitendra Prasad Gupta, (Transferee)
- Sri Ram Swarup Shaw. (Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of two storied building on and including a plot of land measuring 7 cottans 5 Chittacks 20 sq. ft. at p emises No. 7, Lower Range, Park Circus, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range I
P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date: 15-1-74.

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND PATEL MARG, PATNA-1.

Patna, the 19th January 1974

Ref. No. III-78/Acq/73-74/1483.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna,

being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Holding No. 268 at Dharmashala Road,

Jamalpur situated at Jamalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Monghyr on 7-7-73 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) on the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

- (1) Shri Narain Pd. Agarwal, P.O. & P.S. Surajgarha. Dt. Monghyr. (Transferor)
- (2) Shri Raj Kapoor Agarwal, P.O. & P.S. Suraigarh, Dt. Monghyr. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building Holding No. 268 at Dharmashala Road, Jamalpur Dt. Monghyr Municipal Ward No. C, Jamalpur.

> J. NATH Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Patna

Date: 19-1-74,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

694

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 22nd January 1974

Ref. No. AR-II/822/1313/73-74.—Whereas, I G. N. Sadhu the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay.

Range II Bombay, being the competent authority under Section 2691 of the Income tax Act 1961 (43

of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 61, T.P.S.V., City Survey No. 117 situated at Santa-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 4-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisiton of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Francis Anthony D'Souza, (Transferor)
- (2) M/s. Mohanlal Rajmal & M/s. Mahalaxmi M/s. Mahalaxmi Metal & Co. (Transferee)

[PART III--SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALI. THAT undivided share of vendor in piece of parcel of land together with plot of land or ground, situate lying and being at Prabhat Colony, Santacruz East, in the Bombay Suburban Registration Dist. in Greater Bombay in the revenue village, bearing plot No. 61, Town Planning Scheme No. 5, Nehru Road, Santacruz East, Bombay and bearing City Survey No. 117 and admeasuring 707.4 sq. yards and bounded on the south by Nehru Road.

On the north by

On the east by plot No. 62.

G. N. SADHU

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II, Bombay

Date: 22nd January 1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1974

Ref. No. IAC/Acq.Range-II/73-74/7045.--Whereas I, C. V. Gupte, competent authority under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o have reason to believe that the immovable of 1961), property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-61 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at De'hi on 18-8-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Lal Magon, S/o Shri Ram Chand, R/o 156, Lajpat Nagar, Juliundur City, (Punjab). (Transferor).
- (2) Smt. Nina Malhotra, W/o Shri Raj Malhotra C/o Mrs. Puspa Rani, V-1988, Naughara, Kinari Bazar, Delhi-6. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettë;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land measuring 300 sq. yds. & bearing No. S-61 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at Village Bahapur in the Union Te.ritory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 22nd January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1974

Ref. No. IAC/Acq.Range-II/73-74/7045.---Whereas I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M-8 (market) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 9-8-73

Delhi on 9-8-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Gurbaksh Singh Dhillon, S/o S. Lal Singh, 1.F.S. Chief Conservator of Forests, 53, Sector-5, Chandigarh (Punjab). (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writting of the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

A free hold plot of land measuring 195 sq. yards & bearing No. M-8 (market) in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Bahapur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range II.
Delhi/New Delhi

Date: 22nd January, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 22nd January 1974

Ref No. IAC/Acq.Range-II/73-74/7045.---Whereas I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-62 situated at Greater Kailash. New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Delhi on 9-8-1973

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Na.ain Sharma S/o Shri Pandit Jasram Sharma, R/o Gandhi Road, BARAUT. Distt. Meerut (UP). (Transferor)

- (2) Shri Gulab Singh Jain, R/o D-1A, Green Park, New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri Gopi Chand (G.F.) R/62-X Greater Kailash-I, New Delhi. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Sh.i Vijay Kumar Jain, S/o Shri Gulab Singh Jain, R/o D-1A, Green Park, New Delhi. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A-21 storeyed house constructed on free hold plot of land measuring 300 sq. yds and being No 62 in Block 'R' situated in the residential colony known as Greater Kailash, village Yaqutpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 22nd January, 1974.

Seal:

37-426 GJ/73

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1974

Ref. No. IAC/Acq.Range-II/73-74/7045.—Whereas I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F-11 situated at Haus Khas Enclave, New Delhi

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 4-8-1973,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or eva ion of the liability of the transferor to pay tax under the lineome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:--

- (1) Smt. Usha Ansal, W/o Shti Tck Chand Ansal, R/o Ansal House, Village Ansal Nagar, Post Box, No. 19, FEROZEPORE CITY, (Punjab), (Transferor)
- (2) (a) Smt. Gangawati, W/o Late Shri Krishna, R/o 1, Narinder Place, New Delhi. (b) Shri Autar Krishna, S/o Late Shri Krishna R/o B-1, Gurmohar Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said. immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Piece and pacel of freehold land bearing Plot No. 11 in Block 'F' mensuring about 1007 sq. yds. situated in the residential colony known as Haus Khat Enclave within the limits of the Delhi Municipal Corporation bettled and bounded as follows:

On the East: Other's land.

On the West: Road

On the North; Plot No. F-10 On the South: Plot No. F-12.

together with residential house and all buildings and construction on the said plot and all existing fixtures and fittings.

> C. V. GUPTF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II. New Delhi

Date: 22nd January, 1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECT-ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-I

Calcutta, the 24th January 1974

Ref No. TR-834/C-157/CALI/73-74.—Whereas, I, S. K.

Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

156 situated at Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta-12

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Act, The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 14-7-73

for such transfer as agreed to between the transferor(s)

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such comparent consideration and that the consideration

and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

'Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Sri Hamir Chandra Basu Mullick as the sole executor and trustee under the will of Nirode Chandra Vasu Mullick and in his personal capacity. (Transferor)
- (2) M/s. The Chamong Tea Company Ltd. (Transferee)
- (3) a. M/s. Bajrang Factory Ltd. b. M/s India Automobiles (1960) Ltd. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have, a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one storied and partly two storied building and tiled and corrugated structure together with rent free land containing three bighas and twenty eight square feet more or less situate lying and being the eastern portion of Premises No. 156 Bipin Behary Ganguly Street and commonly known as Baitakh Khana Bazar.

> S. K. CHAKRAVARTY Competent Authority Income- Tax, Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date: 24-1-74.

[Strike off where not applicable]

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION ADVERTISEMENT NO. 4

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and hona fide dis-placed persons from crstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who mig-rated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes), 25th February, 1974 (11th March, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 7, 11, 13 and 16 permanent but appointment will be made on temporary basis. Posts at S. No. 14 temporary but likely to continue on long term basis. Posts at S. Nos. 1 to 6, 9, 10, 12 and 15 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 8 temporary but likely to continue.

One post at S. No. 14 reserved for Scheduled Castes candidates. Post at S. No. 3 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers, who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-1962 but before 10-1-1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released.

- 1. One Adviser (Public Health and Environmental Engineering), Ministry of Works and Housing. Pay.—Rs. 2250-125-2500. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Post-graduate degree or equivalent diploma in Public Health Engineering of a recognised University/Institution. (iii) About 20 years' experience in a responsible capacity in Public Health Engineering works, including investigation, design, construction and operation of Water Supply and Sewage installations.
- 2. One Principal Scientific Officer, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence, Pay.—Rs.

- 1100-50-1200-100-1500. Age.—Preferably below 45 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class Degree in Mechanical/Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) At least six years' experience in research/design and development in the field of combustion as applied to Gas Turbine Technology, of which at least three years' must be in a responsible directing and administrative capacity.
- 3. One Deputy Director, Grade III of the Indian Economic Service, Department of Personnel and Administrative Reforms, Cabinet Secretariat. Pay.—Rs. 700-40-1100-50/2-1250. Age.—Between 25 and 35 years (i.e. must have attained the age of 25 years but must not have attained the age of 35 years). Relaxable for Government servants at the discretion of the Commission. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's degree in Economics or Statistics or Agricultural Economics or Commerce. (ii) Five years' experience of investigation/research in Economics and/or Commerce in recognised Institutions or Government Departments or Commercial concerns of repute. (iii) Evidence of acquaintance with modern developments in Economics and/or Commercial fleld.
- 4. One Deputy Director. Song and Drama Division, Ministry of Information and Broadcasting. Pay.—Rs. 700-40-1100-50/2-1150. Age.—45 years. Not relaxable for Government servants. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' practical experience of producing and or directing plays on the stage. (ii) Knowledge of Modern theatre techniques and equipment. (iv) Working knowledge of Hindi.
- 5. One Senior Scientific Officer, Grade II for Aeronautical Development Establishment, Bangalore. Pay—Rs. 400-40-800-50-950. Age.—Preferably below 30 years, Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class M.Sc. in Mathematics of a recognised University or equivalent. (ii) Two years' experience in developing digital computer programmes for the solution of Aerodynamic Flight Mechanics Problems, with thorough knowledge in FORTRAN and ASSEMBLER language of a large digital system like the IBM 360.
- 6. One Senior Scientific Officer, Grade II, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400-40-800-50-950. Age.—Preforably below 30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's degree in Physics from a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in the design and development of aircraft rockets, rocket launchers, their performance, evaluation and planning and conducting development trials for such stores.
- 7. One Fisheries Research & Investigations Officer, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture). Pay.—Rs. 400-40-800-50-950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's or equivalent Honours Degree in Zoology of a recognised University. (ii) About 3 years' experience of independent research or of field work in Fisheries development.
- 8. One Works Manager, Central Health Transport Organisation, Ministry of Health & Family Planning, Pay.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950, Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Automobile/Mechanical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in a supervisory capacity in an Automobile Workshop of repute or a corresponding Government Organisation.
- 9. One Junior Scientific Officer, Defence Research & Development Laboratory, Hyderabad, Research &

- Development Organisation, Ministry of Defence, Pay.—Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900.

 Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.
- 10. One Junior Scientific Officer, Defence Institute of Physiology & Allied Sciences, Ministry of Defence. Pay.—
 Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900.
 Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—
 Essential.—At least 2nd Class Master's Degree in Physics of a recognised University or equivalent with Hearing and Sonics as special subject.
- 11. One Examiner of Trade Marks in the Trade Marks Registry, Ministry of Industrial Development. Pay.—Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Law of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' practice in the Bar/5 years' practice as a solicitor/5 years' experience of legal work in a solicitor's office/10 years' service in the Trade Marks Registry.
- 12. One Ayurvedic Physician, C.G.H.S., Eirectorate General of Health Services, Pay.—Rs. 325-25-500-30-590-E3-30-800 plus N.P.A. © 25% of pay subject to a minimum of Rs. 150/- p.m. Age Limit.—3.) years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree or Dipoma in Ayurveda from a recognised University or a Statutory State Board/Council/Faculty in Indian Medicine. (ii) About 5 years' experience in the profession, including about two years' experience in a recognised Ayurvedic Hospital.
- 13. One Master in Physics, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 325-15-475-EB-25-500-30-680. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least 2nd Class Master's Degree in Physics of a recogn sed University or equivalent. (ii) Degree or a recognised Diploma in Education or three years' teaching experience as Demonstrator in Intermediate or Higher Classes.
- 14. Two Senior Technical Assistants (Livestock), Ministry of Agriculture. Pay.—Rs. 325-15-475-EB-20-

- 575. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) A Degree in Animal Husbandry or Veterinary Science from a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience of research/livestock development work.
- 15. One Superintendent in the Operation Centre, Data Processing Division, National Sample Survey Organisation, Nagpur. Pay.—Rs. 325-15-475-EB-20-575. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Statistics or in Mathematics or Economics or Commerce (with Statistics) of a recognised University or equivalent, OR Degree (with at least 50% marks) of a recognised University with Mathematics or Statistics or Economics as a subject and a post-graduate diploma in Statistics awarded after at least 2 years training in a recognised Institution or equivalent. (ii) About 2 years' experience in Data Processing work or eard tabulation system.
- 16. One Assistant Programmer, Planning Commission. Pay.—Rs. 325-15-475-EB-20-575. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a rerecognised University or equivalent preferably with Statistics or Mathematics as a subject. (ii) Training in Programming on electronic Computer, preferably IBM 1620.

CORRIGENDUM

One Lecturer in Biochemistry (Non-Medical,) Jawa-harlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research, Pondicherry. Reference item 12 of Commission's Advertisement No. 25 published on 23-6-1973. It is notified for general information that the recruitment to the post has since been cancelled. The fee paid by the candidates who have applied in response to Commission's above advertisement will be refunded in due course.

A. C. BANDYOPADHYAY
Secretary
Union Public Service Commission